रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:103 शनिवार,20 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

पीएम आज करेंगे नदिया जिले के रानाघाट में नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास

एजेसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। सुबह करीब 11:15 बजे, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के रानाघाट में नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाले दो नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने इस दौरे को लेकर ट्वीट किया। पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा मैं कल, 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के लोगों के बीच रहने का इंतजार कर रहा हूं। सुबह करीब 11:15 बजे, मैं नदिया जिले के रानाघाट में एक पब्लिक प्रोग्राम में शामिल होऊंगा, जहां 3200 करोड़ रुपये के डेवलपमेंट कामों का या तो उद्घाटन किया जाएगा या उनकी नींव रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने शहीद नीलांबर पीतांबर के वंशज राम नंदन सिंह के निधन पर जताया शोक

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडि यीडि यीडि यीडि या प्लेट्लेट्लेटफार्मर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि झारखण्ड की माटी के वीर सपूत,महान स्वतंत्रता सेनानी अमर वीर शहीद नीलांबर पीतांबर के वंशज आदरणीय श्री राम नंदन सिंह जी के निधन का अत्यंत मर्माहत करने वाला समाचार मिला। स्व श्री राम नंदन सिंह जी का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

तेलंगाना में 41 ााओवादियों का सरेंडर, 24 हथियार भी सौंपे

हैदराबाद। तेलंगाना के शिवधर रेड्डी के सामने 41 माओवादियों ने सरेंडर किया. इनमें कामारेड्डी से स्टेट कमेटी सेक्रेटरी एरागोला रवि उर्फ संतोष, मंचेरियल से कनिकारापु प्रभंजन, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से छह डिवीजन कमेटी मेंबर और दो सेंट्रल विजन कमांडर शामिल थे. शिवधर रेड्डी ने बताया कि बाकी सभी माओवादी छत्तीसगढ़ से हैं. सरेंडर के दौरान माओवादियों ने पुलिस को 24 हथियार सौंपे. उन्होंने बताया किइस साल अब तक 509 माओवादियोंने सरेंडर किया है.

डोमेस्टिक क्रिकेट में झारखंड की जीत बड़ी उपलब्धि, पूरे राज्य को गर्व : हेमंत

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-2025 का खिताब जीतने वाली टीम ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी2 025 का खिताब जीतकर इतिहास रचनेवाली झारखंड क्रिकेट टीम के सदस्यों ने मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के कप्तान और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ईशान किशन ने पूरी टीम के साथ विजेता ट्रॉफी मुख्यमंत्री को सांकेतिक रूप से हैंडओवर कर जीत का जश्न मनाया। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक जीत के लिए सभी खिलाडि ?ों, सपोर्ट स्टाफ्स तथा जेएससीए को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन और मुख्य सचिव अविनाश कुमार की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने सभी खिलाडियों को शॉल ओढ़ाकर स्मानित किया। वहीं, टीम के कप्तान ईशान किशन समेत सभी खिलाडियों ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंटके अपने प्रदर्शन और अनुभवों को मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैयद मुश्ताक अली टी- ट्वेंटी क्रिकेट टूर्नामेंट जीतकर झारखंड ने डोमेस्टिक क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान गढ़ा है। यह पूरे राज्य के लिए एक बड़ी उपलधि और गौरवान्वित करने वाला पल है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में इस तरह की जीत हासिल होने से राज्य में खेलों को बढ़ावा मिलता है। क्रिकेट के साथ हॉकी और तीरंदाजी जैसे कई खेलों में झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश और राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने क्रिकेटरों से संवाद के क्रम में राज्य में खेल वातावरण बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेलों का एक ऐसा इकोसिस्टम बने , जिसमें राज्य के प्रतिभावान खिलाडियों को आगे आने का मौका मिले। इसके लिए स्कूल और कॉलेज स्तर पर खेलों।

- राज्य में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने पर जोर, प्रतिभावान खिलाड़ियों को मिलेगा मौका
- स्कूल और कॉलेज स्तर पर खेलों को जोड़े जाने की मजबूत शुरुआत करने का निर्देश

लौट रहा परंपरागत खेलों का दौर

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज लोकप्रिय खेलों के साथसाथ परंपरागत खेलों का दौर भी नए रूप में लौट रहा है। परंपरागत खेलों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तैयार है। मुख्यमंत्री ने राज्य में पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक नियमित रूप से खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर भी बल दिया। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि नए और होनहार खिलाड़ी भी सामने आएंगे, जो भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे।

25 साल के दीपू चंद्र दास के रूप में हुई मृतक की पहचान, कारखाने में करता था काम

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोप में हिंदू युवक की पीटकर हत्या

डेड बॉडी को लगा दी गई आग, मैमनसिंह शहर में घटना को दिया गया अंजाम

एजेंसी

शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बवाल मच गया है। इसका निशाना चटगांव स्थित भारतीय राजनयिक मिशन को भी बनाया गया है। हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में जगह-जगह पर प्रदर्शन हो रहे हैं और भारत विरोधी नारे भी लगाए जा रहे हैं। इसी बीच चटगांव स्थित भारतीय मिशन पर भीड़ ने पत्थरबाजी की गई है। इसके अलावा डेली स्टार और प्रथम आलो जैसे अखबारों के दफ्तर पर भी हमला किया गया है। डेली स्टार पर हमले के दौरान तो करीब 25 पत्रकार फंस गए थे, जिन्हें किसी तरह बाहर निकाला गया। अखबारों पर हमले के वक्त भी भारत विरोधी नारे लगाए गए। इन अखबारों पर आरोप है कि वे भारत और शेख हसीना के समर्थक हैं।शरीफ उस्मान हादी के समर्थक और उनके संगठन इंकबाल मंच का आरोप है कि उनका हत्यारा फैसल करीम मसूद भारत में छिपा है। इसके अलावा बांग्लादेश में सिब्योन दिउ और संजय चिशिम नाम के दो लोगों को अरेस्ट किया गया है। इन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने फैसल करीम मसूद की मदद की थी। ढाका के अडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने इन दोनों लोगों को रिमांड पर भेजा है। उस्मान हादी इंकलाब मंच के प्रवक्ता थे और वह निर्दलीय चुनाव लड़ने कीतैयारी में थे। बीते शुक्रवार को वहएक रैली से प्रचार के बाद लौट रहे थे। इसके बाद वह एक मस्जिद में गए थे और वहां से निकलते वक्त उन्हें बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी।यह घटना मोतीझील इलाके केपुराना पलटन में हुई थी।बांग्लादेशी एजेंसियों का कहना है कि बाइक सवार हमलावरों ने हमला किया था। उस बाइक पर फैसल करीम मसूद पीछे बैठा था और आरोप है कि उसने ही हादी पर गोली लाई थी। इसके बाद वह अपनी बहन के अगरगांव स्थित घर चला गया था। यहां से वह एक सीएनजी ऑटो में सवार होकर निकला था।

धरना देते रहे विपक्षी खत्म हो गया शीतकालीन सत्र

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। वहीं सुबह से ही मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी योजना करने को लेकर विपक्षी सांसद संसद भवन परिसर में धरना दे रहे थे। सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष हंगामा करने लगा। इसके बाद दोनों सदन स्थगति कर दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं। अठारहवीं लोकसभा के छठे सत्र में सदन ने आठ सरकारी विधेयकों को मंजूरी दी। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेने के लिए लाया गया 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025इ शामिल है जिसे लेकर विपक्ष ने भारी विरोध दर्ज कराया। सदन ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्धन (शांति) विधेयक, 2025इ, 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025इ और वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच और संबंधित विनियोग (संख्याक 4) विधेयक, 2025 को भी पारित किया। देश में अप्रचलित एवं पुराने हो चुके 71 कानूनों को निरस्त और संशोधित करने के प्रस्ताव वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025इ को भी न्नि सदन कीस्वीकृति प्राप्त हुई। इनके अतिरिक्त लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन)विधेयक, 2025।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच भारत को मिली ब्रीक्स की कमान, अमेरिका की उड़ी नींद

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इसका उद्देश्य विकास, व्यापार, वित्त और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। ब्रिक्स की अध्यक्षता सदस्य देशों के बीच प्रतिवर्ष बारी-बारी से होती है।भारत 1 जनवरी से आधिकारिक रूप से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने जा रहा है। 11 और 12 दिसंबर को ब्राजीलिया में हुई ब्रिक्स शेरपाओं की बैठक के बाद भारत को ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता सौंप दी गई। 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ऐसे वक्त में शुरू हो रही है जब ट्रंप के दूसरे कार्यकाल ने वैश्विक व्यापार और कूटनीति में अनिश्चितता बढ़ा दी है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपने वाला ब्राजील भी अमेरिका के टेरिफ के निशाने पर रहा। लेकिन इन तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत ने साफ कर दिया है कि ब्रिक्स की अध्यक्षता, लचीलापन, इनोवेशन, सहयोग, सतत विकास, मूल सिद्धांतों पर पूरी तरह फोकस होगी। ब्राजील से भारत को मिला यह दायित्व केवल औपचारिक बदलाव नहीं बल्कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात में एक मजबूत राजनीतिक और रणनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। चौथे ब्रिक्स शेरपा सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान, 12 दिसंबर, 2025 को ब्राजील ने आधिकारिक तौर पर ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत को सौंप दी। इस औपचारिक हस्तांतरण ने समूह के भीतर नेतृत्व परिवर्तन को चिह्नित किया, क्योंकि भारत 2026 में ब्रिक्स चचाओं और पहलों का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहा है। ब्रिक्स क्या है ? :ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इसका उद्देश्य विकास, व्यापार, वित्त और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। ब्रिक्स की अध्यक्षता सदस्य देशों के बीच प्रतिवर्ष बारी-बारी से होती है।

कर्नाटक में सीएम बदलने की फिर से अटकलें शुरू

एजेंसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही खींचतान और बदलाव की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। बेलगावी में वरिष्ठ लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा बुधवार रात आयोजित एक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थन करने वाले विधायक शामिल हुए। इसमें जमावड़े में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्धारमैया तथा विधायक के एन राजन्ना सहित तीस से अधिक विधायक शामिल हुए। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया स्वास्थ्य कारणों से इस कार्यक्रम में खुद उपस्थित नहीं हो सके। जारकीहोली ने इस बैठक को राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान एक सामान्य सामाजिक मेलजोल करार दिया है लेकिन इसमें शामिल कई विधायकों ने संकेत दिया कि वहां राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले के एन राजन्ना ने पुष्टि की कि पार्टी की रणनीति और नेतृत्व से जुड़े मामले बातचीत का हिस्सा थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की बैठकें केवल सामाजिक मेलजोल के अलावा कई अन्य उद्देश्यों को भी पूरा करती हैं।

कुव्यवस्था

रनवे बना एग्जाम सेंटर, 187 पोस्ट पर निकली थी भर्ती

8 हजार कैंडिडेट्स ने हवाई पट्टी पर बैठ दी परीक्षा

एजेंसी

संबलपुर : ओडिशा के संबलपुर जिले में 16 दिसंबर को एक अजीब नजारा दिखा। जब होमगार्ड भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए पहुंचे 8 हजार अभ्यर्थियों को हवाई पट्टी पर बैठकर एग्जाम देना पड़ा। 187 होमगार्ड के पदों के लिए न्यूनतम योग्यता पांचवीं कक्षा पास उत्तीर्ण होना अनिवार्य था। फिर भी 8,000 उम्मीदवार पहुंच गए। इसमें ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कैंडिडेट्स भी शामिल थे। सुबह से ही भारी संख्या में उम्मीदवार जमादारपाली हवाई पट्टी पर जमा हो गए। जहां परीक्षा आयोजित की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, भर्ती कॉन्ट्रैक्ट या आवश्यकता-आधारित मॉडल के तहत की जा रही है। हालांकि, इस पद के लिए केवल बुनियादी शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता थी। फिर भी बड़ी संख्या में स्नातक और स्नातकोत्तर उम्मीदवारों ने परीक्षा दी, जो शिक्षित युवाओं के लिए स्थिर रोजगार के अवसरों की कमी को दशार्ता है। परीक्षार्थियों की काफी ज्यादा संख्या के कारण अधिकारियों को कई तरह की व्यवस्था संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पारंपरिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित करना संभव नहीं था। स्थिति को संभालने और परीक्षा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने जमादरपाली हवाई पट्टी को परीक्षा स्थल के रूप में चुना। उम्मीदवारों को खुले आसमान के नीचे हवाई पट्टी पर बैठाया गया, जिससे भीड़ को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सका और परीक्षा का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ। असामान्य परिस्थितियों के बावजूद, परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और उम्मीदवारों ने पूरे समय अनुशासन बनाए रखा। अधिकारियों ने कहा कि हवाई पट्टी पर बैठाकर परीक्षा लेने के निर्णय से कुप्रबंधन से बचने और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिली।संबलपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ने बताया कि परीक्षा 16 दिसंबर को संबलपुर में आयोजित की गई थी। लगभग दस हजार आवेदकों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था और लगभग आठहजार उम्मीदवार परीक्षा के दिन उपस्थित हुए थे। उन्होंने कहा कि आठ हजार उम्मीदवारों को एक ही जगह बैठाकर परीक्षा लेने में बीस स्कूलों में व्यवस्था करनी पड़ती। संबलपुर एक ऐसा स्थान है जहां हर रविवार को कई परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं और एक ही समय में इतनी बड़ी संख्या में कैंडिडेट्स को संभालना मुश्किल हो जाता है। आम तौर पर, पुलिस और सेना भर्ती के लिए लिखित और शारीरिक परीक्षाएं खुले मैदानों में आयोजित की जाती हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए, हमने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कीं थी।

बेटिंग ऐप मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

युवराज, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद समेत कई दिग्गजों की करोड़ों की संपत्ति जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। सट्टेबाजी से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कार्रवाई की है. जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, एक्टर सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, नेहा शर्मा और पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती शामिल हैं. इन सभी व्यक्तियों की संपत्तियां जब्त की गई हैं. केंद्रीय एजेंसी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन की अभी भी जांच कर ही रही है.ईडी ने क्रिकेटर युवराज सिंह की ढाई करोड़ की संपत्ति जब्त की है, जबकि रॉबिन उथप्पा की 8.26 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है. इसी तरह से अभिनेता सोनू सूद की एक करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की है, जबकि उर्वशी रौतेला की 2.02 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है. उर्वशी की संपत्ति उनकी मां के नाम पर रजिस्टर्ड है. अभिनेत्री नेहा शर्मा की 1.26 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है. अंकुश हाजरा के नाम पर 47.20 लाख की संपत्ति थी, जिसे ईडी ने अटैच कर दिया है. मिमी चक्रवर्ती की 59 लाख रुपये की प्रॉपर्टी अटैच कर दी गई है. युवराज सिंह - 2.5 करोड़,रॉबिन उथप्पा - 8.26 लाख,उर्वशी रौतेला - 2.02 करोड़,सोनू सूद - 1 करोड़,मिमी चक्रवर्ती - 59 लाख,अंकुश हाजरा - 47.20 लाख,नेहा शर्मा- 1.26 करोड़। सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामलों में ईडी पहले ही क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना पर कार्रवाई कर चुकी है. सुरेश रैना की 6.64 करोड़ की संपत्ति और शिखर धवन की 4.55 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है.

फ्लाइट कैंसिल होने से वर्ल्ड मेडिकल समिट में शामिल नहीं हो सके स्वास्थ्य मंत्री

रांची, संवाददाता ।

दिल्ली में अत्यधिक वायु प्रदूषण, घने कोहरे और स्मॉग के कारण रांची से दिल्ली जाने वाली कई फ्लाइटें कैंसिल हो गई हैं. इस कारण झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, खाद आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड मेडिकल समिट में शामिल नहीं हो सके.

107 देशों के स्वास्थ्य मंत्री व विशेषज्ञ हो रहे शामिल

इस वर्ल्ड मेडिकल समिट में 107 देशों से स्वास्थ्य मंत्री, डॉक्टर, विशेषज्ञ और मेडिकल एक्सपर्ट भाग ले रहे हैं. सम्मेलन में देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सहित सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों शामिल होने वाले हैं. डॉ. इरफान अंसारी भी इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में शामिल होने वाले थे, लेकिन खराब मौसम और दृश्यता में कमी के चलते उनकी फ्लाइट कैंसिल हो गई. डॉ. इरफान अंसारी ने दिल्ली सहित देश के बड़े महानगरों में बढ़ते प्रदूषण पर गंभीर चिंता व्यक्त की. उन्होंने पीएम मोदी से प्रदूषण नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक हाई-टेक मशीनें और नई तकनीकें तुरंत लागू करने की मांग की. मंत्री ने कहा कि हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि मरीजों की जान जा रही है. एयर एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंच पा रही है. मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाना मुश्किल हो गया है और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं.

हर पल की देरी एक इंसान पर पड़ सकती हैं भारी

डॉ. अंसारी ने कहा कि प्रदूषण के कारण कई फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं. जबकि कुछ फ्लाइट्स देर से उड़ान भर रही है. इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने बढ़ते वायु प्रदूषण को सिर्फ पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सुविधा संकट बताया. मंत्री ने इसे प्रशासनिक विफलता करार दिया. उन्होंने कहा कि देश को अब भाषण नहीं, बल्कि हाई-टेक और प्रभावी समाधान चाहिए. केवल योजनाओं के नाम बदलने से नहीं, बल्कि नई और कारगर योजनाएं लागू करने से ही स्थिति में सुधार संभव है. उन्होंने यह भी कहा कि अब और देरी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हर पल की देरी एक इंसान की जान पर भारी पड़ सकती है.

खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया संतोष ट्रॉफी का उद्घाटन, रांची में शुरू हुआ फुटबॉल महाकुंभ

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में प्रतिष्ठित संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टूनार्मेंट का रोमांच शुरू हो गया है. ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी झारखंड को मिलने से राज्यभर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. इस चरण में ग्रुप-सी के मुकाबले खेले जा रहे हैं, जिसमें मेजबान झारखंड, दिल्ली, बिहार और रेलवे की टीमें हिस्सा ले रही हैं. टूनार्मेंट के पहले दिन दो मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया. इनमें से एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ जबकि दूसरे मैच में कड़ी टक्कर देखने को मिली. शुरूआती मैचों से ही टूनार्मेंट का

प्रतिस्पर्धात्मक स्तर साफ नजर आया.

खेल मंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया

हालांकि प्रतियोगिता की शुरूआत पहले ही हो चुकी थी लेकिन टूनार्मेंट का औपचारिक उद्घाटन झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया. उद्घाटन समारोह के दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष सुप्रियो भट्टाचार्य भी मौजूद रहे. इस मौके पर खेल मंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से झारखंड में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिलती है और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है.

टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

संतोष ट्रॉफी के अंतर्गत मुकाबले 19, 21 और 23 दिसंबर को खेले जाएंगे. आयोजकों को उम्मीद है कि इन मैचों के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ेगी. खासकर मेजबान झारखंड टीम के मुकाबलों को लेकर स्थानीय दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है. हाल के वर्षों में झारखंड ने फुटबॉल सहित कई खेलों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई है, ऐसे में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है.

फुटबॉल प्रेमियों के लिए सारी व्यवस्थाएं

वहीं आयोजन को लेकर सुरक्षा, दर्शकों की सुविधा और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की गई हैं. बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम को पूरी तरह तैयार किया गया है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर मैदान और दर्शकों को बेहतरीन अनुभव मिल सके. कुल मिलाकर, रांची में आयोजित संतोष ट्रॉफी का यह चरण न केवल फुटबॉल प्रेमियों के लिए उत्सव जैसा है, बल्कि यह झारखंड को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी माना जा रहा है.

69वीं राष्ट्रीय स्कूली बालिका फुटबॉल प्रतियोगिताः झारखंड की बेटियों का शानदार प्रदर्शन जारी

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची की मेजबानी में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता जारी है. शुक्रवार को अंडर-14 एवं अंडर-17 वर्ग के दूसरे दिन विभिन्न राज्यों एवं शैक्षणिक इकाइयों के बीच रोमांचक लीग मुकाबले खेले गए. प्रतियोगिता के मैच बीआईटी मेसरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नवोदय विद्यालय फुटबॉल मैदान, खेलगांव प्रैक्टिस ग्राउंड तथा कांके मैदान में आयोजित किए जा रहे हैं. दूसरे दिन के मुकाबलों में देशभर से आई बालिका खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन और उच्च स्तरीय तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

मोदी सरकार पर मनरेगा खत्म कर रोजगार छीनने का आरोप, कांग्रेस 21 से करेगी विरोध

रांची, संवाददाता ।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने मोदी सरकार पर मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण जनता से रोजगार की गारंटी छीनने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी, जिसे नए विधेयक में समाप्त कर दिया गया है. पहले यह तय करने की शक्ति मजदूरों के पास थी कि किस गांव में काम होगा, लेकिन अब यह अधिकार केंद्र सरकार अपने हाथ में ले रही है. के. राजू ने कहा कि मनरेगा में पहले 90 प्रतिशत फंड केंद्र सरकार देती थी, जबकि अब केवल 60 प्रतिशत राशि वह भी चुनिंदा क्षेत्रों में ही दी जाएगी. इससे गरीब राज्यों में मनरेगा के तहत मिलने वाला रोजगार स्वतः समाप्त हो जाएगा. उन्होंने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने वाली इस योजना के नाम से

महात्मा गांधी को हटाने का प्रयास किया गया है. उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा थी, जिसे कुचल दिया गया. इस योजना को विश्व स्तर पर सराहा गया था और कोविड काल में इसने लाखों लोगों को रोजगार देकर जीवन रक्षक की भूमिका निभाई थी. मनरेगा को समाप्त कर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ को कमजोर किया गया है. कांग्रेस 21 दिसंबर से जिला स्तर पर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को न्यायालय से न्याय मिला है और सत्य की विजय हुई है.

झारखंड में 42.18 प्रतिशत नल जल योजना का काम पेंडिंग, पैसे नहीं मिलने से संवेदक परेशान, मंत्री बोले-केंद्र जिम्मेवार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने की कोशिश पर ग्रहण लगा हुआ है. नल जल योजना का हाल बेहाल है. केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच तालमेल के अभाव में योजनाएं अधर में लटक गईं हैं. राज्य सरकार ने इसके लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार को जिम्मेवार ठहराया है. विभागीय मंत्री ने जो डाटा साझा किया है, वो चौंकाने वाले हैं. दावा है कि केंद्रांश नहीं मिलने से योजनाएं प्रभावित हुई हैं. इसकी वजह से जरूरतमंदों तक नल से जल पहुंचाना मुश्किल हो रहा है.

केंद्रांश नहीं मिलने से नल जल योजना प्रभावित

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद का दावा है कि केंद्र सरकार की बेरुखी के कारण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं. इसकी

वजह से बड़ी संख्या में जरूरतमंदों तक नल से जल पहुंचाना मुश्किल हो रहा है. उन्होंने बताया कि झारखंड में नल जल की 97,535 योजनाएं संचालित हैं. इनमें से 56,386 योजनाओं का काम पूरा हो चुका है. शेष योजनाएं निमार्णाधीन हैं. इस योजना में केंद्रांश 50 प्रतिशत और राज्यांश 50 प्रतिशत है. केंद्रांश के रूप में 24,665 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं. इसकी तुलना में राज्य सरकार ने 6,874 करोड़ रुपये जारी किए हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने महज 5,987 करोड़ रुपये दिए हैं.

वर्तमान वित्तीय वर्ष में केंद्रांश शून्य

विभागीय मंत्री का दावा है कि केंद्र से पिछले वित्तीय वर्ष में 2,114 करोड़ रुपये मिलना था. इसकी तुलना में सिर्फ 70 करोड़ रुपये मिले हैं. जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त होने जा रहा है. आज भी वर्तमान वर्ष का एक पैसा नहीं मिला है. जबकि करीब 6,500 करोड़ आज भी केंद्रांश के रुप में लेना है. इसकी वजह से योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं. इसको लेकर राज्य सरकार गंभीर है. विभागीय मंत्री का कहना है कि राज्य सरकार ने पहल कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने राज्यांश से 1,231 करोड़ जारी कर योजनाओं को चालू कराने की दिशा में पहल की. इस वित्तीय वर्ष में भी राज्यांश की राशि से योजनाओं को पूर्ण कराने की कोशिश की जा रही है.

बकाया नहीं मिलने से संवेदक हैं परेशान

इधर, काम करने के बावजूद संवेदकों का भुगतान नहीं हो रहा है. वहीं ज्यादातर विधायकों का आरोप है कि योजनाओं में धांधली हुई है. हालांकि विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद का दो टूक कहना है कि अगर कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो लिखित शिकायत मिलने पर जांच कर गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि 29 अक्टूबर को जल जीवन मिशन के संवेदकों ने लोकभवन के सामने एक दिवसीय धरना दिया था.

अभिनेत्री शिवानी शर्मा रांची पहुंचीं, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

रांची, संवाददाता ।

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री शिवानी शर्मा शुक्रवार को अपने गृह राज्य झारखंड पहुंचीं. रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर प्रशंसकों ने काफी उत्साह से उनका स्वागत किया. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री शिवानी शर्मा ने रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में अपने राज्य से जुड़ाव को भावुक शब्दों में व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि झारखंड आना उनके लिए हमेशा गर्व का विषय रहा है और अपने लोगों के बीच आकर उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती है. मीडिया से बातचीत में शिवानी शर्मा ने कहा, झारखंड आना मेरे लिए बेहद प्राउडफुल मोमेंट है. यह मेरी जड़ों से जुड़ने जैसा है. मैंने जो भी मुकाम हासिल किया है, उसके पीछे निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास की बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और धैर्य किसी भी लक्ष्य को हासिल

करने की कुंजी है.

युवाओं को दिया संदेश

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और यदि सही मंच और मार्गदर्शन मिले तो यहां के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं. उन्होंने राज्य में फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री की संभावनाओं पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी. शिवानी शर्मा ने हिंदी, पंजाबी और तेलगू सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है. इसके अलावा उन्होंने टी-सीरीज सहित कई प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनियों के साथ काम करते हुए 50 से अधिक म्यूजिकल एल्बम्स में अभिनय किया है.

बाबूलाल मरांडी के बयान पर भड़का झामुमो, कहा- वो झारखंड विरोधी हो गए हैं

रांची, संवाददाता ।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के एक बयान ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं को गुस्से से लाल कर दिया गया है. झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल मरांडी का बयान झारखंड विरोधी है, क्या वह सीएजी हो गए हैं? जो झारखंड सरकार अपना हिसाब उनको या केंद्र की सरकार को दे. सुप्रियो भट्टाचार्य ने सख्त लहजे में कहा कि बाबूलाल मरांडी जो बात कह रहे हैं, यदि उसके बाद हमारी आंखें फिर गई तो इस देश का क्या होगा? जेएमएम नेता ने आगे कहा कि हमारी सरकार चाहे 14 महीने वाली हो या फिर पिछले छह सालों से चल रही सरकार हो, कोई भी इस सरकार पर, वित्तीय अनियमितता का आरोप नहीं लगा सकता.

बाबूलाल मरांडी झारखंड विरोधीः सुप्रियो

झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी झारखंड विरोधी हैं और ऐसा लगता है कि वह झारखंडी नहीं रहे. बाबूलाल मरांडी का यह बयान झारखंड विरोधी है. झामुमो ने बाबूलाल के बयान को गैरजिम्मेदाराना करार देते हुए कहा कि इस तरह के बयान से पहले उन्हें सोचना चाहिए था.

हिसाब देने में क्या दिक्कत है- बीजेपी

वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान को सही बताते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि जब केंद्र सरकार पैसा देगी तो उसका हिसाब भी चाहेगी, इसमें दिक्कत क्या है? क्या राज्य की सरकार भी जब जिलों को पैसा देती है तो हिसाब लेती है या नहीं, इसका जवाब सुप्रियो भट्टाचार्य को देना चाहिए. बीजेपी नेता ने आगे कहा कि झामुमो के बारे में यही कहा जा सकता है कि चले ना जाने, आंगन टेढ़ा. गौरतलब है कि गुरूवार को बाबूलाल मरांडी ने कहा था कि जब तक झारखंड सरकार, केंद्र से मिली राशि का हिसाब नहीं देती, तब तक केंद्र से राज्य को पैसा नहीं मिलेगा.

ग्रेटर रांची में बनेगा झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नया मुख्यालय, 5 मंजिला भवन में होंगी हाईटेक सुविधाएं

एक लाख वर्ग फीट में बनेगा प्रदूषण बोर्ड का मुख्यालय

पांच जिलों में तीन मंजिला क्षेत्रीय कार्यालय भी बनेंगे

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अपना हाईटेक मुख्यालय होगा. बोर्ड का नया मुख्यालय भवन ग्रेटर रांची में बनेगा. पांच मंजिला भवन में कई हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी. भवन का निर्माण एक लाख वर्गफीट में होगा. इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

पांच जिले में बनेगा बोर्ड का तीन मंजिला क्षेत्रीय कार्यालय

झारखंड के पांच जिलों में प्रदूषण बोर्ड का तीन मंजिला क्षेत्रीय कार्यालय का निर्माण किया जाएगा. ये क्षेत्रीय कार्यालय रांची के तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र, जमशेदपुर, धनबाद, दुमका, हजारीबाग और पलामू में बनेंगे. इस सभी जगहों पर कार्यालय का निर्माण 25 हजार वर्गफीट में

किया जाएगा. इन कार्यालयों मंइ प्रयोगशाला के साथ विश्राम कक्ष की भी सुविधा उपलब्ध होगी.

मुख्यालय में होंगी कई सुविधाएं

लैंडस्केपिंग कार्य, इलेक्ट्रिकल (एचटी/एलटी), एयर कंडीशनिंग, लिफ्टव एलिवेटर, डीजी सेट, यूपीएस सिस्टम, आईबीएमएस, सीसीटीवी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, फायर एंड सेफ्टी सिस्टम, ग्रीन बिल्डिंग फीचर्स, वर्षा जल संचयन, बेहतर इंटीरियर, फर्नीचर सहित कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी.

झारखंड पर कोहरे का साया, 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी, रांची समेत नौ जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में सर्दी सताने लगी है. धूप के छंटते ही सिहरन महसूस की जा रही है. रांची का न्यूनतम पारा बुधवार की तुलना में थोड़ा जरूर ऊपर गया है, फिर भी न्यूनतम पारा 6.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है. राज्य में कुल नौ जिले ऐसे हैं, जहां पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है. खास बात है कि अधिकतम तापमान में भी कमी दर्ज हुई है. पिछले 24 घंटे में चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है.

आठ जिलों ने ओढ़ी घने कोहरे की चादर

मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक झारखंड के आठ जिले ऐसे हैं, जहां सुबह के वक्त घना कोहरा देखने को मिल रहा है. इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह और देवघर जिला शामिल हैं. इन जिलों में विजिबिलिटी कम होने की वजह से गाड़ियां चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. मौसम केंद्र ने घना कोहरा देखते हुए आठ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. डाल्टनगंज में विजिबिलिटी 150

मीटर पर पहुंच गई है. वहीं देवघर की विजिबिलिटी 200 मीटर रिकॉर्ड हुई है. रांची में कम विजिबिलिटी और ऑपरेशनल कारणों की वजह से इंडिगो की 20 फ्लाइट 18 नवंबर को विलंब से पहुंची. एयर इंडिया की भी 9 फ्लाइट विलंब से आई हैं. इसके अलावा कुल तीन विमान को ऑपरेशनल कारणों से रद्द कर दिया गया.

नौ जिलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे

राज्य के नौ जिले और शहर जहां न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है, उनमें रांची, डाल्टनगंज, कोडरमा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा और सिमडेगा जिला शामिल है. रांची के बाद सबसे कम तापमान गुमला में 6.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है. इसके अलावा खूंटी में 7.6 डिग्री, लोहरदगा में 7.6 डिग्री, हजारीबाग में 8.6 डिग्री, लातेहार में 8.7 डिग्री, सिमडेगा में 9.1 डिग्री, कोडरमा में 9.3 डिग्री और डाल्टनगंज में 9.8 डिग्री पर पारा पहुंच गया है.

11 जिलों का अधिकतम पारा लुढ़का

मौसम केंद्र, रांची की ओर से 19 दिसंबर की सुबह जारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में लातेहार ऐसा जिला है, जहां अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री पर पहुंच गया है. इसकी वजह से धूप में भी ठंड का एहसास हो रहा है. इसके अलावा 10 जिले ऐसे हैं जहां का अधिकतम पारा 25 डिग्री से नीचे और 22.2 डिग्री तक रिकॉर्ड हुआ है. इनमें रांची, डाल्टनगंज, बोकारो, कोडरमा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लोहरदगा, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिला शामिल हैं.

रिम्स की जमीन पर फजीर्वाड़ा, बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान यानी रिम्स की ऊक्र्रग्राउंड के नाम से चर्चत जमीन से कब्जा हटाए जाने का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है. नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बेघर हुए लोगों की आवाज बुलंद कर दी है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम खुला पत्र जारी किया है. जिसमें लिखा है कि जरुरतमंदों को अलग से जमीन मुहैया कराया जाना चाहिए. साथ उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. जिनकी वजह से संबंधित जमीन पर वर्षों से बड़े बड़े भवन तैयार हो गये.

'कैसे बने रिम्स की जमीन के फर्जी कागजात'

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने

पूछा है कि संबंधित जमीन पर अवैध कब्जा जिला प्रशासन द्वारा कैसे होने दिया गया? रिम्स की उक्त जमीन का कुछ भाग फर्जी कागज बनाकर कैसे बाजार में बेच दिया गया. बिल्डरों ने उक्त जमीन पर अपार्टमेन्ट बनाकर आम नागरिकों के हाथों फ्लैट कैसे बेच दिया. बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि कोई आम नागरिक फ्लैट या जमीन खरीदता है तो यह उनकी जिम्मेवारी नहीं होती है कि जमीन की जांच करें कि जमीन सरकारी या निजी है. आम नागरिक के पास न इतनी समझ होती है और न ही इतने संसाधन कि हर स्तर पर कानूनी जांच पड़ताल कर सके. यह जिम्मेवारी सरकार के सिस्टम की होती है.

बाबूलाल मरांडी ने सीएम से पूछे कुछ सवाल

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि दाखिल-खारिज यानी म्यूटेशन करते वक्त जांच-पड़ताल की जाती है. इससे साफ है कि तत्कालीन रजिस्ट्रार ने रिश्वत लेकर जमीन की रजिस्ट्री कर दी. आखिर उड ने कैसे म्यूटेशन कर दिया. गौर करने वाली बात है कि अवैध रूप से रजिस्ट्री और म्यूटेशन के बाद रांची नगर निगम ने अपार्टमेन्ट निर्माण के नक्शा पास कर दिया जबकि नक्शा पास करते समय जमीन का पूरा ब्यौरा और दस्तावेज की जांच की जाती है. नक्शा पास करने के बाद फ्फ्फ्अ की जिम्मेवारी बनती है कि जांच-पड़ताल कर ही प्रोजेक्ट को अप्रूव करे. फिर प्रोजेक्ट कैसे अप्रूव कर दिए गये.

बाबूलाल मरांडी की मुख्यमंत्री से मांग

नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण में शामिल संबंधित रजिस्ट्रार, अंचल अधिकारी और रांची नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और उन्हें तुरंत निलंबित किया जाए. जिन निर्दोष लोगों ने उक्त अवैध तरीके से निर्मित अपार्टमेन्ट में फ्लैट खरीदे हैं, उन्हें सरकार तत्काल वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए. यदि सरकार वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं हो तो फ्लैट खरीददारों को क्रय मूल्य सरकार वहन करें क्योंकि यह नुकसान सरकार के भ्रष्ट सिस्टम की वजह से हुआ है.

अंजुमन चुनाव की प्रक्रिया को पारदर्शिता बनाए रखने में सहयोग करें : मुफ्ती मुहम्मद अनवर

संवाददाता । रांची

रांची। अंजुमन इस्लामिया, रांची के चुनाव 2025 के अंतर्गत सदस्यता हेतु प्राप्त प्रपत्रों की स्क्रूटनी के बाद मुन्तज़िमा की ड्राफ्ट सूची तैयार कर19 दिसंबर 2025, दिन शुक्रवार से अवाम के मुआयने के लिए चुनावी कार्यालय के बाहर आधिकारिक रूप से चिपकाई दी गई है। साथ ही इसकी सॉफ्ट पीडीएफ कॉपी सोशल एवं डिजिटल मीडिया के माध्यम से भी सार्वजनिक कर दी गई।

यह सूची ड्राफ्ट है, अंतिम नहीं। इसका उद्देश्य सदस्यों को जांच-पड़ताल एवं सत्यापन का मौका देना है, ताकि किसी भी प्रकार की गलती, दोहराव या कमी की पहचान की जा सके तथा जिनके नाम छूट गए हों, उन्हें अपनी सदस्यता साबित कर सूची में शामिल होने का मौका मिल सके। साथ ही सदस्यों को अपने नाम, पिता का नाम, पता, फोटो, मोबाइल नंबर, पंचायत, संस्था तथा अन्य आवश्यक विवरण सही हैं या नहीं, इसकी जांच का अवसर देना भी इसका उद्देश्य है। कन्वीनर अंजुमन इस्लामिया के मुफ्ती मोहम्मद अनवर ने प्रेस वार्ता के दौरान आगे बताया कि ड्राफ्ट सूची का प्रकाशन चुनावी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। अतः सभी हजरात से अनुरोध है कि वे इस चरण को पूर्ण गंभीरता, संयम एवं सकारात्मक सहयोग के साथ लें। किसी भी आपत्ति या गलती को गलतफहमी या दुर्भावना का कारण न बनाएं। अनावश्यक आलोचना और अफवाहों से बचें। चुनावी कार्यालय पर पूर्ण विश्वास रखें। अपनी राय या शिकायत दर्ज कराएं तथा चुनावी प्रक्रिया को स्वच्छ एवं पारदर्शी बनाए रखने में सहयोग करें। चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने में आपकी सकारात्मक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्राफ्ट सूची में दर्ज किसी भी जानकारी के संबंध में आपत्ति हो या सुधार आवश्यक हो, अथवा अपने नाम आदि से संबंधित कोई गलती दिखाई दे, किसी का नाम गलत चढ़ गया हो, यदि किसी योग्य व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं हुआ हो, या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम गलती से दर्ज हो गया हो, तो वह अपनी शिकायत या सुधार के लिए अपने हस्ताक्षर के साथ लिखित आवेदन चुनावी कार्यालय में जमा कर सकता है। मौखिक या फोन द्वारा की गई शिकायतें स्वीकार नहीं की जाएंगी। आवेदन में अपना नाम, रसीद संख्या तथा पंचायत या संस्था का नाम जरूर लिखें। साथ ही चुनावी कार्यालय द्वारा जारी पोस्टर में उल्लिखित निदेर्शों के अनुसार आवश्यक प्रमाण एवं संबंधित दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न करें।

अपनी शिकायत/आपत्ति का आवेदन चुनावी कार्यालय, अंजुमन इस्लामिया रांची, अंजुमन प्लाजा, दूसरी मंज़िल, मेन रोड, रांची में दिनांक 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) से 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच जमा किया जा सकता है। शिकायत जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय का पूर्ण रूप से पालन करें। अंतिम तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त शिकायतें स्वीकार नहीं की जाएंगी। शिकायत केवल चुनावी कार्यालय में ही जमा की जाए।

डॉ. वसीम अकरम ने राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को भेंट की अपनी पुस्तक

रांची' की संस्कृति और सुंदरता की हुई सराहना

संवाददाता । रांची

नई दिल्ली/रांचीः झारखंड के उभरते लेखक और कांग्रेस नेता डॉ. वसीम अकरम ने आज नई दिल्ली स्थित राज्यसभा सांसद, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर और कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री इमरान प्रतापगढ़ी से उनके निजी आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. अकरम ने अपनी लिखित पुस्तक ₹रांचीः संस्कृति, सुंदरता और समृद्धि की राजधानी₹ उन्हें भेंट की।

सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने पुस्तक का अवलोकन किया और डॉ. वसीम अकरम के लेखन की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पुस्तक में रांची के पर्यटन, गौरवशाली संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को बेहद सुंदर और प्रभावी ढंग से पिरोया गया है। उन्होंने डॉ. अकरम को उनके साहित्यिक और सामाजिक प्रयासों के लिए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।उल्लेखनीय है कि डॉ. वसीम अकरम वर्तमान में रांची जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और यूथ इंटक झारखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष और इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (पोलैंड) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सक्रिय हैं। इससे पूर्व वे झारखंड अल्पसंख्यक कांग्रेस के दो बार प्रदेश सचिव और कोऑपरेटिव कांग्रेस झारखंड के प्रदेश महासचिव के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।मुलाकात के दौरान डॉ. अकरम ने झारखंड के सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रांची की सुंदरता और यहां की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है।

भारती एयरटेल में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर परिवर्तन की घोषणा

संवाददाता । रांची

राँचीः पिछले तेरह वर्षों से भारती एयरटेल का नेतृत्व मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ के रूप में कर रहे गोपाल विट्टल को सुव्यवस्थित उत्तराधिकार योजना के तहत, अक्टूबर 2024 में भारती एयरटेल लिमिटेड का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया था, जबकि शश्वत शर्मा को कंपनी का सीईओ डेज़िग्नेट बनाया गया था।पूर्व निर्धारित उत्तराधिकार प्रक्रिया के अनुरूप, 1 जनवरी 2026 से गोपाल विट्टल भारती एयरटेल के एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की भूमिका संभालेंगे। इस नई जिम्मेदारी में वे भारती एयरटेल और उसकी सभी सहायक कंपनियों की निगरानी करेंगे।अपने नए पद में गोपाल विट्टल समूह स्तर पर डिजिटल और टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति, प्रोक्योरमेंट और टैलेंट जैसे क्षेत्रों में तालमेल को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके साथ ही वे समूह की रणनीति और संगठन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।सफल और सुव्यवस्थित ट्रांजिशन प्रक्रिया के बाद, 1 जनवरी 2026 से शश्वत शर्मा भारती एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ का पद संभालेंगे। सीईओ डेज़िग्नेट के रूप में शश्वत शर्मा ने बीते बारह महीनों में गोपाल विट्टल के साथ मिलकर व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं पर काम किया है, ताकि इस भूमिका के लिए पूरी तैयारी की जा सके। शश्वत शर्मा, गोपाल विट्टल को रिपोर्ट करेंगे।इसके अतिरिक्त, वर्तमान में भारती एयरटेल इंडिया के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के रूप में कार्यरत सौमेन रे को ग्रुप का चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया जाएगा। वे इस भूमिका में गोपाल विट्टल को रिपोर्ट करेंगे।

ज्ञान, सहयोग और संस्कृति ने बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन को परिभाषित किया

संवाददाता । रांची

रांची, 19 दिसंबर 2025ः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ₹कंप्लेक्स सिस्टम्स का अनुकरणः चुनौतियाँ और अवसर₹ का दूसरा दिन विभिन्न सत्रों के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें भारत और विदेश के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

दिन की शुरूआत डॉ. बनार्ली दासगुप्ता घोष के ₹अग्रिम ऊर्जा प्रणालियों के लिए नेक्स्ट-जेनरेशन ढश्ऊक्र कंपोज़िट्स₹ पर व्याख्यान से हुई, जिसने नवाचार और अंतरविषयक संवाद का माहौल बनाया।इसके बाद डॉ. तिर्थंकर बेनर्जी(बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) ने वन आग उत्सर्जन के आकलन के लिए भू-स्थानिक तकनीकों पर जानकारी साझा की, जबकि डॉ. संमय गांगुली (क्क्ळ कानपुर) ने डीप लर्निंग युग में उच्च-ऊर्जा भौतिकी पर चर्चा की।

सुबह के सत्र डॉ. अतुल श्रीवास्तव (क्क्ळट पुणे) के वायुमंडलीय एयरोसोल्स पर व्याख्यान और प्रोफेसर प्रधान पार्थ सार्थी (सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार) के परिवर्तित जलवायु में उष्णकटिबंधीय चक्रीय विक्षोभ पर प्रस्तुति के साथ जारी रहे। चाय अवकाश के बाद, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण ने सम्मेलन को और समृद्ध कियाः डॉ. फिल्सा बायोरेसिता (इंडोनेशिया) ने भूमि सतह तापमान निगरानी पर चर्चा की, और डॉ. हाइलॉन्ग पेंग (चीन) ने ग्लास-फॉर्मिंग तरल पदार्थों में गैर-एकरूप गतिशील सहसंबंध प्रस्तुत किया। इस सत्र में डॉ. सुनीता वर्मा और डॉ. नीलम चौधरी (इल्व) ने इंडो-गंगा मैदान में ढट2.5 प्रदूषण का विश्लेषण किया।दिन के आगे के सत्र में सुपर्णा रॉय महतो ने जलवायु परिवर्तन शमन के लिए पेरोव्स्काइट सौर सेल्स पर व्याख्यान दिया, और तन्मय मलिक ने कटक के शहरी तापीय वातावरण का केस स्टडी प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, डॉ. आयुषी दत्ता ने ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक क्रोमैटिक डिपर्शन पर जानकारी साझा की, पारवेंद्र कुमार ने र१2(उी/त्री)ड4 ऑक्साइड्स पर शोध प्रस्तुत किया, रश्मि रेखा देवी ने डेम्पस्टर-शेफर थ्योरी का उपयोग कर वर्षा मॉडलिंग की व्याख्या की, और नियति मेवाड़ा ने हिमालय क्षेत्र में बादल गुणों पर अंतर्दृष्टि प्रदान की।दिन का समापन पोस्टर सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विज्ञान और रचनात्मकता का उत्सव साझा किया।

इस्लामी मरकज के अर्धवार्षिक परीक्षा में सफल परीक्षार्थी सम्मानित किए गए

शिक्षक उस चिराग की मानिंद हैं जो खुद जलकर पूरे समाज को प्रकाशित करते हैं - मो. इसलाम

संवाददाता । रांची

अल जामिअतुल कादरीया इस्लामी मरकज हिंदपीढ़ी के तत्वावधान में आयोजित अर्धवार्षिक समारोह की अध्यक्षता इस्लामी मरकज के प्रिंसिपल मुफ्ती मो.जमील अहमद ने की। कार्यक्रम में सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो.इसलाम ने मदरसा के छात्रों को संबोधित कर शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि तालीम एक ऐसी शय है जिसे जितना बांटा जाए कम नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षक उस चिराग की मानिंद हैं जो खुद जलकर पूरे समाज को प्रकाशित करता है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि अच्छे समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका अहम है अतः अच्छे समाज के निर्माण के लिए समज में तालीमी बेदारी जरूरी है।इस्लामी मरकज के प्रिंसिपल मुफ्ती मो.जमील ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मदरसा के शिक्षकों सहित छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक तालीम देते हैं और अभिभावक तरबीयत देते हैं अतः अच्छे समाज के निर्माण में अच्छी शिक्षा के साथ साथ अच्छी तरबीयत बहुत जरूरी है। उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इतिहास तो सभी पढ़ते हैं पर बहुत कम लोग इतिहास का हिस्सा बनते हैं। छात्रों से उन्होंने इतिहास का हिस्सा बनने का आह्वान किया। प्रत्येक क्लास में अच्छे नम्बर से पास होने एवं क्लास में प्रथम, द्वीतिय? एवं त्रितीय स्थान लाने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए ईनाम से नवाजते हुए किताब देकर सम्मानित किया गया।ईनाम पाने वालों में मुख्य रूप से मो.आरिज अहमद - हजारीबाग,मुनीर आलम - छत्तीसगढ़,मो.मोजम्मिल हुसैन - हजारीबाग, मो.आफताब आलम- गिरीडीह,नासिर अंसारी - पुरुलिया,जमील अख्तर - गढ़वा,मो.नेशात अख्तर - गोड्डा, आफताब अंसारी - रांची,मो. इरशाद आलम - बोकारो,मो. इमाम हुसैन - रामगढ़,मो.सुलतान- बोकारो, जुल्फेकार अंसारी - कोडरमा सहित अनेक जिले के छात्रों के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रिंसिपल मुफ्ती मो.जमील के साथ - साथ मौलाना मो. निजामुद्दीन रिजवी, मौलाना मो. कलीमुद्दीन रिजवी, मौलाना मो.शमशाद आलम, मुफ्ती आकिब जावेद,हाफिज मो. जावेद हुसैन, मौलाना मो.मिनहाजुद्दीन फारूकी सहित मरकज के अनेक शिक्षक एवं छात्र मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत तेलावते कलाम पाक से की गई एवं सामूहिक दुआ के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

पूर्ववर्ती सरकार से बड़ी लकीर खींचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेनः पुष्कर महतो

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष पूर्वी सिंहभूम धालभूमगढ़ की बैठक कोड़ेकोचा हाट प्रणांग में सम्पन्न

संवाददाताी

धालभूमगढ़ः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष पूर्वी सिंहभूम धालभूमगढ़ की बैठक कोड़े कोचा हाट प्रणांग में हुई. बैठक में झारखंड आंदोलनकारी के राजकीय मान सम्मान अलग पहचान बाल बच्चों के रोजी रोजगार नियोजन की सौ प्रतिशत गारंटी करने तथा जेल जाने के बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50 - 50 हजार रु. देने की मांग सरकार से की गई. साथ ही आंदोलनकारियों को निशुल्क मेडिकल सुविधा तथा 10-10 लाख का समूह बीमा देने की मांग की गई. बैठक में निर्णय लिया गया की 3 जनवरी 2026 मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर रांची में मुख्यमंत्री आभार यात्रा करने का निर्णय लिया गया.

बैठक से पूर्व झारखंड आंदोलनकारी के शहीद सबुआ हेमरोम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई.मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के अधिकारों के मामले पर पूर्ववर्ती सरकार से बड़ी लकीर खींचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन. उत्तराखंड के आंदोलनकारियों को देय सुविधाओं के अनुरूप झारखंड आंदोलनकारियों को भी दिए जाएं. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अपने बाल बच्चों के अधिकारो की रक्षा के पूरी तन्मयता से जागरूक रहना है. झारखंड आंदोलनकारी अपने अधिकारों की हकमरी ना होने दे.

इस अवसर केंद्रीय सचिव अनन्त प्रधान ने कहा कि जल, जंगल, जमीन व अपने अस्तित्व अस्मिता की रक्षा की लड़ाई के लिए गोलबंद होकर संघर्ष करना है.विशिष्ट अतिथि श्रीमती रोजलीन तिर्की ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियो का संघर्ष सबसे बड़ा इतिहास है तथा आंदोलनकारी जिंदा दस्तावेज. झारखंड आंदोलनकारी के सम्मान से ही सरकार का राज्य का सम्मान है.

जिला अध्यक्ष शिबू काली माइती ने कहा कि 3 जनवरी को बडी संख्या में झारखंड आंदोलनकारियों को रांची में आयोजित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जंयती के अवसर पर इस जिला से हजारों की संख्या में भाग लेंगे. जिला सचिव पूर्णिमा बेरा ने कहा कि सरकार झारखंड आंदोलनकारियों को मेडिकल एवं समूह बीमा देकर सम्मान दे.बैठक की अध्यक्षता नवा कुमार बासके एवं धन्यवाद ज्ञापन बाकिम चंद्र टुडू ने की.

ब्रीफ न्यूज

झारखण्ड राज्य कर्मचारी महासंघ का प्रतिनिधिमंडल पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मिला

संवाददाता ।

रांचीः आज दिनांक 19/12/25 को झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर, महासचिव साहेब राम भोक्ता, संरक्षक विजय कुमार सिंह एवं पशुपालन विभाग अककर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय मिश्रा के नेतृत्व में राज्य की माननीय पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से उनके आवासीय कार्यालय बंहोरा में 11:00 बजे दिन में पशुपालन विभाग अककर्मचारी संघ के मांगों को लेकर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से पशुपालन विभाग क्षेत्र एवं चतुर्थ वर्ग के रिक्त पदों पर अकके कर्मचारियों को वरीयता एवं योग्यता के आधार पर नियमित किए जाने और फिक्स इंसेंटिव की राशि 1500 ? से बढ़कर 6000 ? प्रतिमाह किए जाने, मोबाइल रिचार्ज प्रतिमाह 150 ? से बढ़कर 300 ? किए जाने की मांग की गई। जिस पर पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी बातों को गंभीरता के साथ सहानुभूति पूर्वक सुना और गंभीरता पूर्वक सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। जिस पर महासंघ के प्रतिनिधि मंडल और उपस्थित पशुपालन अककर्मियों ने संतोष व्यक्त किया । मौके पर महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने कहा कि पशुपालन मंत्री के सकरात्मक कार्रवाई से पशुपालन विभाग अक कर्मचारियों में आशा और विश्वास की लहर पैदा हुई है। आज के इस प्रतिनिधि मंडल में सुबोध बड़ाईक, आशिक अंसारी, अनिल राम ,तबारक अंसारी ,सुखराम उरांव ,फूल कुमारी, गोपाल साहू ,विकास शर्मा, दया निधि महतो ,अभिषेक कुमार एवं किण्डा रानी एक्का शामिल थी।

एमएमके हाई स्कूल बरियातू के नन्हे छात्र-छात्राओं का बिरसा मुंडा जैविक उद्यान भ्रमण

संवाददाता ।

रांचीःएमएमके हाई स्कूल, बरियातू, रांची के प्री-नर्सरी एवं नर्सरी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने आज ओरमांझी स्थित भगवान बिरसा मुंडा जैविक उद्यान (बायोलॉजिकल पार्क) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने जंगल में पाए जाने वाले विभिन्न जानवरों को नजदीक से देखा और उनके बारे में रोचक जानकारियाँ प्राप्त कीं।चिड़ियाघर भ्रमण के दौरान बच्चों के चेहरे पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। शेर, बाघ, हिरण, हाथी, पक्षी एवं अन्य वन्य जीवों को प्रत्यक्ष देखकर बच्चों का अनुभव अत्यंत रोमांचक और अनोखा रहा। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति, वन्य जीवन और पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना था, ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त कर सकें।इस अवसर पर बच्चों की देखरेख एवं मार्गदर्शन के लिए विद्यालय की शिक्षिकाएँ स्नेहा राज, नमीरा एवं सगुफा फातिमा उपस्थित रहीं। शिक्षिकाओं ने बच्चों को जानवरों के नाम, उनकी आदतों और उनके संरक्षण के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी।

ठंड शिक्षा की राह में बाधा नहीं बनेगीः 'माही' ने जरूरतमंद बच्चों को पुरष्कृत किये गर्म स्वेटर

संवाददाता ।

राँची, 19 दिसंबर 2025ः कड़ाके की सर्दी में जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे ठिठुरन से जूझते हैं, वहीं उनकी शिक्षा प्रभावित होने का खतरा बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) ने एक सराहनीय पहल की है। संस्था के कोल्ड इज बोल्ड एन इनिशिएटिव बाय माही अभियान के तहत राँची के आजाद बस्ती स्थित मस्जिद-ए-बेलाल गली के गार्डेन फ्लावर पब्लिक स्कूल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल के 40 मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को गर्म स्वेटर उपहार स्वरूप वितरित किए गए।इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट था—ठंड किसी होनहार बच्चे की पढ़ाई के रास्ते में रोड़ा न बने। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आँखों में चमक देखते ही बनती थी, जब उन्हें नए गर्म स्वेटर मिले।माही के संरक्षक और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जे०एम०एम०) के कद्दावर नेता जुनैद अनवर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ल्यदि इन बच्चों को सही संसाधन और प्रोत्साहन मिले, तो वे समाज की मुख्यधारा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। माही का यह कार्य स्लम बस्तियों और पिछड़े इलाकों के लिए संजीवनी सरीखा है। मैं पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करता हूहूँ, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों के सपनों को साकार करने में जुटे हैं।पूर्व रिटायर्ड डी०डी०सी० और जमीयतुल इराकीन के अध्यक्ष हसीब अख्तर ने कहा, ल्शिक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी, तभी समाज का माहौल शुद्ध होगा और तरक्की के रास्ते खुलेंगे। यह इलाका पिछड़ा है, यहां के स्कूलों में अधिकांश बच्चे अति-पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रबुद्ध लोगों को लगातार प्रयास करने होंगे। स्कूल की प्रिंसिपल फरहाना खातून ने माही की इस पहल की भरपूर सराहना की। उन्होंने कहा, ल्माही का यह प्रयास हमारे स्कूल और बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ठंड के दिनों में कई बच्चे बिना गर्म कपड़ों के स्कूल आते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। इन स्वेटरों से न केवल बच्चे ठंड से सुरक्षित रहेंगे, बल्कि उनकी पढ़ाई में भी निरंतरता बनी रहेगी। मैं माही टीम का तहे-दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।

पीएलएफआई का इनामी उग्रवादी आलोक यादव लातेहार एसपी के समक्ष आत्मसमर्पण किया

उग्रवाद लातेहार जिला में अंतिम सांसे गिन रहा है : एसपी कुमार गौरव

लातेहार, संवाददाता

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का दुर्दांत इनामी उग्रवादी आलोक यादव उर्फ चंद्रशेखर कुमार यादव ने आतेहार पुलिस के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण किया, आज शुक्रवार को सरकार के नई दिशा आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेंट यादराम सिंह बुनकर एवं एसएसबी-32 बटालियन के कमांडेंट राजेश कुमार के समक्ष सरेंडर किया, उग्रवादी आलोक यादव ने एक देशी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और उग्रवादी वर्दी पुलिस को सौंपें, आलोक यादव जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के भगिया ग्राम का रहने वाला है, इसपर हत्या, 17 सीएलए, आर्म्स एक्ट, रंगदारी, धमकी जैसे संगीन मामलों में कुल 35 आपराधिक मुकदमे दर्ज है, ,इनमें रांची जिले में 19, लातेहार में 10 और चतरा जिले में छह मामले शामिल हैं. पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस सरेंडर कार्यक्रम में एसपी कुमार गौरव व पुलिस एवं केंद्रीय बलों के अधिकारियों ने उसे माला पहना कर और शॉल भेंट कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का स्वागत किया, पत्रकारों से बात करते हुए एसपी कुमार गौरव ने कहा की लातेहार जिले में उग्रवाद अब अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है, अब तक कई वांटेड उग्रवादी मारे जा चुके हैं. कईयों ने नक्सल विरोधी अभियानों और सरकार की प्रभावी आत्मसमर्पण नीति के कारण उग्रवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं, उन्होने शेष उग्रवादियों से भी सरेंडर करने की अपील की है, और चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरेंडर नहीं करते हैं तो पुलिस की गोली से मारे जायेगें, सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेंट यादराम सिंह बुनकर और एसएसबी-32 बटालियन के कमांडेंट राजेश कुमार ने भी कहा कि उग्रवादी जंगल और हिंसा का रास?ता का छोड़कर समाज के मुख्यधारा में लौटें ,मौके पर सीआरपीएफ के द्वितीय कमांडेंट आरसी मिश्रा, एसडीपीओ अरविंद कुमार, चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह, इंस्पेक्टर प्रमोद सिन्हा आदि मौजूद थे।

राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर उपायुक्तों ने संयुक्त रूप से एनआईटी परिसर एवं मार्गों का किया निरीक्षण

जमशेदपुर, संवाददाता

देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रस्तावित पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला खरसावां आगमन के मद्देनजर शनिवार एनआईटी परिसर, निर्धारित कार्यक्रम स्थल तथा आवागमन मार्गों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम कर्ण सत्यार्थी, उपायुक्त सरायकेला-खरसावां नितीश सिंह, एसएसपी पीयूष पांडेय, एसपी सरायकेला मुकेश लुणायत एवं एसपी सिटी कुमार शिवाशीष ने किया। मौके पर संबंधित विभागीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित रूट, एनआईटी परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल पर प्रोटोकॉल, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, आपात सेवाएं, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, चिकित्सा सुविधा एवं संचार व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन भी किया गया। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के सुचारु, गरिमामय एवं सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए पदाधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश भी दिए गए। इस दौरान दोनों जिला के वरीय पदाधिकारियों ने मार्ग में सुरक्षा, बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन, सुरक्षा घेरा तथा कार्यक्रम से जुड़े समन्वय पर विमर्श करते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश भी दिए गए। पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला खरसांवा जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक, सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल संबंधी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

उपायुक्त ने किया जिला स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

धनबाद, संवाददाता

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जिला एवं राज्य के युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगी। इससे जिले के युवा सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोक गायन, चित्रकला, भाषण एवं कविता लेखन में विकास कर आगे बढ़ सकेंगे।समारोह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तत्पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

नोक झोंक के बाद बालू लदे ट्रैक्टर ने पिता पर चढ़ाया ट्रैक्टर, हुई मौत, बेटी लगाती रही मदद की गुहार

धनबाद, संवाददाता

कतरास थाना अंतर्गत कांको मोड़ के समीप एनएच 32 में मूसा पहाड़ी नामक स्थान के पास शुक्रवार को एक बेहद ही दर्दनाक और रोंगटे खड़ी कर देने वाली घटना घटी। रेलवे ग्रुप डी की परीक्षा देने जा रहे एक बाइक सवार बाप बेटी का सामना ट्रैक्टर से हुआ, जिसमें ट्रैक्टर से कुचलकर उक्त व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उक्त घटना की चश्मदित रही मृतक की पुत्री आरती महतो ने बताया कि रेलवे ग्रुप डी का परीक्षा देने के लिए अपने पिता महावीर महतो के साथ वह सुबह 5:45 बजे के लगभग बलियापुर जा रही थी। इसी दौरान कांको मोड से पहले उक्त मूसा पहाड़ी नामक स्थान के समीप विपरीत एवं गलत रास्ते से आ रहे बालू लता एक ट्रैक्टर हमारी बाइक से टकरा गया। जिससे बाइक का इंडिकेटर टूट गया।

इस बात को लेकर मेरे पिता एवं उक्त ट्रैक्टर ड्राइवर से नोक झोक होने लगा। तभी मैं लोगों से मदद मांगने के लिए सड़क के उसे पर चली गई इसी बीच देखते ही देखते ट्रैक्टर ड्राइवर ने मेरे पिता को धक्का मारते हुए और ट्रैक्टर से कुचलते हुए बस्ती की ओर चला गया। कुचलने के कुछ ही पल बाद मेरे पिता महावीर महतो (45) की मौके पर ही तड़प कर मृत्यु हो गई। बेटी ने ट्रैक्टर ड्राइवर पर जानबूझकर उसके पिता को मारने का आरोप लगाया। मृतक बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत निचितपुर 2 पंचायत खरियो निवासी था।

ट्रैक्टर व ट्रैक्टर ड्राइवर हिरासत में, मुआवजे के आश्वासन के बाद जाम हटा

घंटा मशक्कत करने के बाद आखिरकार पुलिस को सफलता मिली। जिस घर में बालू गिराया गया था उस घर के मालिक से ट्रैक्टर ड्राइवर का नंबर लेकर ड्राइवर की खोजबीन शुरू की गई। बाद में बताया गया कि उक्त ट्रैक्टर को बरामद कर लिया गया है तथा ट्रैक्टर चालक को हरलाडीह के समीप पकड़कर हिरासत में ले लिया गया है। बाघमारा सीओ गिरिजानंद किस्कू, कतरास थानेदार असित कुमार सिंह एवं सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में उचित कार्रवाई एवं मुआवजे का आश्वासन मिलने के बाद दोपहर करीब 3 बजे जाम हटाया गया एवं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इस दौरान लगभग सैकड़ो छोटे बड़े वाहन करीब सात आठ घंटे तक जाम में फंसे रहे। हालांकि एम्बुलेंस और जरूरतमंद को रास्ता दिया जा रहा था।

पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो सहित कई पार्टी के नेता घटनास्थल पर पहुंचे, न्याय की मांग की

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर आजसू नेता प्रदीप महतो, जेएलकेएम के पूर्व विधायक प्रत्याशी रहे दीपक रवानी, धनंजय महतो, गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी एवं पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो घटनास्थल पर पहुंचे तथा मृतक के परिवार को ढांढ़स बंधाते हुए उसके समर्थन में सड़क पर बैठ गए तथा उचित कार्रवाई वी मुआवजे की मांग करने लगे। वहीं आक्रोशित लोगों का कहना था कि पुलिस 100- 200 लेकर अवैध बालू और पत्थर लदे गाड़ियों को गलत दिशा में जाने की अनुमति दे देता है। जिसके कारण ही इस प्रकार के जानलेवा दुर्घटना घटती है और जान माल की हानि होती है।

विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने मनियांडीह जाहेरथान सौंदर्यीकरण कार्य का किया शिलान्यास

धनबाद, संवाददाता

टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो द्वारा शुक्रवार को जिला शाखा कल्याण विभाग के सानिध्य में निर्मित होने वाले जाहेरथान सौन्दत्यीकरण कार्य का दीप प्रज्जवलित एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया। उपस्थित जनसमूहों को संबोधित करते विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि टुण्डी की हर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कई योजनाएं फिलहाल प्रगति की ओर है तथा आने वाले दिनों में और सड़क एवं जाहेरथान जैसे जनहित कार्य किए जायेंगे। वहीं पश्चिमी टुंडी के दलूगोडा रामलाल मुर्मू के क्षतिग्रस्त घर का मुआयना किया और पीड़ित परिवार के बीच अनाज एवं कमलों का वितरण किया और यथाशीघ्र दलूगोडा पर निर्माण कार्य का आश्वासन दिया। साथ ही डिग्री कॉलेज टुण्डी में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे जहां आदिवासी बहनों ने गीत नृत्य प्रस्तुत कर भव्य स्वागत किया। कॉलेज में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ नारियल फोड़कर किया वही बहनों द्वारा ताइक्वांडो प्रतियोगिता के प्रति अच्छी सोच का उन्होंने काफी सराहनीय कदम बताया। मौके पर बड़ी संख्या में अतिथियों के साथ छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबर

हुसैनाबाद में 35 वर्षीय युवक का शव फांसी पर लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

हुसैनाबाद/ पलामू : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के विस्वसीया गांव में शुक्रवार को 35 वर्षीय युवक सुजीत चंद्रवंशी का शव घर में फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला। परिजनों के अनुसार गुरुवार रात किसी बात को लेकर उसका घरवालों से विवाद हुआ था। शुक्रवार सुबह कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने अंदर देखा, जहां युवक का शव मिला। सूचना पर हुसैनाबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, इंक्वेस्ट कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू की। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि युवक ने आत्मघाती कदम किन कारणों से उठाया, इसकी जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

सुरक्षा के साथ सतत उत्पादन की मिसाल बना फेयर माइन कार्बस : डीडीएमएस मो. एजाज

मेदिनीनगर : पलामू जिले के पंडवा प्रखंड अंतर्गत राजहरा एरिया में शुक्रवार को फेयर माइन कार्बस के वार्षिकोत्सव सह खान सुरक्षा सप्ताह का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माइंस ऑफ सेफ्टी के डिप्टी डायरेक्टर मो. एजाज, एनके एरिया के माइंस मैनेजर दीपक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने खान सुरक्षा की शपथ ली। मुख्य अतिथि मो. एजाज ने कहा कि यह क्षेत्र खनन की दृष्टि से अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। प्रारंभिक सर्वेक्षण के समय यहां खनन संभव प्रतीत नहीं हो रहा था, लेकिन फेयर माइन कार्बस के समर्पित प्रबंधन और कर्मियों ने सभी सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए जीरो हार्म के साथ निरंतर उत्पादन कर इसे संभव बनाया है। यह कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे खनन क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। कंपनी के सीनियर डीजीएम यशवंत कुमार ने सुरक्षा नियमों के कड़े अनुपालन और अनुशासित कार्य संस्कृति पर बल दिया। जीएम सुभाष सिन्हा ने कहा कि खनन उद्योग में सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं है और मशीनों की नियमित जांच व प्रबंधन से ही दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के तहत बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता और कर्मियों के बीच खान सुरक्षा पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सफल प्रतिभागियों और सुरक्षा प्रहरियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शशांक सिंह ने किया, जबकि बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और मजदूर यूनियन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ठंड से कांप रहे गरीब गुरबा के लिये मसीहा साबित हो रहे समाजसेवी राजू भैया

कोडरमा : जिले में लगातार शीतलहर ठंड का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है। इस बढ़ती ठंड के बीच जिला प्रशासन की तरफ से अभी तक जरूरतमंद गरीबों के बीच कंबल का वितरण नहीं हुआ। ठंड से थरथरा कर कांप रहे गरीबों के बीच ऐसे में मसीहा बनकर समाजसेवी सह पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजू भैया उभरे है। उनके द्वारा अपने स्तर से नगर पंचायत के जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरित किया जा रहा हैं। इस बीच राजू भैया ने बताया कि वे अपने स्तर से गरीब और जरूरतमंद लोगों को नगर पंचायत के लगभग सभी वार्डों के जरूरत मंद लोगों को कंबल वितरित कर रहे हैं, इस बार ही नहीं बल्कि प्रत्येक साल वो इस तरह के कार्यक्रम करते रहते हैं। क्योंकि जिला प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि वे लोगों की सेवा करने के लिए हमेशा तैयार हैं। भविष्य में भी आगे इस तरह के कार्य करते रहेंगे।

डीपीएस बोकारो में 2000 बैच का रजत जयंती मिलन, यादों में लौटा बचपन

बोकारो, संवाददाता

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में वर्ष 2000 बैच के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह भावनात्मक माहौल में संपन्न हुआ। 25 वर्ष बाद एक-दूसरे से मिले पूर्व छात्र-छात्राओं ने पुरानी यादों को ताजा किया। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पूर्व विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर का भ्रमण कर कक्षा, खेल मैदान और शिक्षकों से जुड़ी स्मृतियों को फिर से जिया। समारोह की मुख्य कड़ी शिक्षकों का सम्मान रहा। पूर्व छात्रों ने अपने गुरुओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और उन्हें स्मृति चिह्न व शॉल भेंट किए। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने गुरु-शिष्य परंपरा को समाज निर्माण की आधारशिला बताते हुए इसे सदैव जीवंत रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। केक काटकर उत्सव मनाया गया तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कसमार में बाल विवाह व महिला हिंसा रोकथाम को लेकर स्टेकहोल्डर मीटिंग

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के खैराचातर एवं टांगटोना पंचायत भवन में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल विवाह, बाल हिंसा व घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा किशोरियों एवं महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खैराचातर पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल एवं टांगटोना पंचायत की मुखिया सुमित्रा कुमारी ने की। मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि बाल विवाह और महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सुमित्रा कुमारी ने शिक्षा, सुरक्षा व योजनाओं की जानकारी को महिला सशक्तिकरण का आधार बताया। उपमुखिया अनिल कपरदार ने बाल विवाह को विकास में बाधा बताते हुए सूचना देने की अपील की। पंचायत सचिव भुनेश्वर तुरी व इमरोज अहमद ने सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, सेविकाझसहिया, वार्ड सदस्य व महिला समूह की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

गोमिया में चात्रो-चट्टी से चिलगो पुल तक सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप

बोकारो, संवाददाता

गोमिया प्रखंड अंतर्गत चात्रो-चट्टी से चिलगो पुल तक बन रही सड़क के निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। जानकारी के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कराई जा रही इस योजना की कुल लागत लगभग 5.27 लाख रुपये बताई जा रही है। योजना के तहत चात्रो-चट्टी नाव घाट स्थित पुल के साथ अप्रोच रोड का निर्माण किया जाना है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्धारित मानक के अनुसार सड़क पर 25 मिमी मोटाई की पिचिंग होनी चाहिए, जबकि मौके पर मात्र 15 मिमी पिचिंग की जा रही है। इससे सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने निर्माण एजेंसी को तय मानक के अनुसार कार्य करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो इसकी शिकायत उपायुक्त (डीसी) से की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी ऐश पौंड में छाई ट्रांसपोर्टिंग का शुभारंभ, विंध्यवासिनी इंटर प्रेजेज को मिला 30 हजार टन का मिला काम

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल डीवीसी के ऐश पौंड में गुरुवार को विंध्यवासिनी इंटर प्रेजेज कंपनी के संवेदक प्रकाश मिश्रा व ऐश पौंड में कार्यरत मजदूरों ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य की शुरूआत की। विंध्यवासिनी इंटर-प्रेजेज के संवेदक प्रकाश मिश्रा ने कहा कि पहले मजदूरों के वेतन और रोजगार के मुद्दों के कारण रोका गया था, विंध्यवासिनी इंटर प्रेजेज कंपनी को यह काम मिला है, जिसमें करीब 30,000 टन छाई का परिवहन करना है, जिससे प्लांट का संचालन सुचारू हो सके। मजदूरों की वेतन और रोजगार की मांग को लेकर यह काम बंद था, जिसे बातचीत के जरिए सुलझा लिया गया है और अब काम फिर से शुरू हो गया है। छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य शुरू होने से ऐश पौंड में कार्यरत मजदूरों के चेहरे पर खुशी का माहौल है। इससे मजदूरों को रोजगार से वंचित नहीं होना पड़ेगा। जिससे मजदूरों के घर परिवार व बच्चों का पठन पाठन सही ढंग से चल सके। मजदूर डीवीसी का एक अभिन अंग है। मजदूरों के बिना कोई काम संभव नहीं है।

इसलिए मजदूरों को साथ लेकर व उनकी समस्याओं को समझते और देखते हुए चलना चाहिए। मजदूर है तो हम है। मजदूरों ने यह भी कहा कि डीवीसी प्लांट को सुचारू रूप से चलाने को लेकर मजदूर हमेशा गंभीर व चिंतित रहते हैं। कि डीवीसी प्लांट है तो हमलोगों को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। अगर प्लांट ही नहीं बचेगा तो रोजगार कहां से मिलेगी। इसलिए मजदूर हमेशा बढ़ चढ़कर डीवीसी छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य को चलाने में आज दस वर्षों से लगातार संघर्ष करते आ रहे है। विंध्यवासिनी इंटर प्रेजेज के संवेदक प्रकाश मिश्रा ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट से न केवल स्थानीय रोजगार बढ़ेगा, बल्कि पर्यावरणीय मानकों के अनुसार ऐश को सुरक्षित रूप से निपटाने में भी मदद मिलेगी। विंध्यवासिनी इंटर प्रेजेज के इस सफल ठेके के साथ, बोकारो थर्मल में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। मौके पर गोविंदपुर ए पंचायत समिति सदस्य अख्तर अंसारी, किशोर कुमार महतो, कमल प्रसाद महतो, प्रेमचंद महतो, हयात अली, भगीरथ तुरी, उमेश राम, कादिर हुसैन, इकबाल अंसारी, जावेद अंसारी, दिलीप राम, अब्दुल सालम, लतीफ अंसारी, पवन महतो, सुरेंद्र महतो, प्रदीप राम, चुरामन यादव आदि लोग मौजूद थे।

बोकारो में सेल की दो दिवसीय हेड ऑफ प्रोजेक्ट्स मीट शुरू

बोकारो, संवाददाता

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के तत्वावधान में 19-20 दिसंबर 2025 तक आयोजित दो दिवसीय हेड ऑफ प्रोजेक्ट्स (एचओपी) मीट का शुभारंभ शुक्रवार को बोकारो निवास में हुआ। इस उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन बोकारो स्टील प्लांट द्वारा किया जा रहा है, जिसमें सेल के कॉरपोरेट कार्यालय, विभिन्न इस्पात संयंत्रों, खदानों एवं इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनिष सेनगुप्ता ने बैठक को लक्ष्यपरक और परिणामोन्मुख बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुरक्षा शपथ एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में परियोजना क्रियान्वयन, लंबित मुद्दों की समीक्षा, समयबद्ध निष्पादन और डिजिटल प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम (डीपीएमएस) पर चर्चा की गई। राउरकेला स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी आलोक वर्मा ने ऑनलाइन संबोधन में समय पर परियोजना पूर्णता को क्षमता विस्तार के लिए आवश्यक बताया। यह बैठक सेल के विजन-2030 को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

युवक की मौत पर एनएच-227 जाम :सीतामढ़ी में बाइक की चपेट में आने से हादसा

● परिजन-ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी के चोरौत प्रखंड में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। न्याय और मुआवजे की मांग को लेकर एनएच-227 पर शव रखकर घंटों चक्का जाम किया गया, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मृतक की पहचान चन्द्रसेना गांव निवासी रामबिहारी दास के 25 वर्षीय बेटे दीपेश दास के रूप में हुई है। दीपेश 8 दिसंबर को गैस गोदाम के पास एक तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे के बाद उसे चोरौत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से नाजुक हालत में पटना रेफर किया गया। कई दिनों तक इलाज के बाद बुधवार देर रात दीपेश दास का निधन हो गया। सड़क जाम कर टायर जलाए गुरुवार सुबह को युवक का शव गांव पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। दोपहर करीब दो बजे भिट्ठा मोड़-चोरौत मार्ग पर चन्द्रसेना गांव के समीप शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने बांस-बल्ली से सड़क जाम की और टायर जलाए। उनकी मुख्य मांगें आरोपी वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देना थीं। चक्का जाम के कारण एनएच-227 पर सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन फंस गए, जिससे यात्रियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारी वरीय अधिकारियों की उपस्थिति और घटनास्थल पर ही मुआवजे की घोषणा की मांग पर अड़े रहे। काफी देर बाद प्रशासन के आश्वासन पर शाम में जाम समाप्त हुआ।

बिहार में 18 हजार के बिल पर 1800 की रिश्वत, घूसखोर कल्याण अधिकारी गिरफ्तार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में रिश्वतखोरी के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की सख्ती जारी है। इसी कड़ी में बेगूसराय में बड़ी कार्रवाई करते हुए निगरानी टीम ने जिला कल्याण पदाधिकारी और उनके नाजिर को ऑफिस से ही रंगे हाथों पकड़ा है। रिश्वत लेते रंगे हाथ धराए दोनों आरोपी: निगरानी विभाग की टीम ने समाहरणालय स्थित जिला कल्याण कार्यालय में छापेमारी की, यहां जिला कल्याण पदाधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल और उनके नाजिर जितेन्द्र कुमार सिंह को 1800 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। दोनों को कार्यालय से ही हिरासत में लिया गया। मांगी थी 10 प्रतिशत कमीशन: जानकारी के अनुसार, जिला कल्याण पदाधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल पर हर बिल पास करने के एवज में 10 प्रतिशत रिश्वत मांगने का आरोप है। इस बार 18 हजार रुपये के ऑफिस सप्लाई बिल को पास करने के लिए 1800 रुपये की मांग की गई थी। पहले भी ऐसी शिकायतें निगरानी विभाग को मिल रही थीं. निगरानी में दर्ज कराई थी शिकायत: बछवारा निवासी मुकेश राम ने निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया कि उनका 18 हजार रुपये का स्टेशनरी सप्लाई बिल लंबे समय से पास नहीं किया जा रहा था. बार-बार गुहार लगाने के बावजूद पदाधिकारी 10 प्रतिशत कमीशन की मांग पर अड़े रहे. जाल बिछाकर की गई कार्रवाई: शिकायत की सत्यापन के बाद निगरानी टीम ने ट्रैप लगाया. योजना के तहत जैसे ही मुकेश राम ने 1800 रुपये की राशि दी, टीम ने दोनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया. डीएसपी सुजीत सागर ने इसकी पुष्टि की है. चर्चा में निगरानी की कार्रवाई: डीएसपी सुजीत सागर ने बताया कि फिलहाल दोनों आरोपियों से निगरानी विभाग पूछताछ कर रहा है. आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. रिश्वतखोरी के इस मामले ने जिले में चर्चा को जन्म दे दिया है. लोग निगरानी की इस सख्ती की सराहना कर रहे हैं.

बिहार में दर्दनाक हादसा, नहर में गिरी कार, तीन की मौत

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के नेहरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात घने कोहरे के कारण एक सड़क दुर्घटना हो गयी, जिसमें एक ही गांव के तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों के परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है. धुंध और सांड बना काल: यह हादसा नेहरा गांव के समीप उस समय हुआ, जब तेज धुंध के बीच सड़क पर अचानक सामने आए सांड को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 15 फीट नीचे नहर में जा गिरी. मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार तीनों युवक जगदीशपुर स्थित अपने बहनोई के घर से नेहरा गांव लौट रहे थे. दरभंगा में भीषण सड़क हादसा: जैसे ही वे गांव से लगभग एक किलोमीटर पहले पहुंचे, घने कोहरे के कारण चालक सड़क पर खड़े सांड को समय रहते नहीं देख सका. संतुलन बिगड़ते ही कार पलट गई, जिससे उसमें सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पत्नी गर्भवती: हादसे में मृतकों की पहचान शंभू कुमार यादव (27), अजय कुमार साहनी (28) और सुजीत कुमार साहनी (28) के रूप में हुई है. तीनों नेहरा गांव के निवासी थे और आपस में गहरे दोस्त थे. शंभू यादव किसान था और परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था. अजय साहनी मखाना और मछली के व्यवसाय से जुड़ा था, जबकि सुजीत साहनी की पत्नी छह माह की गर्भवती है. हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार से शवों को बाहर निकाला. सूचना पर नेहरा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच दरभंगा भेज दिया. मुआवजा देने की मांग: एक साथ तीन युवकों की असमय मौत से पूरे नेहरा गांव में कोहराम मच गया है. हर घर में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है. पूर्णिया में सड़क हादसे में मजदूर की मौत:दूसरे की हालत गंभीर काम खत्म होने के बाद घर लौट रहे थे, ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर है। मृतक छट्ठू यादव गंगेली गांव का रहने वाला था। घायल लड्डू पासवान को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना मरंगा थाना क्षेत्र के NH-31 पर लोहापुल चौक के पास की है। घर लौटते समय हुआ हादसा अस्पताल पहुंचे रिश्तेदार ने बताया कि छट्ठू मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। दोनों रोजाना की तरह काम करने गए थे। काम खत्म होने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। लोहापुल चौक पर एनएच-31 क्रॉस कर रहे थे। इस दौरान ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस बीच ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे। आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी मरंगा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष रूपक रंजन सिंह ने बताया कि अज्ञात ट्रक की तलाश की जा रही है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। दोषी वाहन चालक पर कार्रवाई की जाएगी।

सारण में एनकाउंटर, पुलिस ने दौड़ा कर दो बदमाशों को मारी गोली

हथियार रिकवर करने गई पुलिस तो फायरिंग की; एक दिन पहले डॉक्टर को किया था किडनैप

छपरा, सारण, एजेंसी। सारण में गुरुवार रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें दो अपराधियों को पुलिस ने दौड़ा कर गोली मारी है। पैर में गोली लगने से घायल दोनों अपराधियों को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, सारण पुलिस इनई बगीचा इलाके में हथियार बरामद करने पहुंची थी। यहां अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की, जिसमें दो बदमाशों को गोली लगी। घायल अपराधियों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के दहियावां निवासी रंजन यादव और अवतार नगर थाना क्षेत्र के धर्म बागी निवासी सोनू राय के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों बदमाशों पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। ये वही बदमाश हैं, जिन्होंने बुधवार की रात छपरा के प्रसिद्ध डॉ. सजल कुमार को किडनैप किया था, हालांकि रास्ते में डॉक्टर उनके चंगुल से भाग निकले।

डॉक्टर को किया था किडनैप–पुलिस ने बताया, 'अपराधियों ने डॉ. सजल कुमार का अपहरण करने की कोशिश की थी। हालांकि, भागने के दौरान में बदमाशों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डॉक्टर अपराधियों की चंगुल से भाग निकले। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान की और दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस अपराधियों को लेकर हथियार बरामद करने रिविलगंज थाना क्षेत्र के इनई बगीचा पहुंचे थे। इसी दौरान अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। किडनैपिंग कांड में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

अस्पताल से घर पहुंचते ही उठाया था–डॉ. सजल कुमार कुमार हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर के संचालक हैं और नगर थाना क्षेत्र के साधनापुरी के रहने वाले हैं। थाने में दिए आवेदन में उन्होंने बताया कि बुधवार 17 दिसंबर को रात करीब साढ़े 10 बजे हॉस्पिटल से जैसे ही घर पहुंचे। घर पर उनका स्टाफ नीतीश भी था। वो जैसे ही गाड़ी से उतरने लगे 4-5 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। उनके हाथ में हथियार थे। सभी ने जबरन डॉक्टर सजल कुमार, उनके ड्राइवर वीरेंद्र और स्टाफ नीतीश कुमार को गाड़ी में जबरन बैठाया। गाड़ी शीशमहल होटल की ओर लेकर जाने लगे। होटल के पास डॉक्टर चलती कार से कूद गए। डॉ. ने बताया, वो होटल में जाने लगे, वहां लोग थे, इसलिए अपराधी वहां से भाग निकले।

आगे जाकर पोल से टकराई गाड़ी–थाने में दिए आवेदन के अनुसार, बदमाश डॉक्टर के ड्राइवर वीरेंद्र और स्टाफ नीतीश कुमार को अपने साथ ले जा रहे थे। तभी डीएम कोठी के पास कार बिजली के पोल से टकराई, जिसके बाद अपराधी भाग निकले। बदमाश डॉक्टर के 2 मोबाइल, साथ ही उनके दोनों स्टाफ के फोन साथ ले गए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अपराधियों से अभी पूछताछ की जा रही है ताकि अपहरण के पीछे की साजिश और अन्य आरोपी की पहचान की जा सके। एसएसपी ने जनता से अपील की कि इस प्रकार के

डेढ़ महीने में 5 हाफ एनकाउंटर–करीब डेढ़ महीने में बिहार पुलिस का ये पांचवां हाफ एनकाउंटर है। इससे पहले 11 दिसंबर को पटना पुलिस ने बैंक कर्मचारी से 10 लाख की रंगदारी मांगने वाले अपराधी राकेश के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया था। वहीं 2 दिसंबर को छपरा में शराब माफिया, 21 नवंबर को बेगूसराय में कुख्यात शिवदत्त राय और 7 नवंबर को छपरा में कुख्यात शिकारी राय का हाफ एनकाउंटर हुआ था।

दहेज हत्या मामले में बाप-बेटे को उम्र कैद

● अररिया कोर्ट ने 50-50 हजार रुपए का लगाया जुर्माना, बुलेट के लिए गला घोंटकर की थी हत्या

अररिया, एजेंसी। अररिया व्यवहार न्यायालय के एडीजे चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने दहेज हत्या मामले में कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने मृतका बुलबुल देवी के पति कुंदन यादव और ससुर महानंद यादव (बाप-बेटे) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों दोषियों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर उन्हें छह-छह महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। यह मामला नरपतगंज थाना क्षेत्र के बरदाहा गांव निवासी भुवनेश्वरी यादव की बेटी बुलबुल देवी से जुड़ा है। बुलबुल की शादी बसमतिया वार्ड नंबर 8 निवासी महानंद यादव के बेटे कुंदन यादव से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने दहेज में एक रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल और दो लाख रुपए कैश की मांग शुरू कर दी। मायके वालों के मांग पूरी न करने पर बुलबुल को लगातार प्रताड़ित किया गया। शादी के लगभग दो साल बाद, 24 अगस्त 2021 को कुंदन यादव और महानंद यादव ने मिलकर

बुलबुल देवी की गला घोंटकर हत्या कर दी।

पिता ने कराया था केस दर्ज

घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के पिता ने बसमतिया थाने में कांड संख्या 31/2024 दर्ज कराया। पुलिस जांच में दहेज प्रताड़ना और हत्या के आरोप सिद्ध हुए। सत्र वाद संख्या 702/2021 में लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया।

समाज से दहेज प्रथा खत्म करने की मांग–अभियोजन पक्ष ने मामले में मजबूत गवाहियां और सबूत पेश किए, जिसके आधार पर अदालत ने यह सजा सुनाई। मृतका के परिजनों ने अदालत के फैसले पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने समाज से दहेज प्रथा को जड़ से खत्म करने की भी मांग की है।

रामपुर थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन

सीनियर एसपी की अध्यक्षता में कई मामलों का हुआ समाधान, फरियादियों की सुनी समस्याएं

गया, एजेंसी। गया। बिहार पुलिस मुख्यालय पटना के निर्देश पर गया के वरीय पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में रामपुर थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना था। गुरुवार को आयोजित इस जनता दरबार में पुलिस उपाधीक्षक नगर-02, रामपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य वरीय और कनिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में आम नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से भूमि विवाद, आपसी विवाद, पारिवारिक विवाद और अन्य स्थानीय समस्याएं शामिल थीं।

फरियादियों की शिकायतों को सीनियर एसपी ने गंभीरता से सुना–वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता और धैर्यपूर्वक सुना। कई मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अनेक विवादों का मौके पर ही सौहार्दपूर्ण समाधान हो गया। लंबित मामलों के शीघ्र निपटान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया।

जनता दरबार के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन जनहित के लिए प्रतिबद्ध है और जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

सीनियर एसपी ने ट्रैफिक नियमों के पालन पर भी जोर दिया–इसके अतिरिक्त, उन्होंने यातायात नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आम नागरिकों से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनी रहेगी। अंत में, वरीय पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए आवश्यकता पड़ने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं, ताकि शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस जनता दरबार के सफल आयोजन से पुलिस प्रशासन के प्रति आम नागरिकों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

बिहार में हाड़ कंपाने वाली ठंड, इन जिलों में रेड अलर्ट जारी, घने कोहरे से सावधान!

पटना, एजेंसी। बिहार में दिसंबर की सर्दी अचानक कहर बन गई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के कई जिलों में घने कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है, जिससे अगले कुछ दिनों तक जनजीवन प्रभावित रहने की संभावना है. लगभग 20 जिलों में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी दी है. यह अलर्ट 19 से 22 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा, विशेष रूप से उत्तर और पश्चिम बिहार में कोहरे की तीव्रता अधिक रहने की उम्मीद है. इन जिलों में बढ़ा असर: पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, दरभंगा, वैशाली, गया और भागलपुर जैसे जिलों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी बेहद कम रहने की आशंका है. कुछ इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक सिमट सकती है. पटना में तापमान का उतार-चढ़ाव: राजधानी पटना में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया जा रहा है,

जबकि न्यूनतम तापमान में वृद्धि के कारण दिन भर ठिठुरन बनी रहती है. कोहरे की मोटी चादर ने धूप के दर्शन मुश्किल कर दिए हैं. इन जिलों में कम विजिबिलिटी की चुनौती: राज्य के आधे से अधिक हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है. गया, भागलपुर और सबौर जैसे क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है, जिससे ठंड का एहसास और बढ़ गया है. क्या है कम विजिबिलिटी का कारण: पछुआ हवाओं, सतह पर उच्च नमी और हवा की कम रफ्तार ने कोहरे को घना बना दिया है. मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, ये परिस्थितियां अगले कुछ दिनों तक बनी रहेंगी, जिससे सुबह के समय यातायात प्रभावित होगा. सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी: घने कोहरे के कारण सड़क सुरक्षा बड़ी चुनौती बन गई है. गोपालगंज, बक्सर और कई जिलों में कोहरे से विजिबिलिटी कम होने के चलते कई वाहन टकराए हैं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं. क्या है प्रशासन की तैयारी: जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. जरूरत पड़ने पर अलाव की व्यवस्था की जा रही है. पिछले साल की तुलना में इस बार ठंड अधिक तीव्र होने की संभावना जताई गई है. क्या है अगले दिनों का पूर्वानुमान: आने वाले 7 दिनों तक बिहार में ठंडा मौसम बना रहेगा. सुबह-शाम कोहरा छाया रहेगा, जबकि दिन में हल्की धूप की उम्मीद है. तापमान में बड़ा बदलाव नहीं, लेकिन ठंड धीरे-धीरे बढ़ सकती है. इसलिए लोगों से सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

विद्यालयों का समय बदला, प्राइवेट स्कूलों में अगले हफ्ते से वैसे ही छुट्टी

पटना, एजेंसी। बिहार में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के कई जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बढ़ती ठंड को देखते हुए पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन ने स्कूलों की समय-सारिणी में बदलाव का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, अब जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सुबह नौ बजे से पहले और शाम 4:30 बजे के बाद पढ़ाई नहीं होगी। यह व्यवस्था 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक प्रभावी रहेगी। इधर, ठंड को लेकर पटना के अभिभावक स्कूलों को बंद करने की मांग कर रहे थे, लेकिन जिलाधिकारी ने स्कूल बंद करने के बजाय समय में बदलाव करने का फैसला लिया है। अभिभावकों का कहना है कि डॉक्टर लगातार बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दे रहे हैं, क्योंकि ठंड के कारण कई बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। बीते 24 घंटे में पटना का अधिकतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। इसके बावजूद स्कूल बंद नहीं किए जाने पर अभिभावकों ने नाराजगी जताई है और जिलाधिकारी से इस पर पुनर्विचार करने की अपील की है। वहीं, सारण जिले में ठंड को देखते हुए कक्षा एक से दसवीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 21 दिसंबर तक लागू रहेगा। वहीं मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में पटना समेत राज्य के 33 जिलों में घने कोहरे को लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार ठंडी हवाओं के चलते कोल्ड वेव की स्थिति बन सकती है, ऐसे में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। इधर, बढ़ती ठंड और प्रदूषण का असर स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है।

मांझी बोले-कैंडिडेट हार रहा था, डीएम को फोन कर जितवाया

● आरजेडी बोली- चुनाव का सच सामने आ गया

गयाजी, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने प्रचंड जीत दर्ज करते हुए 220 सीटें अपने खाते में लाई। जिसके बाद से विरोधी दल चुनाव में धांधली, वोट चोरी, निर्वाचन आयोग की मिलीभगत जैसे आरोप लगा रहे हैं। इन आरोपों के बीच गयाजी से केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतनराम मांझी का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वो खुले मंच से कह रहे हैं कि, साल 2020 के विधानसभा चुनाव में एक सीट पर 2700 वोट से हार रहे थे, लेकिन डीएम से बात करके जीत दिला दिए थे।

अपने भाषण में वो तत्कालीन गया डीएम अभिषेक सिंह का भी जिक्र करते सुने जा रहे हैं। त्रिपुरा कैडर के 2006 बैच के आईएएस अभिषेक सिंह ने 2023 में नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। सार्वजनिक मंच से मगही भाषा में दिए गए इस बयान के बाद अब चुनावी व्यवस्था पर बहस तेज हो गई है। आरजेडी ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- सच कबतक छिपाओगे। दूसरी ओर जीतन राम मांझी ने वायरल हो रहे वीडियो में छेड़छाड़ की बात कही है। ये वीडियो बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक सम्मान समारोह का बताया जा रहा है।

1600 वोट से हार गए, लेकिन पहले बताया ही नहीं–जीतनराम मांझी ने मंच से कहा, 'गलती से वो इस बार हार गए। हमसे अगर कुछ कहते, जैसा 2020 में कहा था कि हम हार रहे हैं, कोई उपाय है। उस समय 2700 वोट से हार रहे थे।' 'इसके बाद मैंने कोशिश की और वो जीत गए। 2025 में सिर्फ 1600 वोटों से हार हुई। मेरे से एक बार भी नहीं बोला। उनका क्या दिमाग हुआ। मैदान छोड़कर भाग गए। पता नहीं मेरे से क्यों ने नहीं बात की।' बताया जा रहा है कि जीतनराम मांझी अपने बयान में टेकारी सीट से पार्टी प्रत्याशी अनिल कुमार की हार के बारे में बातें कर रहे थे।

कलेक्टर ने मुझे फोन किया था–केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, '2020 में गया में अभिषेक सिंह कलेक्टर थे। अभी वो त्रिपुरा में हैं। उन्होंने फोन कर कहा कि, सर 2700 वोटों से पीछे थे, तो जीता दिए। इस बार तो सिर्फ 1600 से ही थे। क्या दिक्कत हो गई। हम भी माथा पीट लिए। अगर हमको कोई जानकारी होता तब ना। चले गए घर। और कहने का मतलब यह है कि हम रात-दिन जनता के काम के लिए गयाजी में बैठे हैं।'

मशीनरी और धांधली से चुनाव जीतने का फॉर्मूला बता रहे: राजद–बिहार की विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल मामले को लेकर हमलावर है। पार्टी ने नीतीश, मोदी सरकार के साथ-साथ चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर मांझी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 'ये भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी जी हैं, जो ठगेश कुमार जैसे पिद्दी पालतू आयुक्त के मुंह पर करारा तमाचा जड़ डंके की चोट पर खुले मंच से चुनाव नतीजों में हेरा-फेरी, मशीनरी और धांधली से चुनाव जितने का शाही फॉर्मूला बता रहे हैं।'

'यही मोदी की कृत्रिम लोकप्रियता और बेईमानी के चाणक्य की सच्चाई है। इन लोगों ने मिलकर दोनों चुनाव में युवा जुझारू क्रांतिकारी नेता तेजस्वी यादव का राजनीतिक वध करने का असफल प्रयास किया। लेकिन सच को कब तक छिपाओगे? कब तक जनता को 41 हजार करोड़ बांटकर, बेईमानी कर, धांधली कर, मशीन की मदद से भ्रष्ट अधिकारी के काले कारनामों से झूठे चुनाव जीतते रहोगे? तुम्हारा भांडा अवश्य फूटेगा।'

कांग्रेस बोली-वोट चोरी का कबूलनामा सुनिए–बिहार कांग्रेस ने मांझी के बयान वाला वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- 'सुनिए मोदी सरकार के मंत्री जीतन राम मांझी से वोट चोरी का कबूलनामा' '2020 में हारते प्रत्याशी को छल से चाल कर जितवाया गया। 2025 में संपर्क नहीं हुआ तो वही प्रत्याशी हारकर घर चला गया। अब बताइए– जब नतीजे 'संपर्क' से बदलते हों, तो वोट की कीमत क्या रह जाती है?'

बचाव में उतरी बीजेपी, कहा- एक भी वोट की गड़बड़ी नहीं हुई–मामले को लेकर बीजेपी जीतनराम मांझी का बचाव करती नजर आई। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, 'केंद्रीय मंत्री ने भी गलत नहीं कहा है। उन्होंने ये नहीं कहा कि गड़बड़ी करके जीते हैं। उन्होंने सकारात्मक तरीके से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि सही तरीके से वोटों की गिनती हुई तो हम हारता हुआ चुनाव भी जीत गए।'

पूर्व सीएम ने लिखा- मांझी अब ब्रांड है–चुनाव में धांधली के आरोप लगने के बाद केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने सफाई देते हुए वीडियो को टेम्पर्ड बताया है। सोशल मीडिया पर लिखा- मेरे वीडियो के साथ छेड़छाड़ हुई है। 'आसमान पर थूकने वालों तुम यह भूल रहे हो कि आसमान पर फेंका हुआ थूक तुम्हारे मुंह पर ही गिरेगा' अब मांझी ब्रांड हो चुका है,किसी से डरने वाला नहीं।'

मांझी के परिवार से 6 लोग राजनीति में–मांझी परिवार में 6 लोग राजनीति में सक्रिय हैं। जीतन राम मांझी 8 बार विधायक, एक बार सांसद और एक बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके बेटे संतोष सुमन विधान परिषद (एमएलसी) सदस्य और बिहार सरकार में मंत्री हैं। बहू दीपा मांझी और समधन ज्योति मांझी भी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) की टिकट पर विधायक हैं। बेटी सुनैना देवी भी राजनीति में सक्रिय रही हैं। जबकि दामाद देवेंद्र मांझी भी विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं।

यूपी में भीषण ठंड, कानपुर में गायों को कोट पहनाया

40 जिलों में कोहरा, 8 में स्कूल बंद, ट्रेन और फ्लाइटें लेट

लखनऊ। यूपी में अब कोल्ड वेव चल रही है। कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा, गाजियाबाद, मेरठ, बरेली समेत 40 जिलों में कोहरा छाया है। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। गाड़ियां रेंगती नजर आईं। ओस की बूंदें बारिश जैसी पड़ रही हैं। सर्द हवाओं से शिमला-मसूरी जैसा फील आ रहा है। बाइक चलाने पर हाथ सुन्न हो जा रहे हैं। ट्रेन और फ्लाइटें लेट चल रही हैं। गोरखपुर एयरपोर्ट से 8 और लखनऊ से 14 फ्लाइटें लेट हैं। काशी में 9 और लखनऊ में 4 फ्लाइटें कैंसिल हैं। कानपुर रेलवे स्टेशन पर 38 और अयोध्या रेलवे स्टेशन पर 10 ट्रेनें 2 से 4 घंटे की देरी से पहुंचीं। कानपुर में पहली बार ठंड से बचाने के लिए गोशालाओं में गोवंश को काउ-कोट पहनाया गया है। दिन और रात में अलाव जलाए जा रहे हैं। सरकार ने अलर्ट मोड पर है। लोगों से अपील की गई है कि बेवजह घर से बाहर न निकलें। हाईवे पर गाड़ियों की स्पीड लिमिट 60 से 80 के बीच कर दी गई है। बरेली, कानपुर, कासगंज, औरैया और जौनपुर में 20 दिसंबर तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। कानपुर देहात, आगरा, फरुखाबाद और समेत 12वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। लखनऊ समेत 10 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। कक्षा 12 तक के स्कूलों में सुबह 9 बजे से पढ़ाई शुरू होगी। गुरुवार को बुलंदशहर सबसे ठंडा रहा, यहां न्यूनतम तापमान 7.1 रिकॉर्ड किया गया। 8°C तापमान के साथ लखीमपुर खीरी दूसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश में भयंकर ठंड का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान प्रदेश में घना कोहरा रहेगा। किसानों का कहना है कि कोहरा गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद है, लेकिन आलू, दलहन और मटर के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया हुआ है। दिन के अधिकांश समय दृश्यता कम रही। 20 दिसंबर तक कमोबेश ऐसा ही मौसम रहने वाला है। अगले 3 दिन कड़ाके की ठंड देखने को मिल सकती है। 20 दिसंबर- पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कोहरा रहेगा। दृश्यता 0 से 100 मीटर तक रह सकती है। कहीं-कहीं पर बादल भी देखने को मिल सकते हैं। 21 दिसंबर- पश्चिमी यूपी में हल्का कोहरा पड़ सकता है। पूर्वी यूपी में भीषण कोहरा देखने को मिल सकता है। दृश्यता शून्य से 100 मी. तक रह सकती है। कानपुर में पहली बार ठंड से बचाने के लिए गोशालाओं में गोवंश को काउ-कोट पहनाया गया है। इसके साथ ही दिन और रात में अलाव जलाए जा रहे हैं। नगर निगम के नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर यह व्यवस्था की जा रही है। नगर आयुक्त ने अफसरों से कहा- गोवंश को ठंड से किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अगर किसी की गलती पाई गई तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुक्रवार (19 दिसंबर) को कुल 24 निर्धारित उड़ानों (आगमन व प्रस्थान) का संचालन किया जाएगा। राहत की बात यह रही कि दिनभर किसी भी उड़ान का न तो डायवर्जन हुआ और न ही रद्दीकरण। हालांकि, कोहरे और परिचालन कारणों के चलते दो उड़ानें निर्धारित समय से लेट हैं। बागपत में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर मवीकला गांव के पास गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में ट्रक चालक अमरोहा निवासी राजेश घायल हो गया। गनीमत रही कि गैस का रिसाव नहीं हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया। ट्रक गाजियाबाद के लोनी से सहारनपुर की ओर जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घना कोहरा होने के कारण दृश्यता कम थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ बुलंदशहर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया है। शीतलहर इतनी पड़ रही है कि सड़कें भीग गई हैं। ठंड का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों पर देखा जा रहा है। सुबह-सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को ठिठुरन झेलनी पड़ रही है। बुजुर्ग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेने को मजबूर हैं। कृषि विज्ञान केंद्र की अध्यक्ष और मौसम वैज्ञानिक डॉ. रेणु सिंह ने बताया कि मौसम का मिजाज रोज बदल रहा है। दिन में धूप निकलने से रात में कोहरा बढ़ने की संभावना रहती है। किसानों का कहना है कि कोहरा गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद है, लेकिन आलू, दलहन और मटर जैसी फसलों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। वाराणसी में कोहरे के चलते हाईवे पर विजिबिलिटी 400 मीटर दर्ज की गई है। इसके चलते वाहनों की रफ्तार धीरे हो गई है। यातायात पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। सभी चालकों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने वाहन को सीमित गति से चलाएं। मुरादाबाद में घना कोहरा छाया है। हाईवे पर जहां रात जैसे हालात हैं। वहीं, शहर के भीतर भी दृश्यता 10-12 मीटर तक सिमटी है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन स्कूलों के समय में परिवर्तन कर चुका है। लोगों को ठंड से बचाने के लिए जगह-जगह अलाव भी जलाए जा रहे हैं।

मथुरा सड़क हादसे में हुईं 19 मौतों के बाद यूपी सरकार ने बड़ा फैसला लिया। एक्सप्रेस-वे पर अब 7 या उससे कम सीटर गाड़ियां दिन में 80 जबकि रात में 60 किमी/घंटे की स्पीड से चलेंगी। एक्सप्रेस-वे पर 50 मीटर से कम विजिबिलिटी होने पर गाड़ियों को एमिनिटीज सेंटर पर रोका जाएगा। संभावना जताई गई है कि 20 दिसंबर तक प्रदेश में कमोबेश ऐसा ही मौसम रहने वाला है। आनंद विहार डबल डेकर, टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस, मुरादाबाद पैसेंजर, दिल्ली पैसेंजर रद्द हुई। इसके अलावा पाटलीपुत्र सुपरफास्ट 3 घंटा 45 मिनट, धनबाद गंगा सतलुज एक्सप्रेस 2 घंटा 45 मिनट, कानपुर सुपरफास्ट 5 घंटा, हावड़ा पंजाब मेल 3 घंटा, दरभंगा जननायक एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटा, हावड़ा हिमगिरि सुपरफास्ट 1 घंटा, कोलकाता से सियालदाह एक्सप्रेस एक घंटा देरी से चल रहे हैं।

श्रम विभाग ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर चिन्हित किए 8 किशोर श्रमिक

कसया, कुशीनगर। श्रम विभाग, पुलिस विभाग व चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम द्वारा जनपद में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध व विनियमन) अधि॰ 1986 यथा संशोधित 2016 के अन्तर्गत नेशनल हाईवे 28 कसया कुशीनगर मे प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 8 किशोर श्रमिको को चिन्हित किया गया। शुक्रवार को श्रम प्रवर्तन अधिकारी कुशीनगर अलंकृता उपाध्याय, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस कुशीनगर प्रभारी निरीक्षक रामचन्द्र राम, चाइल्ड लाइन से मानस के नेतृत्व में कसया हाइवे पर विभिन्न होटलो, ढाबों, मोबाइल आटो वर्कशाप आदि का निरीक्षण किया गया जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कार्यरत पाये गये 8 किशोर श्रमिकों को चिन्हांकित किया गया है। कार्य लेने वाले सेवायोजकों / प्रतिष्ठान स्वामी को अधिनियम की सुसंगत धाराओं के बारे में जानकारी दी गई। सेवायोजकों को बताया गया कि बाल श्रम कराना अपराध है एवं शिक्षा व सुरक्षित बचपन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। बाल श्रम कराते पकड़े जाने पर 06 माह से 02 वर्ष तक की कैद एवं 20 हजार से 50 हजार तक जुर्माने का प्रावधान है। इस अभियान में शशि शेखर मिश्र संदीप सिंह सम्मिलित रहे।

अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर स्थित पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में शनिवार से शुरू होने वाली 20वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पिच और ग्राउंड तैयार कर लिए गए हैं। वहीं मशाल धावकों का प्रशिक्षण भी पूरा हो चुका है। प्रतियोगिता का शुभारंभ अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपिक खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी नुजहत परवीन द्वारा अमर जवान ज्योति प्रज्वलित कर किया जाएगा। शनिवार सुबह 8 बजे कसबा स्थित शहीद की प्रतिमा से 51 धावक मशाल लेकर सपहा, तुर्कपट्टी होते हुए शहीद के पैतृक गांव भेलया पहुंचेंगे। वहां माल्यार्पण के बाद 310 अन्य धावक-धाविकाओं के साथ मशाल दौड़ मोगलपुरा, पटहेरवा, काजीपुर होते हुए आयोजन स्थल पहुंचेगी। मार्ग में धावकों का जगह-जगह फूलों से स्वागत किया जाएगा। इसके बाद सेंट जोसेफ स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। पहले दिन प्रतीकात्मक मैच खेला जाएगा। 21 दिसंबर से प्रतियोगिता के मैच शुरू होंगे। इसमें रणजी और आईपीएल खिलाड़ियों से सजी टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को 1.25 लाख रुपये, उपविजेता को 75 हजार रुपये नकद व ट्रॉफी मिलेगी। मैन ऑफ द सीरीज को हीरो मोटर्स की नवीनतम बाइक दी जाएगी। मैचों के निर्णायक बीसीसीआई पैनल के अंपायर होंगे। ग्रुप ए में आजाद स्पोर्ट्स, एनई रेलवे, बोध गया इलेवन, बिहार, क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ और ग्रुप बी में शौर्य क्रिकेट एकेडमी इंदौर, स्पोर्ट्स मंत्रा हरियाणा, दिल्ली चैलेंजर्स व शालूदार एनसी मुंबई शामिल हैं। फाइनल मुकाबला 27 दिसंबर को खेला जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी, राजन शुक्ला, विनीत कुमार बंटी, आजाद अंसारी, टीएन राय, सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर सीओ जोश, डा.संजय मणि, डा.केपी सिंह, शिवशंकर तिवारी, प्रदीप सिंह, मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह, चंदन दूबे, वी आलम, गुड्डू पांडेय, सतेंद्र सिंह, पिंटू सिंह, उदयभान सिंह, कविंद्र सिंह,असरफ, दरोगा, भास्कराय, पिंटू रवि, सुनील प्रजापति, मोनू इराकी आदि स्थानीय कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान है।

महिला का फांसी पर लटका मिला शव

रायबरेली। खीरों थाना क्षेत्र में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरे लाला मजरे सिर्योरखारा की निवासी नैना (38 वर्ष) ने अपने घर में छत की धन्नी से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। नैना ने 18 वर्ष पूर्व महाराष्ट्र में एक मंदिर में सीताराम यादव से प्रेम विवाह किया था। सीताराम गांव में मूंगफली का ठेला लगाते हैं। उनके एक 16 वर्षीय पुत्र विशाल और दो बेटियां सपना (15 वर्ष) व मीनाक्षी (9 वर्ष) हैं। प्रधान शैलेंद्र यादव से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पति पत्नी में अक्सर झगड़ा होता रहता था। घटना के बाद परिजन शव को नीचे उतारकर दाह संस्कार के लिए गंगा घाट पर ले जा चुके थे। हालांकि, मुखबिर की सूचना पर खीरों पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष खीरों रमेश चंद्र यादव के CUG नंबर पर संपर्क करने पर चौकी इंचार्ज गेगासो ने बताया कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खेत मजदूर सभा ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन, की वीबी जी- राम जी बिल वापसी की मांग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन के आह्वान पर जनपद इकाई के पदाधिकारियों ने कसया तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मनरेगा योजना को समाप्त करने का विरोध करते हुए नए रोजगार गारंटी कानून वीबी जी - राम जी बिल वापसी की मांग की। शुक्रवार को यूनियन के जिलाध्यक्ष कैलाश गिरी और माकपा जिला सचिव कामरेड अयोध्यालाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पहुंचे पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी एक्ट को समाप्त करके नया बिल विकसित भारत, रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन वीबी जी - राम जी बिल लाई है। मनरेगा ग्रामीण रोजगार पाने का अधिकार है लेकिन नए कानून में 125 दिन का काम धोखा है। इसका 40% बोझ राज्यों पर डाल दिया गया है जबकि कई राज्य कर्ज से दबे हुए हैं। मांग किया गया कि वीबी जी - राम जी बिल वापस लिया जाय और मनरेगा जारी रखा जाय तथा मजदूरों को वर्ष में दो सौ दिन काम व छः सौ रुपए दैनिक मजदूरी दिया जाय। इस दौरान इदरीश, बीपी गुप्ता, मोक्कल, चंद्रशेखर प्रसाद, राजेंद्र सिंह, रमेश प्रसाद, जवाहर शर्मा आदि मौजूद रहे।

यूपी: नए साल में 1.5 लाख सरकारी नौकरियां

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार नए साल में युवाओं को बड़ा तोहफा देने जा रही है। 2026 में डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां निकलेंगी। सीएम योगी ने हाल ही में अफसरों के साथ बैठक में विभागवार खाली पदों की डिटेल मांगी थी, जिससे इन पदों पर नियुक्ति की जा सके। इसकी समीक्षा करने के बाद 2026 में युवाओं को 1.5 लाख सरकारी नौकरी देने को इजाजत दे दी। ये नौकरियां शिक्षा, राजस्व, आवास विकास और पुलिस समेत प्रदेश अलग-अलग विभागों में दी जाएंगी। सबसे ज्यादा भर्तियां पुलिस और शिक्षा विभाग में होंगी। ये भर्तियां होने के साथ ही साल-2026 में योगी सरकार के नाम सबसे ज्यादा सरकारी नौकरी देने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो जाएगा। यह यूपी की पहली सरकार होगी, जो 10 साल में 10 लाख सरकारी नौकरियां देगी। यूपी सरकार से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले साढ़े 8 साल में यूपी के युवाओं को अलग-अलग विभागों में साढ़े 8 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। ये सभी भर्तियां पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हुई हैं। इससे प्रदेश के युवाओं का योगी सरकार पर भरोसा मजबूत हुआ है। पहले की सरकारों में यूपी में सरकारी भर्तियों में पारदर्शी माहौल नहीं था। सीएम योगी ने हाल ही में यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें उन्होंने विभिन्न विभागों के खाली पदों की जानकारी मांगी थी। इसके बाद खाली पदों की समीक्षा की गई थी। सूत्र बताते हैं कि सरकार नए साल में पुलिस और शिक्षा विभाग में करीब 50-50 हजार पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी करेगी। पुलिस विभाग में 30 हजार आरक्षी, 5 हजार सब-इंस्पेक्टर के पदों पर भर्ती होगी। वहीं, शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक से लेकर लेक्चरर और प्रधानाचार्य आदि पदों पर भर्ती होगी। इसके अलावा राजस्व में 20 हजार पदों पर भर्ती होगी। वहीं, कारागार, आवास विकास, बाल विकास पुष्टाहार, स्वास्थ्य विभाग में खाली पद भरे जाएंगे। राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा लेखपालों के पदों पर भर्ती की जाएगी। अलग-अलग विभागों में भर्ती प्रक्रिया के विज्ञापन जारी करने का काम अंतिम चरण में है। कुछ विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। जल्द ही विज्ञापन भी जारी हो जाएंगे। इसके बाद नए साल में योगी सरकार पहली सरकार बन जाएगी, जिसने 10 साल में रिकॉर्ड 10 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। हाल ही में यूपी के श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने मिशन रोजगार लागू किया है। हालांकि सरकार पहले ही इजराइल से समझौता कर-के युवाओं को वहां भेज रही है। दरअसल, यूपी में सभी को सरकारी नौकरी देना आसान नहीं है। कुल 12 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। इसके अलावा सवा 2 लाख संविदा, साढ़े 4 लाख आउटसोर्स कर्मचारी हैं। इसकी तुलना में बेरोजगारों की संख्या काफी ज्यादा है। यूपी में 41 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड बेरोजगार हैं। हालांकि जानकारों का मानना है कि यूपी में इंटरमीडिएट पास से लेकर उच्चस्तरीय प्रोफेशनल कोर्स की डिग्री प्राप्त बेरोजगारों की संख्या 4 करोड़ से ज्यादा है। जानिए कैसे मिशन रोजगार से यूपी सरकार युवाओं को धोखाधड़ी से बचाकर नौकरी देगी, कितने युवाओं को नौकरी देने का टारगेट है? यूपी के साथ देश के अन्य राज्यों में और विदेशों में सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में उपलब्ध हर श्रेणी की वैकेंसी के बारे में पता करना। विदेशी दूतावासों के साथ रोजगार के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं से भी वैकेंसी के बारे में पता किया जाएगा। देश-विदेश में उपलब्ध वैकेंसी के लिए यूपी में उपलब्ध अभ्यर्थियों का पता लगाना। अगर वैकेंसी के अनुरूप युवा उपलब्ध हैं, तो उन्हें रोजगार उपलब्ध कराएंगे। अगर किसी वैकेंसी में किसी कोर्स विशेष या भाषा ज्ञान की समस्या आती है, तो ट्रेनिंग देकर अभ्यर्थी को जॉब के लिए तैयार किया जाएगा रोजगार मेले, ऑनलाइन जॉब इंटरव्यू से मैचिंग कराकर जॉब उपलब्ध कराई जाएगी। नई नौकरी में जॉब छूटने के ज्यादा चांस रहते हैं। वहीं, अगर तीन साल तक नौकरी कर ली, तो वह उस कंपनी में लंबे समय तक नौकरी कर सकता है। इसलिए एक बार प्लेसमेंट होने के बाद उसे लगातार 3 साल तक ट्रैक किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

गैंगस्टर के अभियुक्त को दो साल की कठोर सजा के साथ ही हुआ पांच हजार का जुर्माना

संवाददाता

हमीरपुर। चिकासी में 14 जून 2010 में बदमाशों ने गैंग बनाकर अपने आर्थिक और भौतिक फायदे के लिये आम लोगों में डर का माहौल पैदा किया था। जिसके बाद आम लोगों की शिकायतों पर चिकासी पुलिस ने राठ के ग्राम कैथा निवासी बदमाश अरविन्द पुत्र गोकुल लोधी के खिलाफ मु0अ0सं0-150/2010 धारा-2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत गैंगस्टर अदालत के स्पेशल जज अनिल कुमार खरवार ने बदमाश अरविन्द को गुनाहगार मानते हुये दो साल की सख्त सजा के साथ ही पांच हजार रुपये का किया जुर्माना। मामले की विवेचना तत्कालीन एस आई आर॰एस॰एस॰ तिवारी ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी। वहीं अभियोजन की तरफ से एडीजीसी सुशील कुमार त्रिपाठी ने अदालत में जोरदार पैरवी की।

नेशनल कामन ला एडमिशन टेस्ट में अदिति ने 277 वीं रैंक प्राप्त कर बढ़ाया मान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर के वार्ड नंबर 24 सुभाष नगर निवासी ख्यातिलब्ध वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार श्रीवास्तव की पौत्री अदिति श्रीवास्तव पुत्री विशाल कुमार श्रीवास्तव ने बीए एलएलबी में प्रवेश हेतु इस वर्ष नेशनल कामन ला एडमिशन टेस्ट (क्लैट - 2026) में 277 वीं रैंक प्राप्त कर प्राप्त किया है। राष्ट्रीय विधि विश्व विद्यालयों एन एल यू एस या अन्य कालेजों में बीए एलएलबी विधि विषय के अध्ययन के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा होती है। अभी 24 दिसंबर को 17 वर्ष पूरे करने जा रही अदिति डीपीएस नवी मुम्बई में इंटर की परीक्षा देगी। अदिति के पिता मुम्बई में मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जबकि चाचा विराट कुमार आगरा में न्यायाधीश हैं। अदिति की सफलता पर दादी प्रेम शीला, नूपुर श्रीवास्तव, एडिशनल डायरेक्टर जनरल प्रसार भारती संजीव सक्सेना, श्वेता श्रीवास्तव, ई शैलेश श्रीवास्तव, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, डॉ अनिल कुमार सिन्हा, एड. वीरेंद्र बहादुर, त्रिलोकीनाथ श्रीवास्तव, डॉ नित्यानंद श्रीवास्तव, डॉ अनिल कुमार सिन्हा, अयोध्या लाल श्रीवास्तव, गेंदा सिंह सहित नगर वासियों ने खुशी व्यक्त करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू में जनवरी सत्र में प्रवेश आरम्भ

संवाददाता

कुशीनगर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू में जनवरी सत्र में प्रवेश आरम्भ हो गया है। इग्नू भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है और इसके द्वारा चलाए जा रहे सभी पाठ्यक्रम मान्यता प्राप्त हैं । विभिन्न प्रकार की नौकरियों को करने वाले लोग और घर रहकर पढ़ाई के इच्छुक लोगों के लिए इग्नू अच्छा विकल्प है। इसमें परीक्षा का ढंग अभी भी वर्ष में एक बार का ही है। विद्यार्थियों को वर्ष में बार बार कई परीक्षाएं देने की बाध्यता नहीं रहती। इग्नू के प्रत्येक पाठ्यक्रम के नोट्स विश्व स्तरीय होते हैं इसीलिए यह प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को काफी पसंद है। इसमें एक सुविधा यह भी है कि एक साथ दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जा सकता है। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र में बी ए ऑनर्स और बी ए पास दोनों कोर्स में प्रवेश हो सकता है। बी कॉम, हिंदी, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, राजनीति शास्त्र, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन आदि में एम ए (स्नातकोत्तर) में प्रवेश हो सकता है। उच्च शिक्षा में, अनुवाद में, परामर्श और पारिवारिक उपचार में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स किए जा सकते हैं। लैबोरेटरी टेक्नीक में, मार्गदर्शन में , शांति अध्ययन और विवाद प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम जैसे अनेक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जा सकता है। स्नातक के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों के लिए शुल्क में पचास प्रतिशत की छूट विश्वविद्यालय की ओर से है। उक्त जानकारी केंद्र के समन्वयक प्रो गौरव तिवारी ने दी।

सरीला के इछौरा झिटकिरी मोरम खण्ड

25/9 के बेलगाम और बेखौफ पट्टाधारक ए॰एन॰ बिल्डर अवैध खनन की जीरो टॉलरेंस नीति को कर रहे हैं पलीता लगाने का काम

संवाददाता

हमीरपुर। सरीला के इछौरा झिटकिरी मोरम खण्ड 25/9 के बेखौफ और बेलगाम पट्टाधारक ए॰एन॰ बिल्डर एनजीटी के नियमों को ताख पर रखकर खुलेआम प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से प्रशासन की नाक के नीचे मोरम का अवैध खनन कर शासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना। वहीं भारी भरकम पोकलैण्ड मशीनों से मोरम का अवैध खनन कर शासन प्रशासन को दे रहे हैं खुली चुनौती। जबकि खण्ड के पट्टाधारक और संचालक खनन नीति के खिलाफ जाकर प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से बीस से तीस फिट गहरे गड्ढे खोदकर कर रहे हैं धड़ल्ले से मोरम का अवैध खनन। अब बड़ा सवाल ये है कि प्रशासन इस खण्ड पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रहा है? जबकि खण्ड के पट्टाधारक और संचालक प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री और तेजतर्रार खनन निदेशक की मोरम के अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को पलीता लगाने का कर रहे हैं काम। जबकि जिम्मेदार कार्यवाही करने के बजाय मूकदर्शक बने बैठे हैं।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया

नई दिल्ली। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (17 दिसंबर) 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया है। इसकी जानकारी केंद्र सरकार की ओर से शुक्रवार को दी गई। आयकर विभाग की ओर से बताया गया कि केंद्र सरकार का कुल सकल कर संग्रह इस साल एक अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर तक 20.01 लाख करोड़ रुपए रहा है। इसमें सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2.97 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। इसमें सालाना आधार पर 13.52 प्रतिशत की गिरावट आई है। शुद्ध प्रत्यक्ष कर में कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.17 लाख करोड़ रुपए रही है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.39 लाख करोड़ रुपए था। इसमें नॉन-कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.46 लाख करोड़ रुपए थी, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 7.96 लाख करोड़ रुपए थी। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में व्यक्तिगत कर और हिंदू अविभाजित परिवारों से वसूले जाने वाले कर को शामिल किया है। समीक्षा अवधि में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 40,194.77 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 40,114.02 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने 25.20 लाख करोड़ रुपए के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है, जो कि सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ वित्त वर्ष 26 में सरकार को 78,000 करोड़ रुपए का एसटीटी

संग्रह होने का अनुमान है। कर संग्रह में इसतरह का इजाफा देखने को मिला है, जब आम बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर प्रणाली के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। इससे बड़ी संख्या आयकर दाताओं का राहत मिली है।

एनसीएलटी के 50 और अपीली न्यायाधिकरण के 2 नए न्यायालय खोलने का रास्ता साफ

-केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी

नई दिल्ली। कंपनी मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 50 और अपीली न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 2 नए न्यायालय खोलने का प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने बताया कि दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक 2025 पर प्रवर समिति के साथ साझा की है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने समिति को बताया है कि वह 'आईबीसी प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण नियम' के तहत नियम बनाएगा, ताकि समयसीमा का पालन होना सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने समिति को बताया कि 'यह फैसला करने वाले प्राधिकरणों की इंफ्रा, कार्यात्मक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक करने के लिए किया जाएगा।

प्रवर समिति ने कहा, न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन करने के लिए संबंधित प्रावधानों को सहायक कानूनों के साथ मजबूत करने की जरूरत है। विभिन्न हितधारकों ने समिति को बताया कि न्यायिक क्षमता का विस्तार करने या पीठों की संख्या बढ़ाने और इंफ्रा के सुधार के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाकर न्यायनिर्णय प्रक्रिया के पुनर्गठन की जरूरत है। एनसीएलटी में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल स्वीकृत संख्या 63 है। एनसीएलटी के पीठों में 31 मार्च, 2025 तक केवल 3 पद रिक्त थे। मौजूदा आईबीसी ढांचे के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान शुरू करने वाले आवेदन को 14 दिनों के भीतर स्वीकार होना चाहिए, जबकि हकीकत में दिवाला आवेदन स्वीकार करने में न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों को औसतन एक साल से अधिक लग जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सदस्यों की कमी और अपेक्षित संख्या न होने के कारण न्यायाधिकरण सप्ताह में केवल कुछ दिन या दिन में कुछ घंटे ही बैठते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यहां तक कि उन न्यायाधिकरणों में, जहां कोई रिक्ति नहीं है, अपेक्षित इन्फ्रा के अभाव के कारण पीठें को रोटेशन के आधार पर कोर्टरूम या हॉल साझा करने के लिए मजबूर होने पड़ता है।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेजे पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।'

इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, ग्रेंग-चू क्रांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने अगले माह कुछ कदम उठाएगी केंद्र सरकार

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दिया भरोसा

नई दिल्ली।

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि केंद्र चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले माह कुछ फैसले करेगी। दरअसल, मांग से अधिक उत्पादन होने के कारण गन्ने का बकाया बढ़ने लगा है। यह फैसला चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की लंबे समय से लंबित मांग से जुड़ा है। चीनी कारोबार चीनी का एमएसपी मौजूदा 22 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर करीब 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। इस क्रम में उद्योग गन्ने से एथनॉल बनाने के मौजूदा 28 प्रतिशत को बढ़ाकर आदर्श रूप से 50 प्रतिशत करने और चीनी का निर्यात मौजूदा 15 लाख टन से बढ़ाने की मांग भी कर रहा है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

केंद्रीय खाद्य सचिव चोपड़ा ने इंडियन शुगर एंड बॉयो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) की वार्षिक बैठक में कहा, 'देखिए, वर्तमान में गन्ना बकाया ज्यादा बढ़ा नहीं है।

हमें बताया गया है कि अगले महीने तक बकाया बढ़ना शुरू होगा। फिर खपत से अधिक चीनी का उत्पादन (2025-26 सत्र में) किसानों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देगा। यह हम नहीं चाहते हैं। इसलिए अधिशेष को कम करने के लिए हम जो कुछ और कर सकते हैं, और यकीनन करने वाले हैं। चोपड़ा ने कहा कि वर्तमान में उठाए कदमों के साथ इस्मा ने अनुमान लगाया है कि 2025-26 सत्र के अंत तक चीनी का समापन स्टॉक करीब 60 लाख टन होगा और सरकार इस कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी ताकि किसानों को बढ़ते बकाया के कारण नुकसान न हो।

उधर इस्मा के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम गोयल ने कहा कि उनके प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में गन्ना बकाया पहले ही करीब 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जबकि उत्तर प्रदेश के आंकड़े अभी भी प्रतीक्षित हैं। दरअसल, मॉनसून की अवधि बढ़ने के कारण उत्तर प्रदेश में पेराई देर से शुरू हुई।

देश के कुल चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

एयरटेल ने किया शीर्ष पदों पर बदलाव का ऐलान

गोपाल विट्ठल बने एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन; जनवरी 2026 से शाश्वत शर्मा संभालेंगे एमडी और सीईओ की कमान

नई दिल्ली।

भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक ऐतिहासिक उत्तराधिकार योजना के तहत अपने शीर्ष नेतृत्व में बड़े फेरबदल की घोषणा की है। पिछले तेरह वर्षों से कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गोपाल विट्ठल अब 1 जनवरी 2026 से एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की नई रणनीतिक भूमिका में नजर आएंगे। उनके स्थान पर वर्तमान सीईओ डेजिग्नेट शाश्वत शर्मा को कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव एयरटेल की उस दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत नेतृत्व का हस्तांतरण बेहद सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया गया है।

गोपाल विट्ठल अपनी नई और व्यापक जिम्मेदारी में भारती एयरटेल सहित उसकी सभी सहायक कंपनियों की कमान संभालेंगे। उन पर समूह स्तर पर डिजिटल रूपांतरण, टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति और टैलेंट मैनेजमेंट जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों को नई दिशा देने का अहम भार होगा। वहीं, शाश्वत शर्मा जो पिछले एक वर्ष से विट्ठल के साथ मिलकर व्यवसाय के हर पहलू पर काम कर रहे थे, अब भारतीय परिचालन का नेतृत्व करेंगे और सीधे विट्ठल को रिपोर्ट करेंगे। इस नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही कंपनी ने अपने वित्तीय प्रबंधन को भी नई मजबूती दी है। वर्तमान सीएफओ सौमेन रे को अब ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के उच्च पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि एयरटेल के साथ 12 वर्षों का लंबा अनुभव रखने वाले अखिल गर्ग अब भारती एयरटेल इंडिया के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर का दायित्व संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर रोहित पुरी को कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज तिवारी ग्रुप कंपनी सेक्रेटरी के रूप में समूह स्तर पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने नेतृत्व के इस हस्तांतरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे निरंतरता और नई ऊर्जा का अनूठा संगम बताया है। उन्होंने कहा कि गोपाल विट्ठल के अनुभव और शाश्वत शर्मा की सक्रियता की यह जुगलबंदी एयरटेल को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेलीकॉम कंपनी बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगी।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 62 पैसे की तेजी के साथ ही 89.65 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

श्रीराम फाइनेंस में 4 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा जापान का एमयूएफजी समूह

नई दिल्ली। जापान की मित्सुबिशी यूएफजे वित्तीय समूह (एमयूएफजी) के श्रीराम फाइनेंस में चार अरब डॉलर से अधिक के निवेश की उम्मीद है। श्रीराम फाइनेंस भारत के निजी क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। सूत्रों ने बताया कि एमयूएफजी श्रीराम फाइनेंस में 20 प्रतिशत का हिस्सेदारी खरीदेगा और यह भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक हो सकता है। इस लेन देन के होने के बाद भी श्रीराम समूह एनबीएफसी का सबसे बड़ा शेयरधारक व प्रवर्तक रहेगा। सूत्रों के मुताबिक श्रीराम फाइनेंस की कॉरपोरेट पहचान बनी रहेगी। श्रीराम समूह की श्रीराम फाइनेंस में 24.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रीराम समूह ने श्रीराम कैपिटल और श्रीराम वैल्यू सर्विसेज के जरिए श्रीराम फाइनेंस में निवेश किया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका की सैनलाम लाइफ इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत है। इससे प्रवर्तक की कुल हिस्सेदारी 25.39 प्रतिशत हुई है। श्रीराम फाइनेंस को इस लेन देन के लिए ओपन ऑफर की आवश्यकता नहीं होगी। इसका कारण यह है कि हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरी तरह से शेयरों के प्राथमिक निर्गमन के माध्यम से किया जाएगा। श्रीराम फाइनेंस ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसका बोर्ड बैठक करेगा। इसमें राइट्स इश्यू, तरजीही आवंटन, योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट या किसी अन्य तरीके से धन जुटाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।

प्लेटिनम 18 साल के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। सोने-चांदी के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के साथ प्लेटिनम भी निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। ग्लोबल मार्केट में प्लेटिनम के दाम 18 साल के ऊंचे स्तर 1,975 डॉलर प्रति औंस (1,78,227 रुपए प्रति 28.35 ग्राम) पर पहुंच गए। निवेशक कमजोर होती करेंसी से संभावित नुकसान से बचाव (हेजिंग) के लिए प्लेटिनम में निवेश कर रहे हैं। सोना-चांदी जरूरत से ज्यादा महंगे होने से ये थोड़े सस्ते विकल्प नजर आ रहे हैं। 2025 में अब तक इसकी कीमत 121 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक भारत में प्लेटिनम की औसत कीमत 61,513 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। 2024 के आखिर में यह 27,560 रुपए और 2020 के आखिर में 24,910 रुपए थी।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल है। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेजे पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।' इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, ग्रेंग-चू क्रांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 447, निफ्टी 150 अंक ऊपर आया

मुंबई।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.55 अंक बढ़कर 84,929.36 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 150.85 अंक उछलकर 25,966.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.67 फीसदी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.23 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, एक्सूएल, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718 अंक बढ़कर 60,310.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 230.15 अंक उछलकर 17,390.35 पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बाजार खुलने के बाद 337.06 अंक तेजी के साथ 84,818.87 अंक पर कारोबार

करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 95.45 अंक की बढ़त के साथ ही 25,911.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज एशिया-पैसिफिक बाजारों में खरीदारी देखने को मिली। निवेशक जापान के केंद्रीय बैंक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है और दरें 0.75 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। इस बीच जापान का निक्केई, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त रही। वहीं अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में बढ़त रही। एसएंडपी 500 ने चार कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की। महंगाई के अनुमान से कम रहने वाले आंकड़ों से 2026 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है।

इस महीने में 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात, बिल यथावत रहा

-2026 में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रहने की संभावना

नई दिल्ली। नवंबर महीने में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कच्चे तेल आयात की मात्रा में 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि आयात बिल यथावत रहा। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में देश का तेल आयात बिल 9.9 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में अपरिवर्तित है। भारत ने इस महीने के दौरान 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि में आयात किए गए 189 लाख टन की तुलना में काफी ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा आपूर्ति के डर के कारण 2025 में कच्चे तेल की कीमत कम रही है। इसकी वजह से ज्यादा तेल खरीद के बावजूद भारत का आयात बिल कम रहा। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत नवंबर 2025 में औसतन 64.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि पिछले साल यह 73.02 डॉलर प्रति बैरल थी। अप्रैल से नवंबर की अवधि में देश के कच्चे तेल का आयात बिल करीब 12 फीसदी घटकर 80.9 अरब डॉलर रह गया। आपूर्ति की अधिकता के डर और यूक्रेन व रूस के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच बेंचमार्क ब्रेंट इस सप्ताह की शुरुआत में गिरकर 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जो पिछले 5 सालों में सबसे कम है।

2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को एआई से प्रशिक्षित करेगी आईबीएम

मुंबई।

आईबीएम ने भारत में कौशल विकास के लिए एक बड़े अभियान का ऐलान किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी 2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा। यह पहल आईबीएम स्किल्सबिल्ड के माध्यम से होगी, जिसका उद्देश्य देश में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना है और छात्रों और वयस्कों को डिजिटल और नौकरी केंद्रित कौशल तक आसान पहुंच देना है। आईबीएम ने कहा कि कार्यक्रम के जरिए उन्नत तकनीक की शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जाएगा, इसके तहत स्कूल, विश्वविद्यालय और कारोबारी प्रशिक्षण संस्थानों में एआई और उभरती तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा।

आईबीएम, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर एआई-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, हैकथॉन और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, जिसका मकसद छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा कि भारत में एआई और क्वांटम तकनीक में वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि योजना से युवाओं को नई चीजें सीखने, नवाचार और देश के विकास में मदद करने का मौका मिलेगा।

आईबीएम स्कूलों में एआई शिक्षा को मजबूत कर रहा है। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए

एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है और शिक्षकों को एआई प्रोजेक्ट कुकबुक, शिक्षक मार्गदर्शिका और समझाने वाले मॉड्यूल जैसी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटेशनल सोच और जिम्मेदार एआई की समझ देना है।

सेबी ने जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 से कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की दी अनुमति

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शर्तों में बदलाव करके जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 रुपए के कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की अनुमति दी है। इसके तहत जारीकर्ता निजी नियोजन के जरिये जारी अपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अपरिवर्तनीय तरजीही शेयरों की फेस वैल्यू कम कर सकते हैं। पहले के एक सर्कुलर में सेबी ने जारी करने वालों को ऐसी प्रतिभूतियों की फेस वैल्यू घटाकर 10,000 रुपए करने की इजाजत दी थी, बशर्ते वे फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले ब्याज या लाभांश देने वाले साधन हों और उन पर कोई स्ट्रक्चर्ड ऑब्लिगेशन न हो। हालांकि, इस शर्त ने जीरो-कूपन बॉन्ड को बाहर कर दिया, जो समय-समय पर ब्याज नहीं देते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाजार कारोबारियों की प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए सेबी ने माना कि जीरो-कूपन बॉन्ड समय-समय पर मिलने वाले कूपन के बजाय कीमत में बढ़ोतरी पर रिटर्न देते हैं। नियामक ने कहा कि ये बॉन्ड समय के साथ चक्रवृद्धि रिटर्न देते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले निवेशक इनका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका संबंधों के नए स्वर, शांति, स्थिरता और रणनीतिक संतुलन की ओर

कांतिलाल मांडोत

मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में हुई उच्च स्तरीय वार्ता ने वैश्विक राजनीति में एक नया संदेश दिया है। संवाद ही वह सेतु है जो किसी भी जटिल द्विपक्षीय रिश्ते को संतुलन और स्थिरता की ओर ले जाता है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य, वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव और सामरिक चुनौतियों के बीच दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत न केवल समयोचित थी बल्कि भविष्य की साझेदारी के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी प्रकट करती है। लंबे समय से चले आ रहे विवाद, खासकर व्यापार और टैरिफ से जुड़े मुद्दे, धीरे-धीरे नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। भारत के लिए, यह बातचीत एक भरोसेमंद संकेत है कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से दो देश फिर से सामरिक और आर्थिक तालमेल की ओर लौट रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बताया कि यह वार्ता महत्वपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रही। इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों पक्षों ने विवादित मुद्दों से आगे बढ़कर उन क्षेत्रों पर अधिक जोर दिया जिनमें सहयोग की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।जैसे रक्षा, ऊर्जा, सैन्य नवाचार, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और सुरक्षा। बीते कुछ वर्षों में व्यापारिक टकराव, विशेषकर टैरिफ को लेकर, भारत-अमेरिका संबंधों में एक बड़ी बाधा थी। अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों को लेकर कई बार तनाव की स्थिति बनी। किंतु वास्तविकता यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था इतनी विविध, लचीली और मजबूत हो चुकी है कि इन टैरिफ का प्रभाव सीमित रहा। दूसरी ओर, अमेरिका को यह समझ आ गया कि कठोर व्यापारिक नियमों से वह भारत जैसे तेजी से उभरते साझेदार को केवल असहज कर रहा है, लाभ नहीं। इसलिए, जैसे-जैसे वार्ता आगे बढ़ी, टैरिफ का भूत धीरे-धीरे समाप्त होता दिखा।

इस संवाद का सबसे बड़ा संदेश यह है कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत और अमेरिका केवल सहयोग करने की इच्छा नहीं बल्कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता रखते हैं। दोनों देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में उभर रही साझा चुनौतियाँ, चाहे वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा हो, उभरती तकनीकों का भविष्य हो, या ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु संबंधी मुद्दे इन सब पर संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। यह समझ इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श को आकार देने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों देशों ने अपने रणनीतिक हितों के प्रति स्पष्टता बरतते हुए व्यापारिक रिश्तों को नई ऊर्जा देने की आवश्यकता को स्वीकार किया। भारत में मौजूद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि पहले ही अंतिम प्रस्ताव वॉशिंगटन भेज चुके हैं और अब समझौते का निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया जाना है। यह संकेत देता है कि आने वाले महीनों में दोनों देश एक बड़े व्यापारिक समझौते के करीब पहुँच सकते हैं। मुद्दों को टालने या कठोर रुख अपनाने की बजाय संवाद द्वारा रास्ता खोजने का यह सकारात्मक संकेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी आश्वस्तकारी है।

अमेरिका द्वारा लॉन्च किया गया 9 करोड़ का गोल्ड कार्ड भी दोनों देशों के रिश्तों में एक नया आयाम जोड़ता है। यह स्थायी निवास और निवेश के अवसरों को जोड़ने का प्रयास है, लेकिन इसकी अत्यधिक लागत इसे आम लोगों के लिए कठिन बनाती है। इसके अलावा, यह भी तथ्य है कि अमेरिका कभी भी किसी कार्डधारक का स्टेटस बदल सकता है, जिससे यह नीति अस्थिरता का संकेत भी देती है। भारत के लिए, चुनौती यह है कि हजारों एच-1बी वीजा आवेदकों के इंटरव्यू अचानक महीनों के लिए टाल दिए गए हैं। इससे अमेरिकी नीतियों की अनिश्चितता उजागर होती है। अमेरिका के भीतर भी इस गोल्ड कार्ड योजना का विरोध जारी है, क्योंकि इसे अमेरिका के हितों के विरुद्ध और कुछ देशों को अनावश्यक रूप से अलग-थलग करने वाला कदम माना जा रहा है।

यह भी तथ्य है कि कई विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका अपने कठोर और बदलते नियमों के माध्यम से भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक तरक्की पर किसी न किसी रूप में अंकुश लगाने की कोशिश करता है। लेकिन यह आकलन भी उतना ही सही है कि भारत अब ऐसी नीतियों के दबाव में नहीं आने वाला। भारत की वैश्विक स्थिति जितनी मजबूत हुई है, उतनी ही उसकी क्षमता बढ़ी है कि वह समानता और सम्मान के आधार पर साझेदारी को आगे बढ़ाए। यही कारण है कि इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने टैरिफ का मुद्दा उठाने की आवश्यकता तक महसूस नहीं की।क्योंकि भारत का आत्मविश्वास अब किसी रक्षात्मक मुद्रा का मोहताज नहीं रहा।

इस पूरे संवाद का व्यापक संदर्भ यह है कि दुनिया अनेक मोर्चों पर तनाव की स्थिति से गुजर रही है।यूरोप और मध्यपूर्व में संघर्ष, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन, और आर्थिक अनिश्चितताएं। ऐसी परिस्थितियों में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिरता न केवल दोनों देशों बल्कि पूरे विश्व के लिए आवश्यक है। एक तरफ अमेरिका अपनी वैश्विक भूमिका को पुनर्संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर भारत एक उभरती शक्ति के रूप में वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका स्थापित कर चुका है। इस संतुलन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संवाद और सहयोग ही सबसे प्रभावी साधन हैं।

इस बातचीत से यह भी प्रतीत होता है कि दोनों देश भविष्य में सैन्य और सुरक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ करेंगे। 21वीं सदी की रक्षा तकनीक चाहे वह साइबर सुरक्षा हो, स्पेस सिक्योरिटी, एआई आधारित सैन्य प्रणालियाँ, या समुद्री सुरक्षा,इन सभी क्षेत्रों में भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक मानक तय करने में सक्षम हैं। यह सहयोग न केवल एक-दूसरे के हितों की रक्षा करेगा बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति में भी योगदान देगा।

अमेरिका द्वारा भारत को दबाने की कोशिश का दौर अब बीतता दिख रहा है। दुनिया जानती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। यही कारण है कि इस वार्ता के परिणाम में अमेरिका खुद एक अधिक सम्मानजनक, विनम्र और वास्तविक साझेदार के रूप में सामने आया। भारत के साथ संबंधों को गहराने की अमेरिका की इच्छा केवल रणनीतिक आवश्यकता नहीं बल्कि व्यावहारिक अनिवार्यता बन चुकी है।

इन सबके बीच यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश जैसे मैक्सिको भी नई परिस्थितियों में अपने आर्थिक हितों के लिए कठोर टैरिफ नीतियाँ अपनाने की बात कर रहे हैं। यह विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती नई प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। ऐसे समय में भारत को न केवल अमेरिका बल्कि अन्य साझेदारों के साथ भी अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। आने वाले समय में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होगी।

अंततः मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे। भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व क्षमता ने उसे वह स्थान दिलाया है जहाँ कोई भी राष्ट्र उसे दबा नहीं सकता।संवाद ही एकमात्र रास्ता है। यही इस वार्ता का सार है और यही भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा तय करेगा।

संपादकीय

मनरेगा अब 'जी राम जी'

शुक्रवार, 19 दिसंबर, संसद के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन है। सरकार का प्रयास रहेगा कि मनरेगा का वैकल्पिक बिल ह्यविकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्व दोनों सदनों में पारित हो जाए, ताकि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद इसे कानून के तौर पर अधिसूचित किया जा सके। नए बिल को संक्षेप में ह्यजी-राम-जीह्व कहा जा रहा है। शायद इसीलिए हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों की खिचड़ी बनाई गई है। इसे भाजपा की ह्यरामवादी राजनीतिह्व से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। यह मानसिकता का संकरापन है। बुनियादी चिंता और सरोकार यह होना चाहिए कि जिस भारतीय को काम का संवैधानिक अधिकार हासिल है, क्या उसे 100 अथवा 125 दिन का रोजगार मुहैया कराया जा रहा है अथवा नहीं? जब 2005 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ह्यराष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी बिलह्व तैयार किया गया था, तब भाजपा के वरिष्ठ सांसद कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति में बिल पर व्यापक विमर्श किया गया था। संसदीय समिति ने तत्कालीन मनमोहन सरकार को कई सुझाव भी दिए थे। हमारी सूचना है कि अधिकांश सुझाव मान लिए गए थे। यकीनन वह एक ऐतिहासिक प्रयोग था कि देश में गरीब और बेरोजगार अथवा जिसे काम चाहिए, उस व्यक्ति को साल में कमोबेश 100 दिन का रोजगार, केंद्र सरकार के जरिए, उपलब्ध कराया जाएगा। वह संकल्प और कानूनी प्रावधान अधूरे ही रहे, क्योंकि 2006-07 से लेकर 2024-25 तक औसतन 50.24 दिन का रोजगार ही मुहैया कराया जा सका है। वाकई यह सरकार की नाकामियों का स्मारक भी है, लेकिन इसमें कांग्रेस और भाजपा दोनों की ही सरकारें शामिल रही हैं। साल 2008 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रपट सामने आई, तो बदइंतजामी और गहरे भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए। करीब 70 फीसदी ब्लॉक में मनरेगा अफसर ही तैनात नहीं थे।

करीब 52 फीसदी पंचायतों में मनरेगा सहायक ही नहीं थे। बंगाल के 19 जिलों में बिना काम ही भुगतान किए गए और फंड के गलत इस्तेमाल किए गए। देश के 19 राज्यों में सर्वे कराए गए, तो अधिकारी और ठेकेदार के मिलीभगत भ्रष्टाचारों का खुलासा हुआ। 2024-25 में, मोदी सरकार के दौरान, 193 करोड़ रुपए का गबन और घोटाला पाया गया। 2025-26 में 23 राज्यों में मनरेगा के तहत या तो काम ही नहीं कराया गया अथवा बजटीय खर्च कम किया गया। बीती 5 दिसंबर को ही राज्यसभा में सरकार ने जानकारी दी थी कि मनरेगा की मद के 9746 करोड़ रुपए बकाया हैं। बजट में मनरेगा के लिए 80,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। चूंकि एकमुश्त खर्च नहीं की गई, लिहाजा साफ है कि मजदूरी बांटी नहीं गई, क्योंकि काम उपलब्ध ही नहीं कराया गया। यूपीए सरकार के दौरान ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने कुछ पेशेवरों, पत्रकार आदि, को प्रतिनिधि बना कर बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाकों में भेजा था, ताकि मनरेगा का यथार्थ सामने आ सके।

चिंतन-मनन

ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा, इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा, उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ, तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ?सा था, जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए, केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है। जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा, तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा, जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था, बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए, अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे, तो निस्संदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

पाकिस्तान की राह पर बांग्लादेश और भारत के लिए बढ़ती सुरक्षा चुनौती

सौरभ जैन अंकित

बांग्लादेश एक बार फिर गंभीर राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। भारत विरोधी बयानबाजी के लिए चर्चा में रहे शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका समेत कई शहरों में भड़की हिंसा ने नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। अखबारों के दफ्तर जलाए गए, अवामी लीग के कार्यालय पर हमले हुए और भारतीय उच्चायोग को घेरने की घटनाएं सामने आईं। बिगड़ते हालात के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या बांग्लादेश भी धीरे-धीरे पाकिस्तान की तरह कट्टरपंथी संगठनों के हाथ का खिलौना बनने जा रहा है?

भारत की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि बांग्लादेश में सक्रिय कुछ कट्टरपंथी इस्लामी संगठन दोबारा सिर उठा रहे हैं। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों का अतीत हिंसा, बम धमाकों और टारगेट किलिंग से जुड़ा रहा है। शेख हसीना सरकार के समय इन पर सख्त कार्रवाई हुई थी, जिससे इनका नेटवर्क कमजोर पड़ा। लेकिन मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक ढील के माहौल में इनके फिर से सक्रिय होने की आशंका बढ़ गई है।

भारत के लिए चिंता की एक बड़ी वजह यह भी है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद का संपर्क बांग्लादेशी कट्टरपंथी गुटों से रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये संगठन भारत के पूर्वी हिस्से में अस्थिरता फैलाने के इरादे से बांग्लादेश को एक नए आधार के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। कुछ आकलनों में यह भी सामने आया है कि विश्वविद्यालयों और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में बांग्लादेशी गुट इन आतंकी संगठनों की मदद कर रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच लंबी और संवेदनशील सीमा भी इस खतरे को बढ़ाती है। पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और मेघालय से लगी सीमा पहले से ही अवैध घुसपैठ, तस्करी और नकली नोटों की समस्या से जूझ रही है। यदि कट्टरपंथी संगठनों को यहां पनपने का मौका मिला, तो यह सीमा आतंकियों के लिए आरामगाह के साथ ही एक देश से दूसरे देश तक आवाजाही, स्लीपर सेल और हथियारों की तस्करी का रास्ता बन सकती है, जैसा पाकिस्तान के साथ लगी सीमा पर देखा गया है।

हालिया हिंसा में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जाना भी चिंता का संकेत है। चटगांव में भारतीय उच्चायोग पर पत्थरबाजी और भारत विरोधी नारों से यह साफ होता है कि कट्टरपंथी तत्व माहौल को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति और सामाजिक दिशा का सीधा असर भारत की सुरक्षा पर पड़ता है।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं। ऐसे में कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त नीति, मजबूत और स्थिर सरकार तथा दोनों देशों के बीच खुफिया और सुरक्षा सहयोग बेहद जरूरी है। यदि समय रहते हालात पर काबू नहीं पाया गया, तो आशंका है कि बांग्लादेश भी पाकिस्तान की तरह आतंकी नेटवर्क के लिए उपजाऊ जमीन बन सकता है, जो भारत के लिए दीर्घकालिक और गंभीर चुनौती साबित होगा।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि ह्यएकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकीह्व, ह्ययुवा-नेतृत्व वाली एकजुटताह्व और ह्यसतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटताह्व जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब ह्यसभी मानव पहले मानवह्व की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्व का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर जोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है।

अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

मां हमेशा हौसला देती थी: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थीं और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है।

पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी कीं, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चलीं। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस और दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी। कंटेंट क्रिएटर नेन्सी त्यागी और शनाया कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बताते कि कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म में उनके साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं।

यूलिया ने अपनी मातृभाषा में रिलीज़ किया पहला गीत

पिछले 14 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय कलाकार यूलिया वंतूर ने अपने करियर का एक बेहद भावनात्मक अध्याय शुरू किया है। यूलिया ने अपने गृह देश रोमानिया और अपनी मातृभाषा में पहला गीत रिलीज़ किया है, जिसका शीर्षक 'कोलिंदे, कोरिंदे' है। यूलिया के लिए यह गीत न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से खास है, बल्कि इसकी प्रस्तुति भी ऐतिहासिक रही। इस कैरल को पहली बार वेटिकन में पॉल षष्ठम हॉल में प्रस्तुत किया गया, जहां पोप लियो चौदह की उपस्थिति में और दुनिया भर के प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं व हजारों लोगों के सामने नोस्त्रा एताते के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में इसका प्रदर्शन हुआ। यूलिया वंतूर के लिए यह गीत किसी सपने के सच होने जैसा है। उनका कहना है कि वे वर्षों से रोमानियाई भाषा में गाना चाहती थीं, लेकिन उनका पहला रोमानियाई गीत एक क्रिसमस कैरल होना जैसे पहले से तय था। उनके अनुसार, कैरल्स उन्हें अपने बचपन, अपने देश, अपने माता-पिता और अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में हों, हर साल क्रिसमस पर वे अपने माता-पिता के लिए कैरल गाती हैं और वीडियो कॉल पर यह उनकी खास पारिवारिक परंपरा बन चुकी है। इन पलों में वे खुद को फिर से एक बच्ची की तरह महसूस करती हैं। यूलिया की भारत में संगीत यात्रा भी एक रोमानियाई कैरल से ही शुरू हुई थी। चौदह साल पहले गाया गया वही कैरल बाद में भारत में 'तेरी मेरी' गीत की प्रेरणा बना और यहीं से उनके हिंदी संगीत करियर की शुरुआत हुई। इसी वजह से जब उन्हें पोप की उपस्थिति में वेटिकन में गाने का निमंत्रण मिला, तो उन्होंने अपने दिल के सबसे करीब गीत 'कोलिंदे, कोरिंदे' को चुनना सही समझा। इस गीत का म्यूजिक वीडियो लंदन और रोमानिया में फिल्माया गया है, जिसमें यूलिया के माता-पिता भी नजर आते हैं। वीडियो में दूरी, तड़प और घर की याद को बेहद भावुक तरीके से दर्शाया गया है। गीत का संगीत और बोल रिमेनेस्कु, यूजेनिया निकोलाए और सेज़र काज़ानोई कावाल ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्माण सी एंड पी वायरल नेशन रोमानिया ने किया है। यूलिया वंतूर के अनुसार, 'कोलिंदे, कोरिंदे' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि एक एहसास है—अपने घर, अपने माता-पिता और अपने सबसे प्रिय लोगों के साथ फिर से जुड़ने की भावना।

धुरंधर को मिला एयर इंडिया से खास प्यार, यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर धुरंधर की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, 35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, 12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है धुरंधर रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।

आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने धुरंधर को नया सिनेमा तक कह दिया। जासूसी और देशभक्ति से भरपूर फिल्म की बड़ी सफलता के बाद सीक्वल भी आने की तैयारी में है। मेकर्स ने हाल ही में ऐलान कर बताया कि धुरंधर पार्ट 2 अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

बार-बार देखने का मन करता है 'धुरंधर': एलनाज नौरोजी

स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की इंडस्ट्री के सितारे भी जमकर सराहना कर रहे हैं। हाल ही में ईरानी मूल की अभिनेत्री और मॉडल एलनाज नौरोजी ने भी 'धुरंधर' की खुलकर तारीफ की है। एलनाज नौरोजी ने फिल्म की प्रशंसा के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने 'धुरंधर' का पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। एलनाज ने न सिर्फ फिल्म की कहानी की तारीफ की, बल्कि निर्देशक आदित्य धर और पूरी स्टारकास्ट को भी सराहा। उन्होंने लिखा कि फिल्ममेकिंग अपने बेहतरीन स्तर पर नजर आती है और आदित्य धर ने एक बार फिर खुद को साबित किया है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना की एक्टिंग को बेजोड़ बताया। एलनाज ने अपनी पोस्ट में यह भी साझा किया कि वह सिनेमा से गहराई से जुड़ी हुई हैं, लेकिन आमतौर पर किसी भी फिल्म को दो बार देखने से बचती हैं। हालांकि 'धुरंधर' उनके लिए एक अपवाद साबित हुई है। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म इतनी प्रभावशाली है कि वह इसे तीन, चार या उससे भी ज्यादा बार देखना चाहेंगी। उनके मुताबिक, फिल्म की कहानी, अभिनय और तकनीकी पक्ष इतने मजबूत हैं कि हर बार देखने पर कुछ नया महसूस होता है। 'धुरंधर' को लेकर सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा है। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों की बहादुरी और जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई है। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी कंधार हाइजैक और 26/11 जैसे सच्चे और संवेदनशील घटनाक्रमों से प्रेरित बताई जा रही है। हालांकि जबरदस्त तारीफों के बीच फिल्म को कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। कुछ क्रिटिक्स ने इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दिया है, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों की भीड़ और बॉक्स ऑफिस आकड़े साफ तौर पर फिल्म की लोकप्रियता बयान कर रहे हैं।

जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं: शत्रुघ्न सिन्हा

इंटरफेथ मैरिज होने की वजह से बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल का रिश्ता सोशल मीडिया पर लगातार बहस का विषय बना रहा, जहां कई बार सोनाक्षी और उनके परिवार को आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। हाल ही में सोनाक्षी के पिता और वरिष्ठ अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी और दामाद के रिश्ते को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। जब उनसे पूछा गया कि सोनाक्षी और जहीर का रिश्ता कैसा है, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा कि दोनों का बॉन्ड बेहद मजबूत और प्यारा है। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक, जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे के लिए ही बने हों। उन्होंने यह भी बताया कि सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहा था कि जहीर उनके जीवन के सबसे अहम शख्स हैं। शत्रुघ्न ने मुस्कराते हुए कहा कि सोनाक्षी मानती हैं कि उनके जीवन में केवल दो हीरो हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने हमेशा अपनी बेटी के फैसलों का समर्थन किया है। इससे पहले भी वे साफ कह चुके हैं कि सोनाक्षी का यह निर्णय पूरी तरह सही है और उन्हें इसमें कुछ भी गलत नजर नहीं आता। उन्होंने दो टूक कहा कि बेटी की खुशी ही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है और वही उनके लिए मायने रखती है। इसी बीच, एक पॉडकास्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने इंटरफेथ मैरिज और ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की बातें केवल शोर हैं, जिनका उनकी निजी जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। सोनाक्षी ने यह भी कहा कि वह पहली महिला नहीं हैं जिन्होंने ऐसा फैसला लिया हो और न ही आखिरी होंगी। उनके मुताबिक, वह एक आत्मनिर्भर और सफल महिला हैं, जो अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। इसी वजह से उन्होंने अपनी शादी को शोर-शराबे से दूर, बेहद निजी और खास तरीके से सेलिब्रेट किया। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां भी कीं, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे हमेशा अपनी बेटी और दामाद के साथ खड़े रहेंगे। परिवार का यही प्यार और समर्थन सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता नजर आता है। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की शादी को अब एक साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन उनकी जोड़ी आज भी उतनी ही चर्चा में है जितनी शादी के वक्त थी। 23 जून 2024 को सात साल की लंबी डेटिंग के बाद दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

'हीरो' ने रातोंरात स्टार बना दिया था जैकी श्रॉफ को

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर के 42 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म हीरो के रिलीज होते ही जग्गू दादा यानि की जैकी श्रॉफ रातोंरात स्टार बन गए थे। इस बेहद खास मौके पर जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में फिल्म का एक छोटा सा विलप साझा करते हुए लिखा, 'फिल्म हीरो के 42 साल पूरे।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपने उस दौर को याद किया, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ पहली बार लीड रोल में नजर आए थे। उन्होंने फिल्म में जैकी दादा नाम के एक गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जो पुलिस कमिश्नर की बेटी राधा, यानी मीनाक्षी शेषाद्रि का अपहरण करता है। कहानी में आगे चलकर यह किरदार प्रेम और पश्चाताप के रास्ते पर चलता है और खुद को बदल लेता है।

रोमांच, एक्शन और रोमांस से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में अमरीश पुरी और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने इसे और मजबूत बनाया। 'हीरो' की सफलता के बाद जैकी श्रॉफ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कर्मा', 'राम-लखन', 'खलनायक', 'सौदागर', 'बॉर्डर' और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। अपनी दमदार आवाज, अनोखे स्टाइल और सहज अभिनय के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया। हालांकि, जब उनका स्टारडम चरम पर था, तब भी उनकी सादगी और जमीन से जुड़ा स्वभाव लोगों को खूब पसंद आया। कहा जाता है कि अपार सफलता के बावजूद जैकी श्रॉफ लंबे समय तक उसी चॉल में रहे, जहां उनका बचपन बीता था। काम के मोर्चे पर जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नम: पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में जुटे कार्तिक

अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन जुटे हुए हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे कार्तिक ने काम के बीच स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। गुजरात की मशहूर मिठाइयों का आनंद लेते हुए कार्तिक दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा खाते नजर आए। कार्तिक आर्यन ने इस खास पल की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हैं और फिर मुस्कुराते हुए उसका स्वाद लेते दिखाई देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से सजी प्लेट दिखाते नजर आ रहे हैं। उनका यह देसी अंदाज़ फैन्स को काफी पसंद आ रहा है और पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। इस पोस्ट को कार्तिक ने खास कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने तलविंदर के गाने 'तेनु ज्यादा मोहब्बत कर बैठे' का जिक्र किया।

यह गाना उनकी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साउंडट्रैक का हिस्सा है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ यह गाना प्यार के उस नाजुक और भावुक पहलू को दिखाता है, जिसमें मोहब्बत के साथ दर्द भी शामिल होता है। इस ट्रैक को लेकर कार्तिक पहले ही कह चुके हैं कि दिल टूटना भी 'प्यार का एक रंग' है। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं। हालांकि, पारिवारिक दबाव और सामाजिक बंदिशें उनके रिश्ते की कड़ी परीक्षा लेती हैं। रोमांस और इमोशन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास अनुभव लेकर आने वाली है।

फराह और कुनिका ने किया जीवन के अनुभवों को सांझा

बॉलीवुड फिल्ममेकर एवं कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेत्री कुनिका सदानंद के बीच हुई एक बातचीत इन दिनों चर्चा में है। फराह खान हाल ही में कुनिका सदानंद के घर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच रिश्तों, आदतों और जीवन के अनुभवों को लेकर खुलकर बात हुई। बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का भी रहा और भावनात्मक भी, जब फराह ने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेने का वक्त आ गया है। इस मजाक की शुरुआत उस समय हुई, जब कुनिका ने 'बिग बॉस 19' से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फीक कहा था। कुनिका ने स्वीकार किया कि उस वक्त यह बात उन्हें बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और लंबे समय तक खुद को लेकर सोचती रहीं। हालांकि समय बीतने के साथ उन्होंने उस बात को समझने की कोशिश की और अपने व्यवहार पर आत्ममंथन किया। कुनिका ने कहा कि उस घटना के बाद उन्होंने अपने रिश्तों को नए नजरिए से देखना शुरू किया। उन्हें एहसास हुआ कि वह लोगों को जरूरत से ज्यादा प्यार और ध्यान देती थीं, जिससे कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होती थी। वह हर रिश्ते में चीजों को संभालने और नियंत्रित करने की कोशिश करती थीं, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या पारिवारिक रिश्ता। जब उन्होंने धीरे-धीरे इस आदत को कम किया, तो उन्हें अपने भीतर सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ।

कुनिका ने फराह से कहा कि अब उन्हें लगता है कि उस समय कही गई बात पूरी तरह गलत नहीं थी और कई बार ज्यादा केयर भी रिश्तों को बोझिल बना देती है। कुनिका की यह बात सुनकर फराह खान ने हंसते हुए कहा कि अब तो नया बॉयफ्रेंड बनाने का सही समय आ गया है। इसके बाद फराह ने भी अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मों के सेट पर हर चीज को कंट्रोल करने की आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन समय के साथ उन्होंने समझा कि हर चीज पर नियंत्रण जरूरी नहीं होता। अब वह घर में चीजों को छोड़ना, परिवार को फैसले लेने की आजादी देना और बेवजह का तनाव न लेने की कोशिश करती हैं।

कपिल देव बोले- खिलाड़ियों को सब आता है, कोच सिखा नहीं सकता

गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठ रहे

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पहले वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के काम करने के तरीके को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि आधुनिक क्रिकेट में हेड कोच की भूमिका तकनीकी कोचिंग से ज्यादा खिलाड़ियों को संभालने और मैनेज करने की होती है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की 0-2 से हार के बाद गौतम गंभीर की रणनीति, खिलाड़ियों के बार-बार रोटेशन और फर्स्ट-टाइम विकलों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच कोलकाता में इंडियन चैंबर

ऑफ कॉमर्स के आईसीसी सेंटेनरी सेशन के दौरान कपिल देव ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की।

'कोच' शब्द का ढीला इस्तेमाल हो रहा है- कपिल देव: कपिल देव ने कहा, 'आज 'कोच' शब्द का बहुत ढीले तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। गौतम गंभीर वास्तव में कोच नहीं, बल्कि टीम के मैनेजर हो सकते हैं। मेरे लिए कोच वो होते हैं, जिन्होंने हमें स्कूल और कॉलेज में खेल सिखाया।

तकनीकी कोचिंग की जरूरत पर सवाल: कपिल देव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी कोचिंग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा,अगर कोई खिलाड़ी पहले से लेग स्पिनर या विकेटकीपर है, तो हेड कोच उसे क्या सिखाएगा? गौतम गंभीर किसी लेग स्पिनर या विकेटकीपर को कैसे कोच कर सकते हैं?

खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाना सबसे जरूरी: कपिल देव के मुताबिक, हेड कोच या मैनेजमेंट की असली जिम्मेदारी खिलाड़ियों को संभालना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है।उन्होंने कहा,मैनेजमेंट ज्यादा जरूरी है। एक मैनेजर के तौर पर खिलाड़ियों को भरोसा देना होता है कि वे कर सकते हैं। युवा खिलाड़ी आपको देखते हैं और आपसे सीखते हैं।

अपने कहानी अनुभव को साझा करते हुए कपिल देव ने बताया कि वे हमेशा खराब फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों के साथ ज्यादा समय बिताते थे।

विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की कप्तानी करेंगे वेंकटेश अय्यर

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने वेंकटेश अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी लीग स्टेज के लिए अपनी पुरुष सीनियर टीम का कप्तान चुना, जो 24 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक अहमदाबाद में होगी। 30 साल के अय्यर को हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मिनी-ऑक्शन में 7 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे पहले उन्होंने 2021 से 2025 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए चार साल खेले थे और एक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीता था। मध्य प्रदेश की कप्तानी मिलना अय्यर के लिए एक बड़ा बूस्ट है।

चुने गए अन्य खिलाड़ियों में अनुभवी यश दुबे के साथ एक और आईपीएल स्टार कुमार कार्तिकेय भी शामिल हैं, जो पिछले साल 2022 से 2024 तक मुंबई इंडियंस के लिए खेलने के बाद राजस्थान रॉयल्स में चले गए थे। शुभम शर्मा और हरप्रीत सिंह भी 16 सदस्यीय टीम में हैं जिसमें माधव तिवारी को फिटनेस के आधार पर चुना गया है। इस बीच विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का आगामी संस्करण इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि इसमें भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे टॉप स्टार शामिल हैं, जिन्हें उनके संबंधित राज्यों ने चुना है। विराट ने दिल्ली के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है जबकि रोहित लीग स्टेज में मुंबई के लिए खेलने को तैयार हैं।

केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा को डिफेंडिंग चैंपियन कर्नाटक ने अपनी टीम में शामिल किया है। ये टॉप स्टार अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे क्योंकि

विजय हजारे ट्रॉफी लीग चरण के लिए मध्य प्रदेश टीम:

वेंकटेश अय्यर (कप्तान), हर्ष गवली, हिमांशु मंत्री (विकेटकीपर), यश दुबे, शुभम शर्मा, हरप्रीत सिंह, ऋषभ चौहान, रितिक टाडा, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, शिवांग कुमार, आर्यन पांडे, राहुल बाथम, त्रिपुरेश सिंह, मंगेश यादव, माधव तिवारी ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्टार खिलाड़ियों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी सीरीज में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है।

अहमदाबाद में 19 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के आखिरी टी-20 और 11 जनवरी 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच तीन हफ्ते का गैप है इसलिए बोर्ड चाहता है कि सीनियर खिलाड़ी इस समय का उपयोग घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए करें।

मोरक्को ने जॉर्डन को हराकर अरब कप का खिताब जीता

फाइनल के चार मिनट में बदला खेल

दोहा (एजेंसी)। अब्दरज्जाक हामेद अल्लाह के दो गोल से मोरक्को ने अतिरिक्त समय तक चले अरब कप के फाइनल में जॉर्डन को 3-2 से पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। लुसैल स्टेडियम में हामेद अल्लाह ने 88वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर 100वें मिनट में विजयी गोल करके मोरक्को को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' से पहले अरब कप ट्रॉफी दिला दी। फाइनल के चार मिनट से भी कम समय में ओसामा तन्नाने ने सेंटर लाइन के पीछे से शानदार स्ट्राइक लगाकर मोरक्को को बढ़त दिलाई थी। अली ओलयान के 48वें मिनट में हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और 68वें मिनट में पेनल्टी से जॉर्डन को बढ़त दिला दी।

यशस्वी पुणे के अस्पताल से डिस्चार्ज

डॉक्टर्स ने 10 दिन आराम की सलाह दी, पेट में संक्रमण था, 2 दिन पहले एडमिट हुए थे

पुणे (एजेंसी)। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल पुणे के आदित्य बिरला अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर लौट आए हैं। डॉक्टर्स ने उन्हें 8 से 10 दिन आराम की सलाह दी है।

23 साल के जायसवाल को दो दिन पहले पेट में ऐंठन की परेशानी के बाद एडमिट कराया गया था। मंगलवार को मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग मैच के बाद उनके पेट में दर्द हुआ।

उस मुकाबले में जायसवाल ने 16 बॉल पर 15 रन बनाए थे। मुंबई ने मैच को 3 विकेट से जीता था। हालांकि, टीम टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो गई थी।

हरियाणा के खिलाफ मैच विनिंग पारी खेली, 101 रन बनाए

4 दिन पहले यशस्वी जायसवाल ने हरियाणा के खिलाफ मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 101 रनों की मैच विनिंग पारी खेली थी। उन्होंने 50 बॉल की पारी में 16 चौके और एक छक्का जमाया। इस मुकाबले में मुंबई ने 235 रन का टारगेट सिर्फ 17.3 ओवर में 6 विकेट खोकर चेज कर लिया था। टीम ने 6 विकेट खोकर 238 रन बनाए थे। हालांकि, उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी टी-20 टीम में नहीं रखा गया था। भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 4-1 से आगे है। सीरीज का 5वां और आखिरी मैच 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

गांगुली ने अर्जेंटीना फैन क्लब के प्रेसिडेंट पर मानहानि-केस किया

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कोलकाता की अर्जेंटीना फैन क्लब के अध्यक्ष उत्तम साहा पर मानहानि का मुकदमा किया है। इतना ही नहीं, उनसे 50 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। मामला शनिवार, 13 दिसंबर का है, जब लेक सिटी स्टेडियम में मेसी के इवेंट में नाराज फैंस ने तोड़फोड़ कर दिया था। गांगुली ने लालबाजार में दर्ज शिकायत में कहा- उत्तम साहा के बयानों से उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

ये आरोप बिना किसी सबूत के लगाए गए हैं। गांगुली ने साहा के बयानों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण, अपमानजनक और मानहानिकारक बताया है। उत्तम साहा ने दावा किया था- गांगुली ने इवेंट के मुख्य आयोजक सतादरु दत्ता के कामकाज में 'मिडिलमैन' की भूमिका निभाई थी। इसी आरोप पर गांगुली की कानूनी टीम ने साहा को नोटिस भेजा है और बयान वापस लेने व हर्जाने की मांग की है। 53 साल के गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट हैं। गांगुली ने साफ किया कि वे मेसी के इवेंट में सिर्फ एक मेहमान के तौर पर शामिल हुए थे।

ट्रैविस हेड ने एडिलेड में लगातार चौथा टेस्ट शतक लगाया

डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की, इंग्लैंड पर ऑस्ट्रेलिया की 356 रन की बढ़त

एडिलेड (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले जा रहे सीरीज के तीसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बैटर ट्रैविस हेड तीसरे दिन शतक लगाकर नाबाद लौटे। इस शतक के साथ ही हेड ने डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। हेड ने एडिलेड में लगातार चौथे टेस्ट में शतक लगाया है। इससे पहले उन्होंने इसी मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो और भारत के खिलाफ मैच में शतक जड़ा था।

शुक्रवार को तीसरे दिन इंग्लैंड ने 213/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। इसके बाद इंग्लिश टीम पहली पारी में 286 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए थे। इससे ऑस्ट्रेलिया को 85 रन की बढ़त मिल गई। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 271 रन बना लिए हैं और 356 रन की बढ़त मिल गई है।

स्टोक्स ने 83 रन बनाए

आज इंग्लैंड ने 213/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बेन स्टोक्स और जोफा आर्चर ने पारी को आगे बढ़ाया। स्टोक्स के रूप में 9वां विकेट गिरा। स्टोक्स 83 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्चर 51 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसी के साथ इंग्लैंड की पहली पारी समाप्त हुई।

85 रन की बढ़त के साथ उतरी ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका जैक वेदराल्ड के विकेट के साथ लगा। इसके बाद मार्नस लाबुशेन (13), उस्मान ख्वाजा (40) और कैमरन ग्रीन (7) आउट हुए। इंग्लैंड के लिए अब तक जोश टंग ने 2 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और ख्रिस जैक्स को 1-1 विकेट मिला।

डॉन ब्रैडमैन के क्लब में हुए शामिल हेड

हेड ने किसी एक ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर लगातार चार टेस्ट में शतक लगाने के खास क्लब में जगह बना ली है। इस क्लब में डॉन ब्रैडमैन, चैली हैमंड, माइकल क्लार्क और स्टीव स्मिथ मौजूद हैं। ब्रैडमैन ने 1928 से 1932 के बीच मेलबर्न में लगातार चार टेस्ट में शतक लगाया था। जबकि चैली ने सिडनी में यह कारनामा किया था। वहीं माइकल क्लार्क ने भी एडिलेड में यह कारनामा किया है।

मॉरीशस ओपन

शुभंकर दो ओवर के कार्ड के साथ संयुक्त 71वें स्थान पर पहुंचे

पोर्ट लुईस (मॉरीशस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अफ्रिशिया बैंक मॉरीशस ओपन के शुरुआती दौर में दो ओवर का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर है। तेज हवा के कारण मुश्किल परिस्थितियों में शुभंकर का स्कोर 13वें होल तक एक अंडर था लेकिन उन्होंने इसके बाद डबल बोगी और और बोगी कर दिया। शुभंकर ने इस दौरान तीन बर्डी, तीन बोगी के अलावा 16वें होल में डबल बोगी कर दी। दक्षिण अफ्रीका के केसी जार्विस और स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन एक समान पांच-अंडर-पार 67 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर हैं।

भारतीय टीम से खेला पाकिस्तानी कबड्डी खिलाड़ी

● बहरीन में तिरंगा भी फहराया, पीकेएफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान कबड्डी बोर्ड (पीकेएफ) अपने यहां के स्टार प्लेयर उबैदुल्लाह राजपूत पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने जा रहा है। क्योंकि, उबैदुल्लाह बहरीन के नेशनल डे के मौके पर आयोजित एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय कबड्डी टीम की ओर से खेलते नजर आए थे। उन्होंने इंडियन जर्सी पहनी। इतना ही नहीं, तिरंगा भी लहराया।

इसका वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट हो गया। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि महासंघ की एक आपात बैठक 27 दिसंबर को बुलाई गई है, जिसमें इस मामले पर चर्चा की जाएगी। राजपूत तथा कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। सरवर ने कहा- मैं कह सकता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था, जिसमें आयोजकों ने टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान नामों से निजी टीमें बनाई थीं। उन्होंने आगे कहा-सभी टीमों में अपने-अपने देश के खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय निजी टीम का प्रतिनिधित्व किया और उबैदुल्लाह उनके लिए खेले जो इन परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।

बिना परमीशन के गए थे उबैदुल्लाह, कार्रवाई होगी

पीकेएफ के सचिव सरवर ने बताया कि 16 पाकिस्तानी खिलाड़ी महासंघ या पाकिस्तान खेल बोर्ड से बिना किसी इजाजत के बहरीन गए थे। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों के खिलाफ भी पाकिस्तान टीम के नाम पर गलत तरीके से खेलने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

उबैदुल्लाह ने मांफी मांगी

राजपूत ने माफी मांगी है और साफ किया है कि उन्हें बहरीन में इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा- मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था। मैंने आयोजकों से कहा कि वे (आयोजक) भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल नहीं करें।

विजय हजारे ट्रॉफी:

मुंबई की संभावित टीम से रोहित-जायसवाल बाहर!

मुंबई (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले मुंबई क्रिकेट टीम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को कथित तौर पर मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, चयन समिति ने इस पर स्थिति साफ करते हुए संकेत दिए हैं कि इन खिलाड़ियों के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

24 दिसंबर से शुरू होगा मुंबई का विजय हजारे अभियान: मुंबई की टीम 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने सफर की

शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप ए में रखा गया है और ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले जयपुर में खेले जाएंगे। इस बार टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिनसे संतुलित नेतृत्व और ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

बड़े नाम शुरुआती टीम से बाहर:मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की घोषित टीम में कई बड़े भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, युवा स्टार यशस्वी जायसवाल, भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का बाहर होना फैंस के लिए चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक और फिटनेस से जुड़े कारण माने जा रहे हैं।

बाहर होने का मतलब बाहर रहना नहीं: मुंबई चयन समिति ने साफ कर दिया है कि इन खिलाड़ियों का टीम सूची में नाम न होना यह तय नहीं करता कि वे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, जो भी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, उन्हें बाद में टीम में शामिल किया जा सकता है। यानी रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

यशस्वी जायसवाल की फिटनेस पर नजर: यशस्वी जायसवाल के मामले में फिटनेस एक अहम कारण है। हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शतक जड़ने के बाद उन्हें एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। हालांकि अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है, लेकिन उनकी मैच फिटनेस का अंतिम आकलन टूर्नामेंट शुरू होने के करीब किया जाएगा।

बीसीसीआई का खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने का संदेश: गौरतलब है कि बीसीसीआई ने सभी भारतीय खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट, खासकर विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने पर जोर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

'रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहा', यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों से लगाई मदद

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों और खासकर अमेरिका से मदद देने की अपील की। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा, 'आज हमें फिर से ऐसे संकेत मिले हैं कि मॉस्को अगले साल भी लड़ाई जारी रखने की तैयारी कर रहा है। ये संकेत सिर्फ हमारे लिए नहीं हैं बल्कि ये हमारे सहयोगी देशों के लिए भी संकेत हैं कि वे भी इसे देखें और न सिर्फ देखें बल्कि इस पर प्रतिक्रिया भी दें। खासकर अमेरिका, जो अक्सर कहता है कि रूस इस युद्ध को खत्म करना चाहता है।' जेलेंस्की ने आगे लिखा, 'अमेरिका दावा करता है कि रूस, युद्ध रोकना चाहता है, लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, ये बिल्कुल उलट हैं। रूस की मानसिकता को समझकर उसके हिसाब से कार्रवाई की जानी चाहिए। रूस कूटनीति को अहमियत नहीं देता और वह बस यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों को तबाह करना चाहता है। वह यूक्रेन की जमीन को घुराकर उसे कानूनी वैधता देना चाहता है। यूक्रेन के बाद रूस यूरोप का रुख करेगा, जहां वह यूरोप की जमीन को भी ऐतिहासिक रूप से रूस की जमीन बताएगा।' जेलेंस्की ने इसके बाद लिखा कि यूक्रेन अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य मदद की जरूरत है। साथ ही रूस की संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है।

इस्राइल ने गाजा के रिहायशी इलाके में दागे मोर्टार, 10 लोग घायल

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की सेना ने बुधवार को गाजा पट्टी के एक फलस्तीनी रिहायशी इलाके में मोर्टार गोला दागा। इस घटना में कम से कम 10 लोगों के घायल होने की पुष्टि स्वास्थ्य अधिकारियों ने की है। इस्राइली सेना ने कहा कि यह फायरिंग संघर्षविराम समझौते में तय की गई तथाकथित 'येलो लाइन' के पास एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। सेना के मुताबिक मोर्टार अपने तय लक्ष्य से भटक गया, हालांकि यह नहीं बताया गया कि लक्ष्य क्या था। सेना ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गाजा सिटी के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम ने बताया कि घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर से लागू संघर्षविराम के बाद यह पहली घटना नहीं है, जब येलो लाइन के बाहर इस्राइली फायरिंग से नागरिक हताहत हुए हों। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार संघर्षविराम के बाद अब तक इस्राइली कार्रवाई में 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस्राइल का कहना है कि उसने हमास की उल्लंघनों के जवाब में कार्रवाई की है, जबकि फलस्तीनी पक्ष का आरोप है कि लाइन के स्पष्ट रूप से चिन्हित न होने के कारण आम नागरिक निशाना बन रहे हैं।

रैपर के फ्लॉक को गोलीबारी मामलों में 30 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रैपर के फ्लॉक (केविन पेरेज) को ब्रॉन्क्स में 2020-21 के बीच हुई कई गोलीबारी घटनाओं में दोषी पाए जाने पर 30 साल की सजा सुनाई गई है। 22 वर्षीय रैपर पर चार अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों को घायल करने और एक गैंग का मुखिया बनने का आरोप था। जज लुइस लिमन ने कहा कि पेरेज ने सोशल मीडिया पर हिंसा को बढ़ावा दिया और युवा प्रशंसकों को गलत संदेश दिया। मार्च में उन्हें रैकेटियरिंग साजिश और हत्या के प्रयास सहित कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

कोलंबिया में विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अफसरों की मौत

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के काली में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। दोनों अधिकारी बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी सड़क किनारे लगाए बम से निशाना बनाया गया। घटना से पहले ईएलएन ने कैरेबियन में अमेरिकी सैन्य तैनाती के विरोध में 72 घंटे का आर्म्ड स्ट्राइक शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, सप्ताहांत में पुलिस स्टेशन व सैन्य ठिकानों पर भी हमले हुए, जिनमें एक एंबुलेंस चालक की मौत हुई।

बक रॉजर्स स्टार गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में कैंसर से निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अभिनेता गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1979 की खाइ-फाई सीरीज बक रॉजर्स इन 25 सेंचुरी में मुख्य भूमिका निभाई थी। जेरार्ड की पत्नी जेनेट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि जेरार्ड को कैंसर था। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उनके साथ बिताया गया समय मेरे लिए कभी पर्याप्त नहीं हो सकता।

भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम: रिचर्ड रोसो

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।

रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है। उन्होंने कहा, 'अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है। व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ। ये नीतियां आज भी अमेरिका की सोच को प्रभावित करती हैं, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए से।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की व्यापार नीति में समय के साथ बदलाव आया है। आयात शुल्क में कटौती, स्थानीय निर्माण की अनिवार्यता में कमी और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ बड़े व्यापार समझौते इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक स्तर पर आई डगमगाहट के बावजूद, व्यापारिक आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। रोसो ने कहा कि आयात और निर्यात दोनों में साल-दर-साल बढ़ोतरी दिख रही है। 2025 के व्यापार आंकड़ों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर उच्च सिंगल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने हाल के महीनों में भारतीय निर्यात में आई गिरावट की ओर भी इशारा किया। रोसो ने कृषि क्षेत्र को व्यापार समझौते में सबसे बड़ी अड़चन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के बुनियादी कृषि उत्पादों तक पहुंच की मांग कर रहे हैं। यह भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि देश में बड़ी संख्या में किसान हैं, जिनके पास वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर हैं। ऐसे में बड़े स्तर पर उदारीकरण सामाजिक और राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए रोसो ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था असमान है। जहां एक ओर सेवा क्षेत्र काफी उत्पादक है, वहीं कृषि क्षेत्र की उत्पादकता कम है। उन्होंने कहा कि सुधार धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से होने चाहिए ताकि लोगों की जिंदगी पर अचानक नकारात्मक असर न पड़े। निवेश के मोर्चे पर रोसो ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में अमेरिका की अरबों डॉलर की प्रतिबद्धताओं को दीर्घकालिक सोच का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं होंगी और भारत उनमें से एक होगा। उनके अनुमान के मुताबिक, भारत मध्य सदी तक 20 से 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका व चीन को सीधी चुनौती देगा।

सुधारों की बात करें तो रोसो ने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत धीमी रही, लेकिन हाल के महीनों में रफ्तार बढ़ी है। उन्होंने जीएसटी में बदलाव और बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति जैसे कदमों का जिक्र किया।

2026 की शुरुआत को लेकर रोसो ने कहा कि साल की पहली तिमाही बेहद अहम होगी। संभावित व्यापार समझौता, अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा, क्वाड नेताओं की बैठक और फरवरी में होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं। साथ ही, भारत में होने वाले राज्य चुनाव भी सुधारों की गति को प्रभावित करेंगे। रोसो ने कहा कि पिछले 11 से 12 वर्षों में भारत ने सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को काफी मजबूत किया है और अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग भी गहरा हुआ है।

इमरान खान की बहनों और समर्थकों को प्रदर्शन करना पड़ा भारी, आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों और उनके दर्जनों समर्थकों के खिलाफ अडियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के लिए आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। इमरान खान की बहनों और उनके पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। दरअसल, अधिकारियों ने जेल में बंद नेता के रिश्तेदारों और वकीलों को उनसे मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार, खान की दो बहनें अलीमा खान और नोरीन नियाजी के साथ-साथ सलमान अकरम राजा, नईम पंजोथा, कासिम खान, आलिया हमजा, राजा नासिर अब्बास नाम के पार्टी के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ रावलपिंडी के सदर बेरोनी पुलिस स्टेशन में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कथित तौर पर राज्य के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 120 भी लगाई। पुलिस के मुताबिक कल रात मौके पर ही कम से कम 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में उल्लिखित अपराधों में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के खिलाफ अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से कई मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने खान से मुलाकातों पर बिना पूर्व सूचना के प्रतिबंध लगा दिए हैं। पुलिस का कहना है कि इस बहाने से कि आगंतुक ऐसी मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। खान से आखिरी मुलाकात 2 दिसंबर को हुई थी, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का यातना मामलों की विशेषज्ञ ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति पर चिंता जताई और पाकिस्तान सरकार से कहा कि वह तत्काल और प्रभावी कदम उठाए।

चीन के सपने को अमेरिका का झटका, ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार देने को मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने चीन को करारा झटका दिया है। सालों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति है और अब रणनीतिक मोर्चे पर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया है कि चीन को मिर्ची लग सकती है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी है, जिससे चीन का तनाव बना रहता है। चीन का ताइवान पर दावा रहा है, जबकि ताइवानी नेतृत्व का जोर स्वतंत्र देश पर है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन अकसर आमने-सामने आते रहे हैं। यही नहीं 2022 में अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी भी ताइवान गई थीं और उस दौरान चीनी फाइटर जेट्स ने उनके विमानों का पीछा करने की कोशिश की थी। इससे काफी तनाव पैदा हो गया था। अमेरिका की ओर से मंजूरी किए गए पैकेज के तहत ताइवान को मध्यम दूरी की मिसाइलें दी जाएंगी। इसके अलावा होवित्जर तोपों और ड्रोन्स की भी बिक्री शामिल है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन के साथ व्यापार या अन्य मसलों पर कोई बात नहीं की। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य खामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। वहीं अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी, गवर्नर बोलीं- कुछ नियमों के साथ वैध बनाएंगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी मिलने जा रही है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सीय आत्महत्या करने को कानूनी वैधता देने पर सहमत बन गई है। अगले साल इस कानून पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

अगले साल हस्ताक्षर के साथ बन जाएगा कानून : गवर्नर ने कहा, न्यूयॉर्क 'सुरक्षा उपायों' के साथ मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने जा रहा है। बुधवार को गवर्नर और राज्य के कानूनी जानकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत, न्यूयॉर्क गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने वाला राज्य बनने जा रहा है। डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि वह बिल में कई सुरक्षा उपायों को जोड़ने पर जोर देने के बाद अगले साल इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही हैं। अमेरिका में करीब एक दर्जन राज्यों में मेडिकल सहायता से आत्महत्या की अनुमति देने वाले कानून हैं। हाल ही में इलिनोइस राज्य में भी हाल ही में ऐसा कानून बना है, जिस पर अगले साल हस्ताक्षर होंगे। न्यूयॉर्क के मेडिकल एड इन डाइंग एक्ट के लिए यह जरूरी है कि एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, जिसके छह महीने के भीतर मरने की उम्मीद है, वह जीवन समाप्त करने वाली दवाओं के लिए लिखित अनुरोध करे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है, दो गवाहों को अनुरोध पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके बाद अनुरोध को व्यक्ति के इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ-साथ एक सलाहकार डॉक्टर द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा।

कुछ प्रावधानों को जोड़ने पर बनी सहमति : गवर्नर ने कहा कि बिल के प्रारूपकों और कानूनी जानकारों ने ऐसे प्रावधान जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है जिसमें एक मेडिकल डॉक्टर से पुष्टि की जरूरत होगी कि व्यक्ति के पास वास्तव में जीने के लिए छह महीने से कम समय बचा है, साथ ही एक मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से पुष्टि की जाएगी कि रोगी निर्णय लेने में सक्षम है और उस पर कोई दबाव नहीं है। बुधवार को होसुल ने कहा कि इस बिल को सपोर्ट करना गवर्नर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। उन्होंने कहा, 'मैं कौन होती हूं जो आपको या आपके किसी अपने को, जो जिंदगी के आखिरी समय में जिस चीज की मांग रहे हैं, उसे देने से मना करूं? मैं अब ऐसा और नहीं कर सकती थी।' यह कानून पहली बार साल 2016 में पेश किया गया था।

पुलित्जर विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन, गोलियों और बमों के बीच दशकों तक की रिपोर्टिंग

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तानों तक युद्धों की प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग दुनिया तक पहुंचाने वाले, गोलियों और बमों से बचते हुए दशकों तक काम करने वाले पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एसोसिएटेड प्रेस के लिए वियतनाम युद्ध की रिपोर्टिंग पर 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाले अर्नेट का बुधवार को न्यूपोर्ट बीच में निधन हुआ। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि उस समय वे दोस्तों और परिवार से घिरे हुए थे। उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने

बताया कि वह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित थे। वायर सेवा संवाददाता के रूप में अर्नेट 1962 से 1975 में युद्ध समाप्त होने तक वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे और उस दौरान वे मुख्य रूप से अन्य पत्रकारों के बीच ही जाने जाते थे। हालांकि 1991 में सीएनएन के लिए पहले खाड़ी युद्ध की लाइव रिपोर्टिंग करने के बाद वे आम लोगों के बीच भी एक जाना-पहचाना नाम बन गए। एड्रिथ लेडरर 1972-73 में वियतनाम युद्ध के दौरान उनकी साथी व एसोसिएटेड प्रेस की संवाददाता थीं। उन्होंने कहा, पीटर अर्नेट अपने समय के युद्ध कवर करने वाले महान संवाददाताओं में से एक थे। वह निडर, साहसी और बेहतरीन लेखक थे। उनकी रिपोर्टिंग आने वाली पीढ़ियों के पत्रकारों और इतिहासकारों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। 1962 से 1975 तक अर्नेट वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे। उन्होंने 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान इराक से लाइव अपडेट देकर दुनियाभर में प्रसिद्धि हासिल की। अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले से पहले अधिकांश पश्चिमी पत्रकार बगदाद छोड़ चुके थे, लेकिन अर्नेट वहीं रहे। मिसाइल हमलों के बीच उन्होंने अपने होटल से फोन से लाइव रिपोर्टिंग की। उन्होंने 1966 में अमेरिकी सैनिकों की बटालियन के साथ नॉर्थ वियतनामी स्नाइपरों के खिलाफ ऑपरेशन में भाग लिया। उन्होंने याद किया कि एक गोली बटालियन कमांडर को लगी, जो उनके सामने गिर गए। अर्नेट ने वियतनाम में काम करने से एक साल पहले एसोसिएटेड प्रेस में इंडोनेशिया के संवाददाता के रूप में अपनी नौकरी शुरू की थी। इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट करने के बाद उन्हें देश से निकाल दिया गया।

वेनेजुएला के खिलाफ युद्ध पर अड़े ट्रंप, सैन्य कार्रवाई रोकने की अमेरिकी संसद की कोशिश भी बेकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी बढ़ा दी है, जिसके बाद वेनेजुएला ने अमेरिका पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया। बुधवार को कुछ डेमोक्रट सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को रोकने की मांग की गई थी, लेकिन सदन के रिपब्लिकन सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, जिसके बाद यह खारिज हो गया। डेमोक्रेट्स के समर्थन वाला प्रस्ताव खारिज ट्रंप ने दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई बढ़ा दी है। जिस पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाया। अमेरिकी सेना कैसे एक अभियान चला रही है, जिसके तहत कैरेबियाई क्षेत्र में कथित तौर पर ड्रग्स ले जा रहे 26 जहाजों को निशाना बनाया गया है और बुधवार को हुए एक हमले सहित इन हमलों में कम से कम 99 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी कर दी है और अपने युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। डेमोक्रेट्स ने युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों का इस्तेमाल करके वोटिंग करवाई। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस की अनुमति लेना जरूरी हो जाता। रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप के अभियान का समर्थन किया हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट सांसद, ग्रेगरी मीक्स ने तर्क दिया कि वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की आक्रामकता असल में इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति वेनेजुएला के तेल पर नजर गड़ाए हुए हैं। हालांकि रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के अभियान का लगातार समर्थन किया है। सीनेट के बहुमत दल के नेता जॉन थून ने बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं है। मादुरो ने आरोप लगाया, 'अमेरिका, वेनेजुएला में लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करके एक कठपुतली सरकार थोपना चाहता है जो 47 घंटे भी नहीं टिकेगी, जो संविधान, संप्रभुता और सारी संपत्ति सौंप देगी। इससे वेनेजुएला एक उपनिवेश बन जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा।' वहीं मंगलवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'वेनेजुएला के आसपास सैन्य तैनाती तब तक बढ़ेगी जब तक वेनेजुएला अमेरिका को तेल, जमीन और अन्य संपत्ति जो उन्होंने पहले हमसे चुराई थी, वापस नहीं कर देता।

अमेरिकी सीनेटर ने भारत-चीन से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता पर जताई चिंता

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के एक सीनेटर ने भारत और चीन समेत दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सीनेटर रिक स्कॉट का कहना है कि भारत और चीन से आने वाली जेनेरिक दवाएं पर बढ़ती निर्भरता अमेरिकी परिवारों के लिए खतरा बन सकती है। सीनेट की स्पेशल कमेटी ऑन एजिंग के अध्यक्ष सीनेटर रिक स्कॉट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे रसायनों का बड़ा हिस्सा विदेशों में बनता है। यह स्थिति न सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। रिक स्कॉट ने कहा, 'जो भी अमेरिकी दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर निर्भर है, उसे अपनी दवाओं में छिपे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जानने का हक है।' उनकी समिति अमेरिका की दवा आपूर्ति शृंखला में मौजूद कमजोरियों को उजागर करने के लिए एक बार फिर सक्रिय हुई है। सीनेटर स्कॉट इस मुद्दे पर समिति की वरिष्ठ सदस्य सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत कई जांच, सुनवाई और सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के साथ संवाद किए गए हैं। सीनेटर स्कॉट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं में लगभग 80 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) विदेशों से आते हैं। इनमें से कई दवाएं असुरक्षित और गंदी फैक्ट्रियों में तैयार की जाती हैं, जहां निरीक्षण बहुत कम होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं से गंभीर स्वास्थ्य नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'ये दवाएं लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता एक रणनीतिक कमजोरी भी है। 'स्कॉट ने चेतावनी दी कि चीन किसी भी समय दवाओं की आपूर्ति

रोक सकता है, जिससे बुजुर्गों, सेना के जवानों और आम अमेरिकियों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही विदेशी फैक्ट्रियों में कुछ अचानक निरीक्षण किए जा रहे हों, लेकिन अमेरिकी एफडीए अमेरिका के बाहर स्थित दवा इकाइयों की तुलना में देश के भीतर कहीं ज्यादा निरीक्षण करता है। कई बार विदेशी कंपनियों को नियमों के उल्लंघन पर भी छूट दे दी जाती है ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो। समिति की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में दवाओं का घरेलू उत्पादन तेजी से घटा है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने अपनी जरूरत की सिर्फ 37 प्रतिशत दवाएं खुद बनाईं, जबकि 2002 में यह आंकड़ा 83 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले 95 प्रतिशत आइबुप्रोफेन, 70 प्रतिशत पैरासिटामोल और 45 प्रतिशत से अधिक पेनिसिलिन चीन से आते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनियाभर में एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। वहीं, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत की भूमिका भी इस आपूर्ति शृंखला में अहम है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां भी अपने लगभग 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर हैं। समिति ने 2025 के एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक पाए गए। इन दुष्प्रभावों में स्थायी विकलांगता या मौत जैसे जोखिम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दवा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की। समिति की रिपोर्ट में कई सुझाव दिए गए हैं, जिनमें जरूरी दवाओं के लिए अमेरिकी निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने वाला फेडरल बायर मार्केट बनाना, दवा आपूर्ति शृंखला की मैपिंग, दवाओं के मूल देश की जानकारी अनिवार्य करना, व्यापारिक जांच जैसे सेक्शन 232 का इस्तेमाल, 'मेड इन अमेरिका' लेबल के दुरुपयोग को रोकना और अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना शामिल है।

हरियाणा में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन काफी हंगामेदार रहा। सदन में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सत्र के दौरान विधायक घनश्याम ने वंदे मातरम पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस विधायक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि पहाड़ों को उद्योगपतियों को बेचा जा रहा है। इस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि आपने विभाजन के समय वंदे मातरम को काट दिया था। इस बयान के बाद सदन में जमकर नारेबाजी हुई और स्पीकर हरविंद कल्याण को सदन की कार्यवाही 30 मिनट (लंच तक) के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस द्वारा लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चुटकी ली। उन्होंने ध्यान दिलाया कि नोटिस पर विपक्ष के नेता (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) के हस्ताक्षर नहीं थे। कांग्रेस को हुड्डा पर यकीन नहीं, देश की जनता को कांग्रेस पर नहीं, पर सदन में विपक्ष चाहिए था, हम तो हुड्डा साहब ही चाहते थे, चाहे कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चाहे या न चाहे। हुड्डा साहब ही सही। इस बयान के बाद कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और जोरदार हंगामा किया। हंगामे के दौरान जब मंत्री विज बोलना चाहते थे, तब स्पीकर ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर विज नाराज हो गए और स्पीकर से ही भिड़ गए। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली से कई एयरलाइन की 27 उड़ानें और इंडिगो की 59 घरेलू उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। घने कोहरे और उसकी वजह से दृश्यता कम होने के कारण गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर कई एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गई और कई के परिचालन में देरी हुई। आधिकारिक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बीच इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक उसने अपने घरेलू नेटवर्क में 59 उड़ानें रद्द कर दी हैं। सूत्र ने बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। यात्रियों के लिए जारी एक परामर्श में डायल ने कहा कि घने कोहरे के कारण उड़ान संचालन वर्तमान में कैट (श्रेणी)-तीन की स्थितियों के अंतर्गत आता है। इस तरह की परिस्थितियों में परिचालन में देरी या व्यवधान हो सकता है। इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक एयरलाइन ने गुरुवार को 59 उड़ानें रद्द की थी और शुक्रवार के लिए 28 और उड़ानें रद्द की। हालांकि, इंडिगो ने इसका कोई कारण नहीं बताया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने की एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में 16 दिसंबर को एक और गिरफ्तारी की है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार सौम्या चौरसिया को रायपुर की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया जहां से उसे तीन दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की है। पुलिस की जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अपराधों के माध्यम से लाभार्थियों को फायदा पहुंचाने के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय उत्पन्न हुई। ईडी की जांच में पता चला कि सौम्या को लगभग 115.5 करोड़ रुपये की रिश्वत प्राप्त हुई थी। ईडी की जांच में डिजिटल रिकॉर्ड, जब्त सामग्री और लिखित बयानों के रूप में जुटाए गए सबूतों से यह साबित हुआ कि सौम्या शराब गिरोह की सक्रिय सहयोगी थी। डिजिटल साक्ष्य से पुष्टि हुई कि वह अनिल टुटेजा और चैतन्य बघेल सहित शराब गिरोह के प्रमुख सदस्यों के बीच केंद्रीय समन्वयकर्ता एवं मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी तथा अवैध धन के सृजन एवं धनशोधन में सुविधा प्रदान कर रही थी। बरामद चैट से यह भी पता चला कि वह गिरोह के प्रारंभिक संगठन में शामिल थी जिसमें अरुण पति त्रिपाठी और निरंजन दास को आबकारी विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने में सहायता करना भी शामिल था। इससे पहले ईडी ने संबंधित मामले में अनिल टुटेजा (पूर्व आईएएस), अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस), कवासी लखमा (छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) और चैतन्य बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र) को गिरफ्तार किया गया है।

मध्य प्रदेश के साईं भक्तों ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया

शिर्डी (एजेंसी)। देश और विदेश के करोड़ों भक्तों की श्रद्धा का स्थान शिरडी के साईं बाबा में अटूट आस्था है। साईं बाबा के चरणों में भक्त अपना आभार जताने के लिए अलग-अलग तरह के दान करते हैं। इसी भावना के साथ, मध्य प्रदेश के हरदासपुर के एक साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया है। मध्य प्रदेश के हरदासपुर के रहने वाले तेज बहादुर सिंह 2002 से शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए आ रहे हैं। पिछले 24 सालों से साईं बाबा में उनकी अटूट आस्था है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में साईं बाबा से जो कुछ भी मांगा, वह सब मुझे मिला। 24 साल बाद, साईं बाबा की कृपा से मुझे एक बेटा हुआ। मैंने अपनी जिंदगी में कई बड़ी मुश्किलों का सामना किया। हालांकि, साईं बाबा ने मुझे हमेशा उन मुश्किलों से बाहर निकाला। तेज बहादुर सिंह, जो पहले बहुत मुश्किल हालात में रहे थे, ने कहा है कि आज उन्हें जो भी कामयाबी, खुशी, खुशहाली और सुकून मिला है, वह सब साईं बाबा की कृपा से है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह साईं बाबा की कृपा से है। इसलिए मुझे साईं बाबा को कुछ देना है। इसी भावना से मैंने यह सोने का मुकुट चढ़ाया है। दरअसल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने श्रद्धा के साथ साईं बाबा के चरणों में करीब 200 ग्राम वजन का एक आकर्षक और खूबसूरती से सजा हुआ सोने का मुकुट चढ़ाया। इस कलात्मक सोने के मुकुट की कीमत करीब 20 लाख 16 हजार रुपये है। साईं बाबा के चरणों में सोने का मुकुट चढ़ाने के बाद, इसे साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे को सौंप दिया गया। इस मौके पर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने दरियादिल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह को सम्मानित किया और उनकी आस्था और योगदान के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया।

यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं: राष्ट्रपति

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रक्रिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है।

राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएं ग्रहण कीं।

केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएं भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है।

श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियां पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति। राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है। श्रीमती मुर्मु ने संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके प्रयासों में लगातार सफलता मिलने की शुभकामनाएं दीं।

सीएम सरमा की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की धमकियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें ऐसा करते रहने दीजिए। आजकल उनकी बातों से राज्य के लोगों को फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि सीएम सरमा की धमकियों की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। गोगोई ने कहा कि सीएम सरमा अगले चार महीने जो चाहे कर सकते हैं, लेकिन सत्ता से बाहर होने के बाद उन्हें जनता के बीच ही रहना होगा। सीएम पिछले कुछ महीनों से गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाते हुए लगातार हमले कर रहे हैं। कोलबर्न ब्रिटेन की नागरिक हैं। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने 10 सितंबर को सीएम सरमा को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। सरमा ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया जाएगा। सीएम सरमा ने यह भी कहा कि एसआईटी जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में आरोप-पत्र दाखिल कर चुकी है, अब हम गौरव गोगोई के मामले पर आगे बढ़ेंगे। गर्ग हत्याकांड में सीआईडी की विशेष जांच टीम द्वारा दाखिल आरोप-पत्र का जिक्र करते हुए गोगोई ने कहा कि राज्य के अनुभवी वकीलों की टिप्पणियों से स्पष्ट होता है कि यह आरोप-पत्र अत्यंत कमजोर है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आरोप-पत्र सीएम सरकार के करीबी सहयोगी श्यामकानु महंत को बचाने की रणनीति के तहत सोच-समझकर तैयार किया गया है। इसमें कई प्रमुख आरोपियों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं, जिन्हें किया जाना चाहिए था।

सीएम ममता ने 'कर्मश्री' योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और वैचारिक बयान देते हुए राज्य सरकार की रोजगार योजना कर्मश्री का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर शर्म महसूस होती है कि राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गांधी के नाम को कल्याणकारी योजनाओं से हटाया जा रहा है। ममता बनर्जी का इशारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में किए गए कथित बदलावों की ओर था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कर्मश्री' योजना के तहत राज्य में 75 से 100 दिनों तक रोजगार दिया जाता है और अब यह योजना महात्मा गांधी के नाम से जानी जाएगी। ममता बनर्जी ने भावुक अंदाज में कहा, मैं वास्तव में शर्मिंदा हूं। राष्ट्रपिता का नाम योजनाओं से हटाया जा रहा है। मैं किसी और को दोष नहीं देती, क्योंकि मैं इसी देश की नागरिक हूं। हम राष्ट्रपिता को भूलते जा रहे हैं, यह दुखद है। उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि अगर केंद्र महात्मा गांधी को सम्मान नहीं देगा तो बंगाल देगा। ममता ने कहा, अगर आप महात्मा गांधी का सम्मान नहीं करेंगे, तो हम करेंगे। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव अंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार पटेल और लाल-बाल-पाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की समावेशी संस्कृति की बात करते हुए कहा कि राज्य हर समुदाय और हर विचारधारा का सम्मान करता है। देखा जाये तो यह बयान ऐसे समय आया है जब मनरेगा के नाम और पहचान को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस चल रही है और तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र सरकार की इतिहास और प्रतीकों को बदलने की राजनीति बता रही है।

कर्नाटक में सिद्धारमैया गुट के 30 विधायकों का रात्रिभोज... सीएम बदलाव की अटकलें फिर तेज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही खींचतान और बदलाव की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। बेलगावी में वरिष्ठ लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थन करने वाले विधायक शामिल हुए। इस जमावड़े में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्धारमैया तथा विधायक के एन राजन्ना सहित तीस से अधिक विधायक शामिल हुए। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। जारकीहोली ने बैठक को राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान एक सामान्य सामाजिक मेलजोल बताया है लेकिन इसमें शामिल कई विधायकों ने संकेत दिया कि वहां राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के करीबी राजन्ना ने पुष्टि की कि पार्टी की रणनीति और नेतृत्व से जुड़े मामले बातचीत का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि इस तरह की बैठकें केवल सामाजिक मेलजोल के अलावा कई अन्य उद्देश्यों को भी पूरा करती हैं। यह रात्रिभोज उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इसी तरह के एक कार्यक्रम की मेजबानी किए जाने के एक सप्ताह बाद हुआ है। इससे कर्नाटक कांग्रेस के भीतर स्पष्ट गुटबाजी और अलग अलग धुरों का साफ पता लगता है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपना ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं ने जोर पकड़ लिया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच साल 2023 के सत्ता साझाकरण समझौते की खबरें लगातार चर्चा में हैं हालांकि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर दोनों नेताओं ने हाल ही में एक दूसरे के आवास पर मुलाकात की है। इससे फिलहाल श्री सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने और नेतृत्व की खींचतान में अस्थायी विराम का संकेत मिलता है।

वहीं विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के सीएम सिद्धारमैया को विदा होने वाला मुख्यमंत्री कहने पर यतींद्र ने कहा कि ऐसी आलोचनाएं लंबे समय से चल रही हैं और इनका कोई विशेष महत्व नहीं है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सत्र के दौरान ऐसी बैठकें सामान्य होती हैं लेकिन ये पार्टी विधायकों के भीतर आंतरिक समीकरणों और निष्ठाओं को जरूर प्रदर्शित करती हैं।

मनी लॉनड्रिंग केस में ईडी का शिकंजा : युवराज, सोनू सूद, उर्वशी की करोड़ों की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन सट्टेबाजी 1×बेट ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटिज की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। 1×बेट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने नए प्रोविजनल अटैचमेंट किए हैं, जिन लोगों की संपत्तियां अटैच की गई हैं, उनमें युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा के नाम शामिल हैं। यह जांच कथित अवैध बेटिंग ऐप्स से जुड़ी है, जिन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है या बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की है। कंपनी का दावा है कि 1×बेट एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुकी है, जो पिछले 18 सालों से बेटिंग इंडस्ट्री में है।

वायु प्रदूषण पर चर्चा से भागी सरकार... ये शीतकालीन नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र

–कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि हाल ही में समाप्त हुआ संसद का शीतकालीन सत्र सरकार की इस मुद्दे पर बहस करने की अनिच्छा के कारण प्रभावी रूप से प्रदूषण सत्र में बदल गया। प्रेसवार्ता को संबोधित कर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि संसद में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया से उन्हें गहरा सदमा लगा, जिसमें उन्होंने प्रदूषण और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों के बीच किसी भी संबंध से इंकार किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह शीतकालीन सत्र नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र था। मैं तब स्तब्ध रह गया जब सरकार ने गुरुवार को संसद में यह जवाब दिया कि प्रदूषण और फेफड़ों की समस्याओं के बीच कोई संबंध नहीं है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश भर में, विशेष रूप से उत्तर भारत में, जहां प्रदूषण का स्तर हफ्तों से गंभीर बना हुआ है, बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा की बार-बार मांग की थी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग की थी। हम लोकसभा और राज्यसभा में वायु प्रदूषण पर बहस चाहते थे। कांग्रेस नेता ने केंद्र के उस दावे को खारिज किया कि विपक्ष द्वारा व्यवधान डालने से प्रदूषण पर बहस नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांगों के बावजूद लोकसभा को इस मुद्दे पर चर्चा किए बिना अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया। दुर्भाग्य से, लोकसभा में ही सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की गई।

केंद्र के आरोपों पर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि चर्चा न होने की जिम्मेदारी सरकार की है। 'सरकार का यह बयान कि कांग्रेस के कारण प्रदूषण पर चर्चा नहीं हो सकी, गलत है। मैं इस बयान को पूरी तरह से खारिज करता हूं। रमेश की ये टिप्पणी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कांग्रेस पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वायु प्रदूषण पर प्रस्तावित चर्चा को बाधित करने का आरोप लगाने के बाद आई है। रिजिजू ने दावा किया था कि सरकार पूरे दिन की बहस के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष के व्यवधान के कारण ऐसा करने से रोक दिया गया।

संसद में सवाल के बदले नकदी मामले में महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत

-हाईकोर्ट ने लोकपाल का आदेश किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में सवाल पूछने के बदले नकदी लेने के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी कानूनी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने भारत के लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को महुआ मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। अदालत के इस फैसले को मोइत्रा के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर शामिल थे, ने महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। इससे पहले कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। महुआ मोइत्रा ने लोकपाल के 12 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सीबीआई को उनके खिलाफ जांच और आगे की कार्रवाई की अनुमति दी गई थी।

सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने दलील दी कि लोकपाल ने लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उनका कहना था कि अधिनियम की धारा 20(7) के तहत लोकपाल को किसी भी लोकसेवक के खिलाफ कार्रवाई से पहले उसका पक्ष जानना अनिवार्य है। हालांकि महुआ मोइत्रा से लिखित जवाब मांगा गया था, लेकिन उनके अनुसार लोकपाल ने उनके जवाबों पर समुचित विचार किए बिना ही सीबीआई को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दे दी।

मामले की पृष्ठभूमि में आरोप है कि महुआ मोइत्रा ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे का दावा था कि ये आरोप उन्हें वकील जयअनंत देहाद्राई से प्राप्त सबूतों के आधार पर लगे हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनियों के हित में संसद में सवाल उठाए।

भाजपा सांसद का यह भी दावा था कि महुआ मोइत्रा द्वारा पूछे गए 61 सवालों में से करीब 50 सवाल सीधे तौर पर हीरानंदानी समूह को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से थे। दूसरी ओर, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने लोकपाल के आदेश का बचाव करते हुए कहा था कि आरोपी को मौखिक सुनवाई का कोई अधिकार नहीं है और महुआ मोइत्रा को लिखित टिप्पणी देने का पूरा अवसर दिया गया था। हाईकोर्ट के ताजा फैसले से फिलहाल महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई पर विराम लग गया है।

दूसरे धर्म में लड़की ने की शादी पिता ने किया संपत्ति से बेदखल, कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति के अधिकार को लेकर एक अहम फैसला दिया है। उसने टेस्टेटर की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए एक पिता की वसीयत को वैध ठहराया है, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी शैला जोसेफ को समुदाय से बाहर के लड़के से शादी करने के कारण संपत्ति से वंचित कर दिया था। यह मामला लैंगिक समानता के कई ऐतिहासिक फैसलों के बावजूद वसीयत की स्वतंत्रता को अहमियत देता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने केरल हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसलों को पलट दिया, जिन्होंने वसीयत को दरकिनार करते हुए एनएस श्रीधरन की संपत्ति को नौ बच्चों में बराबर बांटने का आदेश दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीधरन के नौ बच्चे थे, लेकिन 1988 में बनाई गई उनकी रजिस्टर्ड वसीयत में शैला को छोड़कर बाकी आठ बच्चों को संपत्ति सौंप दी गई थी। वजह थी शैला का समुदाय से बाहर शादी करना। जजमेंट लिखते हुए जस्टिस चंद्रन ने कहा कि वसीयत स्पष्ट रूप से साबित हो चुकी है, इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले रद्द किए जाते हैं। शैला जोसेफ का अपने पिता की संपत्ति पर कोई दावा नहीं है, क्योंकि वसीयत से यह संपत्ति अन्य भाई-बहनों को सौंप दी गई है।

कोर्ट में शैला की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी कृष्णन ने तर्क दिया कि उनकी क्लाइंट को कम से कम 1/9 हिस्सा मिलना चाहिए, जो संपत्ति का नगण्य हिस्सा है, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि संपत्ति के बंटवारे में व्यक्ति की इच्छा के मामले में समानता का सवाल उठता ही नहीं। हम इक्विटी पर नहीं हैं। टेस्टेटर की इच्छा सर्वोपरि है। उसकी अंतिम वसीयत से विचलन या उसे निरस्त नहीं किया जा सकता।

बेंच ने टिप्पणी की कि वंचित करने की वजह बताई गई है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता हमारे लिए सावधानी का नियम नहीं तय करती। हम टेस्टेटर की जगह खुद को नहीं रख सकते। हम अपनी राय थोप नहीं सकते, उनकी इच्छा उनकी अपनी वजहों से प्रेरित है। फैसले में सिविल अपीलों को मंजूर करते हुए शैला की पार्टिशन सूट को खारिज कर दिया। मामला केरल का है, जहां श्रीधरन की मौत के बाद 1990 में भाई-बहनों ने इंजेक्शन सूट दाखिल किया था और वसीयत की कॉपी पेश की थी। शैला ने उसमें हिस्सा नहीं लिया, जिसे कोर्ट ने बाद में उनके खिलाफ माना।